E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 189 | गुवाहाटी | बुधवार, 1 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हमारी सेवा रहेगी जारी : महंत पेज 3 | आंतरिक चुनौतियों के साथ ही वैश्विक चिंताओं का समाधान कर... पेज 4 | ग्लोबेल इंवेस्टर्स समिट का प्रधानमंत्री मोदी करेंगे शुभारंभ : योगी पेज 5 | अध्यक्ष बोले-मेरे अधिकार को चैलेंज नहीं कर सकते पेज 8

मे-डाम-मे-फी पूजा अतीत और वर्तमान को जोड़ती है : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम सरकार के संस्कृति निदेशालय की पहल और डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से मंगलवार को नाहरकटिया के टिपम देवशाली में केंद्रीय रूप से आयोजित मे-डाम-मे-फी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असमिया समाज के लिए बहुत गर्व की बात है कि आहोम साम्राज्य द्वारा राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से असमिया लोगों के विशिष्ट चरित्र का निर्माण करके इतिहास बनाया गया है। आज असमिया समाज असमिया लोगों के भाषाई, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन में प्रवाहित होने वाले संदेश के कारण स्थिर तरीके से आगे बढ़ने में सक्षम हुआ है। यह उल्लेख करते हुए कि टिपाम आहोम शासन के इतिहास से जुड़ा हुआ है, मुख्यमंत्री ने कहा कि टिपाम आहोम साम्राज्य के ऐतिहासिक चिह्नों में से एक है जिसे स्वर्ण अक्षरों में चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि चराईदेव के बाद आहोम इतिहास में टिपाम का सबसे ज्यादा महत्व है। उन्होंने कहा कि असमिया समाज के संस्थापक स्वर्गदेव चाउलुंग सु-का-फा का जीवन टिपाम से शुरू हुआ था। मुख्यमंत्री ने सु-का-फा के समन्वय के आदर्शों के साथ असम की नींव को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिपाम पहाड़ी पर बना प्राचीन देवशाल अपने आध्यात्मिक स्वरूप को सिद्ध करता है। इसी देवशाल में सु-का-फा पूजा की गई थी और बाद में इस पूजा को आहोम पुजारियों द्वारा जारी रखा गया था। आहोम शासन के दौरान, टिपाम पूर्वी देशों के साथ एक जुड़ने वाला क्षेत्र बन गया, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस टिपाम के तहत, सु-का-फा ने असम की कृषि अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आहोम अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन शैली में रुचि रखते हैं और पूजा-पाताल और त्योहार आहोम के समृद्ध लोक जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि मे-डाम-मे-फी आहोम की एक महत्वपूर्ण पूजा है। यह पूर्वजों और देवताओं की पूजा करने को संदर्भित करता है। यह पूजा अतीत और वर्तमान को निकटता से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि वह अतीत का सम्मान करने का अवसर प्रदान करते हैं। यह पूजा शाही और सामूहिक रूप से मनाई गई। इतिहास से ज्ञात होता है कि अनेक स्वर्गदेवों ने मे-डाम-मे-फी धारण किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सु-का-फा ने असमिया लोगों को भाषाई, सामाजिक, सांस्कृतिक रूप देकर और ब्रह्मपुत्र घाटी की विभिन्न जनजातियों को राजनीतिक रूप से एकजुट करके राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से एक नया रूप दिया। लाचित बरफुकन को वीरता का प्रतीक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरायघाट के रण में लाचित बरफुकन के नेतृत्व में आहोम सेना की जीत ने न केवल असम की संप्रभुता की रक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति दिलाने को सरकार प्रयासरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि आजादी के अमृतकाल में देश *पंच प्राणों* की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है और सरकार गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने संसद के बजट सत्र के पहले दिन, केंद्रीय कक्ष में हुई लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में दिए गए अपने प्रथम अभिभाषण में कहा कि जो कभी राजपथ था, वह अब कर्तव्यपथ बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा हर भारतीय को गौरवान्वित कर रही है, तो अंडमान निकोबार में भी नेताजी और आजाद हिंद फौज के शौर्य को हमने सम्मान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में देश *पंच प्राणों* की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है और सरकार गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में *अमृत काल* में विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, -शेष पृष्ठ दो पर

मनमोहन सिंह ब्रिटेन में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को आर्थिक और राजनीतिक जीवन में उनके योगदान के लिए लंदन में इंडिया-यूके अचीवर्स ऑनर्स द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया। पिछले सप्ताह एक पुरस्कार समारोह में घोषित सम्मान बाद की तारीख में राष्ट्रीय भारतीय छात्र और पूर्व छात्र संघ (एनआईएसएयू) यूके द्वारा नई दिल्ली में डॉ सिंह को सौंप दिया जाएगा। भारत में ब्रिटिश काउंसिल -शेष पृष्ठ दो पर

आसाराम को दो बहनों के साथ दुष्कर्म में उम्रकैद की सजा

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर की एक अदालत ने आसाराम बापू को 2013 के एक दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले कोर्ट ने सोमवार को आसाराम बापू को दुष्कर्म के मामले में दोषी पाया था। आज कोर्ट ने इस मामले में सजा का एलान किया। बता दें कि आसाराम पर दो बहनों ने साल 2013 में दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। बताते चलें कि कोर्ट ने आसाराम बापू को धारा 376, 377, 354 342, 357 और 506 (2) के तहत दोषी पाया था। कोर्ट ने धारा 376 (दुष्कर्म), 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध) में उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा धारा 354 (आध्यात्मिक गुरु या शिक्षक के द्वारा दुष्कर्म का अपराध) में एक साल की सजा, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

ऑस्ट्रेलिया में रेडियोएक्टिव कैप्सूल गुम होने से हड़कंप, तलाश जारी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में एक छोटा सा रेडियोएक्टिव कैप्सूल खोने से हड़कंप मचा हुआ है। हालात ये हैं कि अब देश की सबसे बड़ी न्यूक्लियर एजेंसी उसे खोजने में जुट गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कैप्सूल 12 जनवरी को तब खोया था, जब इसे दूसरे कैप्सूल के साथ एक ट्रक में लाद कर एक माइनिंग साइट से लाया जा रहा था। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों का मानना है कि कैप्सूल ट्रक के खराब रास्तों से गुजरते हुए हिलने-डुलने की वजह से कहीं गिर गया। इस कैप्सूल की लंबाई 8 मिलीमीटर और चौड़ाई 6 मिलीमीटर बताई गई है। सरकार ने अपील की है कि अगर कैप्सूल किसी को दिखता है तो उसे छूने से बचें और तुरंत स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दें। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने कहा है कि यह रेडियोएक्टिव कैप्सूल हर घंटे 10 एक्स-रे जितना रेडिएशन छोड़ रहा है। लोग इससे कम से कम 5 मीटर की दूरी बनाकर रहें। इसके ज्यादा करीब जाने से स्किन जलने और कई गंभीर बीमारियों का खतरा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कैप्सूल से निकल रहा रेडिएशन उसके पास जाकर खड़े होने से ही ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। अगर कोई पास से गुजर रहा तो ज्यादा खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर कैप्सूल नहीं मिलता है तो वो सदियों तक लोगों के लिए खतरा बना रहेगा। इसमें मौजूद सेसियम केमिकल इंसान की हड्डियों में जाकर गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, खोया हुआ कैप्सूल 19-जीबीक्यू है। इसमें सेसियम-137 केमिकल है। यह एक रेडियोएक्टिव मेटल होता है, जो बीटा और गामा रेडिएशन छोड़ता है। सेसियम-137 की क्षमता 30 साल में आधी हो जाती है। रेडिएशन सर्विसेज के मैनेजर ने बताया कि इस तरह के कैप्सूल्स का इस्तेमाल बड़े उद्योगों में कई तरह के मटेरियल की डेंसिटी (घनत्व) और फ्लो (प्रवाह) को मापने के लिए किया जाता है। ऑस्ट्रेलियन न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, हर महीने परमाणु मेडिसिन के दो हजार पैकेज को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जाता है। रेडियोएक्टिव पदार्थों के इस्तेमाल के लिए लाइसेंस लेना होता है। उसकी सेफ्टी, पैकेजिंग पर ध्यान देना होता है। साथ ही ऑनलाइन और ऑफलाइन रिकॉर्ड रखना होता है। ऑस्ट्रेलिया की रेडिएशन प्रोटेक्शन और न्यूक्लियर सेफ्टी एजेंसी ने बताया कि कैप्सूल की खोज 1400 किलोमीटर के इलाके में की जा रही है। जहां से भी ट्रक गुजरा था। ये इलाका ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी हिस्से मे पड़ता है। कैप्सूल को ढूंढने के लिए कई न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स को भी भेजा गया है। जिस ट्रक से कैप्सूल गिरा वो रिओ टिंटो नाम की एक माइनिगं कंपनी का था। कंपनी ने इस मामले को लेकर माफी मांगी है। वहीं वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के चीफ हेल्थ ऑफिसर ने बताया कि इस तरह से किसी रेडियोएक्टिव कैप्सूल का खोना कोई आम घटना नहीं है।

अमित शाह त्रिपुरा में छह और बारह को

अगरतला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 6 फरवरी और 12 फरवरी को त्रिपुरा में रैलियां करने की संभावना है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा के बाद शाह का यह उत्तर पूर्वी राज्य में पहला राजनीतिक दौरा है। भाजपा शासित राज्य की साठ सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान होना है। पूर्वोत्तर के दो अन्य राज्यों नगालैंड और मेघालय में 27 फरवरी को मतदान होगा। तीनों राज्यों के लिए वोटों की गिनती 2 मार्च को होगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह नगालैंड और मेघालय में भी जनसभाएं करेंगे और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पूर्वोत्तर के तीनों चुनावी राज्य अपने चुनावी आकार के लिहाज से भले ही छोटे हों, लेकिन उनका राजनीतिक महत्व बड़ा है। भाजपा जहां त्रिपुरा में सत्ता बरकरार रखने और दो अन्य राज्यों में अपने पैर पसारने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, वहीं कांग्रेस और वाम दल खासकर त्रिपुरा में अपने खोए हुए प्रभाव को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

पिता को बेटी के साथ दुष्कर्म करने पर तीन बार उम्रकैद

मलप्पुरम। केरल से एक बेहद ही शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। एक पिता ने अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म किया और उसे गर्भवती भी किया। इस मामले में अब केरल की अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाया है। मंजेरी फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश राजेश के ने आरोपी पिता को तीन आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न के साथ-साथ पीड़िता को डराने-धमकाने के आरोप में पिता को दोषी ठहराया है। एसपीपी ए सोमसुंदरन ने कहा कि आरोपी को पोक्सो अधिनियम के तहत तीन आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पहली बार घटना मार्च 2021 में हुई। पिता ने घर में अकेला पाकर अपनी 15 साल की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में अभियोजक ने कहा कि पीड़िता की कोरोना महामारी के कारण ऑनलाइन कक्षाएं चल रही थी और वह घर पर ही पढ़ रही थी। बेटी को अकेला पाकर पिता ने मौके का फायदा उठाया और उसे जबरन अपने बेडरूम में घसीट कर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो पिता ने उसकी मां को जान से मारने की धमकी दे डाली। इसके बाद, दोषी ने मार्च से लेकर अक्तूबर 2021 तक अपनी बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म किया। नवंबर 2021 से जब पीड़िता स्कूल जाने लगी तो एक दिन उसके पेट में बहुत तेज सा दर्द हुआ। पीड़िता को डॉक्टर के पास ले जाया गया लेकिन तब तक कुछ पता नहीं चल पाया। पीड़िता को एक बार फिर जनवरी 2022 में पेट में दर्द की शिकायत हुई तो उसे एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया। वहां पता चला की पीड़िता गर्भवती है। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ और पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने पिता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने भ्रूण, लड़की और उसके पिता के डीएनए नमूने भी एकत्र किए। एसपीपी ने बताया कि डीएनए जांच से खुलासा हुआ कि लड़की के पिता ने ही उसके साथ दुष्कर्म किया था।

आर्थिक सर्वेक्षण में श्रम बाजार पूर्व-कोविड स्थिति से भी आगे निकला

नई दिल्ली (हि.स.)। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में कहा गया है कि महामारी ने श्रम बाजार और रोजगार दोनों को प्रभावित किया था लेकिन शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अब श्रम बाजार पूर्व-कोविड स्थिति से भी आगे निकल आया है। यह आपूर्ति-पक्ष और मांग-पक्ष के रोजगार डेटा में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में श्रम बाजार पूर्व-कोविड स्तरों से आगे निकल गए हैं, बेरोजगारी दर 2018-19 में 5.8 प्रतिशत से गिरकर 2020-21 में 4.2 प्रतिशत हो गई है। महिलाओं की ग्रामीण क्षेत्र के श्रम बल भागीदारी बढ़ी है। यह 2018-19 में 19.7 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 27.7 प्रतिशत हो गई है। इस संदर्भ में महिलाओं के लिए मापन कार्य के क्षितिज को व्यापक बनाने की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के मुताबिक ई-श्रम पोर्टल पर 28.5 करोड़ असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है। 2020-21 में स्वरोजगार में वृद्धि हुई थी और नियमित वेतन/वेतनभोगी कर्मचारियों की हिस्सेदारी में गिरावट आई थी। ईपीएफओ के तहत जोड़े गए शुद्ध औसत मासिक ग्राहक अप्रैल-नवंबर 2021 में 8.8 लाख से बढ़कर अप्रैल-नवंबर 2022 में 13.2 लाख हो गए हैं।

मेघालय के मुख्यमंत्री ने चुनाव अभियान की शुरुआत की

शिलांग (हि.स.)। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा ने मेघालय में पिछले पांच वर्षों में एनपीपी नेतृत्वाधीन सरकार द्वारा लाए गए *असाधारण* विकास का व्यापक लेखा-जोखा लेकर चुनाव अभियान की शुरुआत की है। बीती रात, उन्होंने 27 फरवरी को 60 सीटों वाले मेघालय विधानसभा चुनाव के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र संख्या 51, दक्षिण तुरा से प्रचार शुरू किया। रैली से पहले, उन्होंने न्यू तुरा लॉ कॉलेज परिसर में शक्ति प्रदर्शन किया और आगामी 27 फरवरी को होने वाले चुनावों में एनपीपी को वोट देने की अपील की। सभा में, मुख्यमंत्री ने पिछले पांच वर्षों में अपनी सरकार के विभिन्न विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने मेघालय में *असाधारण* काम किया है। एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार वह दिखा रही है जो पिछले 45 वर्षों में लोगों ने नहीं देखा, खासकर तुरा और गारो पहाड़ में। तुरा के मतदाताओं ने पिछले उपचुनाव में 8,500 से अधिक वोट देकर रिकॉर्ड जीत के साथ उनका समर्थन किया था। एनपीपी सुप्रीमो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनके वोटों के कारण, वह तुरा सहित पूरे राज्य के लिए पांच साल में काफी काम पूरा करने में सक्षम हुए हैं, जो पिछले 45 वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। उन्होंने राज्य की जनता को आश्वासन दिया कि एनपीपी के सभी प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताएं और सरकार बनाएं। अगर जनता के आशीर्वाद से प्रदेश में फिर से एनपीपी की सरकार बनती है तो विकास की प्रक्रिया चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ वादे नहीं करते, हम वादे पूरा करते हैं। कोनराड सांग्मा ने कहा कि मैं पिछले पांच वर्षों में दक्षिण तुरा के लोगों की सेवा करने से व्यक्तिगत रूप से संतुष्ट हूं। क्योंकि, हमने अपने प्यारे तुरा शहर के गौरव को बहाल करने के लिए मिलकर काम किया। हमारे कर्म बोलते हैं। लेकिन मेरा वादा अभी पूरा नहीं हुआ है। हम विकास के लिए हैं और हम लोगों के लिए। उन्होंने 51वीं दक्षिण तुरा चुनावी रैली में लोगों के प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। मनरेगा ने पिछले 20 वर्षों के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब यह तेजी से चल रही है, उन्होंने जॉब कार्ड योजना के बारे में सभा को बताया। 2018 में, मेघालय में मनरेगा निधि आवंटन लगभग 500 करोड़ रुपए था। लेकिन एनपीपी सरकार के आने के बाद यह फंड बढ़कर 1,800 करोड़ रुपए हो गया है। वह भी संभव नहीं होता अगर नरेंद्र मोदी केंद्र में नहीं होते। उन्होंने कहा कि उनके विधायकों और मंत्रियों ने प्रशासन के माध्यम से हर परियोजना की निगरानी और क्रियान्वयन किया है। जल जीवन मिशन (जेजेएम) के बारे में कोनराड सांग्मा ने कहा कि मेघालय अब जेजेएम को लागू करने के लिए अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल है। एनपीपी प्रमुख ने कहा कि मेघालय में पिछले पांच वर्षों में जो प्रगति हुई है वह नई दिल्ली (केंद्र सरकार) के कारण हुआ है। पहले नई दिल्ली में एक ऐसी सोच थी कि मेघालय राज्य को दी गई धनराशि का उपयोग सरकार नहीं कर सकती है।

अपने नाम के लिए मारा : स्वास्थ्य मंत्री के हत्यारे का बयान

झारसुगुड़ा। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नव दास को रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारने वाले आरोपित एएसआई गोपाल दास ने पुलिस पूछताछ में आखिरकार अपना गुनाह कबूल कर लिया है जो काफी चौंकाने वाला है। आरोपित सहायक उप-निरीक्षक (एएसआइ) रैंक के अधिकारी गोपाल दास ने अधिकारियों को बताया कि मैंने नव दास की छाती में गोली मारी थी। उसके बाद उन्हें टारगेट करते हुए दो और गोलियां चलाई थी। मैंने कुछ बड़ा करने की बात सोच रखी थी, ताकि हर जगह मेरा नाम हो। गोपाल दास से पूछताछ के दौरान कुछ इसी तरह की बात सामने आई है, जिसे सुनकर अधिकारी हैरान हैं। वहीं गोपाल दास के इस बयान में सच्चाई भी लग रही है, क्योंकि उसके पास लोडेड पिस्तौल थी और पॉकेट में भी गोली रखी हुई थी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने गोपाल को पकड़ लिया अन्यथावह लोगों के ऊपर भी गोलियों की बौछार कर सकता था। बता दें कि 29 जनवरी को दोपहर स्वास्थ्य मंत्री नव किशोर दास जिले के ब्रजराजनगर के गांधी चौक में सरकारी दौरे पर थे। वहीं ट्रैफिक क्लियरेंस के दायित्व में गांधी चौक पुलिस चौकी का आरोपित एएसआई गोपाल कृष्ण दास ड्यूटी पर था। जब मंत्री की गाड़ी बीजद कर्मियों के बीच पहुंची तभी आरोपी भी मंत्री के नजदीक पहुंच गया। इस दौरान जैसे ही मंत्री नव दास गाड़ी से उतरे, वैसे ही एएसआई ने उनके ऊपर गोली चला दी। इसके बाद दो और गोलियां उसने चलाई लेकिन इस बीच उसे काबू में कर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सोमवार रात को कोर्ट में चालान किया गया और सात दिन की रिमांड में लेने की मांग भी कोर्ट में की गयी है। मंत्री की हत्या करने के बाद आरोपित की यहां तांडव करने की इच्छा थी। गोपाल जानता था कि उसे एक गोली चलाने में कोई असुविधा नहीं होगी, इसलिए उसने मंत्री के पास जाकर बायीं छाती को निशाना बना कर गोली चला दी थी। उससे जब्त पिस्तौल में तीन गोलियां बची थी। गोपाल ने मंत्री की हत्या की बात तो मानी लेकिन हत्या क्यों की? इसका कोई सटीक जवाब नहीं दे रहा। उसकी पत्नी के मुताबिक वह मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। वह कब क्या करता है उसे भी पता नहीं होता है। गोपाल से पूछताछ में जो बातें सामने आ रही हैं, उसमें कोई सामंजस्य नहीं है।

शिक्षक भर्ती घोटाला सुनवाई अधिकारी को जांच से हटाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक बार फिर जमकर फटकार लगाई है। लापरवाही बरतने पर नाराज न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने एक अधिकारी को जांच से हटा दिया। साथ ही कहा कि फाइल को बिल्कुल छुना मत। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति संबंधी मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा, बिना देरी किए जांच अधिकारी सोमनाथ विश्वास है, जांच से हटाना होगा। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती घाटाला मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, उसमें सोमनाथ भी हैं। सीबीआई सूत्रों ने बताया है कि सोमनाथ इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी हैं। जांच में जो जिम्मेदारी उनको दी गई थी, उसमें उन्होंने लापरबाही बरती। इसके साथ ही उन पर कई और गंभीर आरोप भी लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने जांच को गलत दिशा में मोड़ने की भी कोशिश की है।

सीएए के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहा केंद्र : ममता

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लागू करने के नाम पर लोगों को भ्रमित कर रही है। बनर्जी ने यह भी दावा किया कि वह और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मतुआ समुदाय के लोगों का ख्याल रख रही है, जिनकी जड़ें बांग्लादेश में हैं। उन्होंने कहा कि सीएए के नाम पर वे (केंद्र) लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। हम लंबे समय से मतुआ समुदाय का ख्याल रख रहे हैं, लेकिन जब चुनाव नजदीक आते हैं तो भाजपा उनके पास जाती है और दावा करती है कि वे उनके मित्र हैं। मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के रहने वाले मतुआ समुदाय ने 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल में पलायन शुरू कर दिया था। इनमें से अधिकांश ने धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन किया था। सीएए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के प्रवासियों को नागरिकता देने की सुविधा प्रदान करता है। लेकिन अधिनियम के तहत नियम अभी तक सरकार द्वारा तैयार नहीं किए गए हैं, इसलिए अब तक किसी को भी इसके तहत नागरिकता नहीं दी जा सकी है। बनर्जी ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम में कहा में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राज्य का बकाया जारी न करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप (केंद्र) पर बंगाल का एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है, हमें हमारा बकाया दीजिए। बनर्जी ने इससे पहले आरोप लगाया था कि केंद्र महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के लिए धन जारी नहीं कर रहा है।

जी-20 : मारवाड़ी शैली में स्वागत से विदेशी मेहमान अभिभूत

जोधपुर (हि.स.)। राजस्थान के जोधपुर शहर में दो से चार फरवरी के बीच होने वाले जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सम्मेलन के मद्देनजर मंगलवार से विदेशी मेहमानों का आना भी शुरू हो गया है। एयरपोर्ट पर मेहमानों का स्वागत स्थानीय अधिकारियों ने मारवाड़ी अंदाज में किया। इस स्वागत-सत्कार से वे अभिभूत हो उठे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन जी-20 के लिए सूर्य नगरी पूरी तरह से तैयार है। दो से चार फरवरी तक जोधपुर में जी-20 एम्प्लायमेंट वर्किंग ग्रुप सम्मेलन में मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरा शहर मेजबानी के लिए तैयार है। हर चौराहे पर सजावट किया गया है। जोधपुर एयरपोर्ट पर भी मेहमानों के स्वागत में पलक पावड़े बिछाए। एयरपोर्ट पर लोक कलाकारों ने ढोल-थाली बजाकर मेहमानों का स्वागत किया। श्रम मंत्रालय की सचिव आरती आहुजा ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा कि तीन थीम्स आईडेंटिफाई किए हैं, जिसमें सोशल प्रोटेक्शन के लिए कैसी फायनेंसिंग की जाए, दूसरा इकोनॉमी प्लेटफॉर्म के वर्कर्स को कैसे सोशल प्रोटेक्शन दे सकते हैं। तीसरा है स्किल, पूरी दुनिया में किस तरह से स्किल को मैच कर सकते हैं और क्या कॉमन टर्मिनोलॉजी ला सकते हैं। इन तीन मुद्दों पर हमारी चर्चा होगी। इसके अलावा सोशल इवेंट भी होगा जिसमें जी-20 के अलावा डेलिगेशन हिस्सा लेगा। इसमें हम स्किलिंग के बारे में बात करेंगे। इन सभी में टेक्निकल इनपुट्स, वर्ल्ड बैंक व भारतीय संस्था जिसमें नीति आयोग, वीवी गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट एवं मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट का योगदान भी इसमें रहा है। जोधपुर में जी-20 देशों के डेलिगेशन के तौर पर सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कनाडा के अलावा भारतीय अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल का जोधपुर पहुंचना शुरू हो गया है। मंगलवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर राजस्थानी लोक कलाकारों ने लोक संगीत के जरिए मेहमानों की अगवानी की। राजस्थानी रंग बिरंगी पोशाक पहने कलाकारों ने मेहमानों का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की टीमें पूरी तरह से मुस्तैद रहीं। जिला परिषद के सीईओ अभिषेक सुराणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रोहित कुमार एयरपोर्ट पर मेहमानों की अगवानी में जुटे नजर आए।

पृष्ठ एक का शेष

मे-डाम-मे-फी पूजा ...

की, बल्कि पूरे दक्षिण पूर्व एशिया को आक्रामक ताकतों के चंगुल से बचाया। असम सरकार द्वारा नई दिल्ली में लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती मनाए जाने के साथ, पूरा देश लाचित की वीरगाथा को जानने में सक्षम हो पाया है, जो इतने लंबे समय से उत्तर-पूर्व तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि चराईदेव में आहोम स्वर्गदेव का मैदम स्थल विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाने में सक्षम रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार टिपाम की सड़क को विकसित करने और इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के लिए कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस क्षेत्र में हॉकी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा ताकि क्षेत्र की युवा पीढ़ी खेलों की ओर बढ़ सके।

गुलामी के प्रतीकों से ...

एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन के *पंच प्राण* का आह्वान किया था। मुर्मू ने कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाषचंद्र बोस द्वीप पर नेताजी को समर्पित भव्य स्मारक और संग्रहालय का शिलान्यास भी किया है। मुर्मू ने कहा कि भारतीय सेना के परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण भी किया गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राष्ट्रीय समर स्मारक आज राष्ट्रीय शौर्य का प्रतीक बन गया है, वहीं नौसेना को भी अब छत्रपति वीर शिवाजी महाराज का दिया प्रतीक चिन्ह मिला है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां भगवान बिरसा मुंडा सहित तमाम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े संग्रहालय बन रहे हैं, डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ बनाए गए हैं, वहीं दूसरी तरफ हर प्रधानमंत्री के योगदान को दर्शाने वाले प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश ने प्रथम *वीर बाल दिवस* को भी पूरे गर्व और श्रद्धा से मनाया है। इतिहास की पीड़ाओं और उनके साथ जुड़ी शिक्षाओं को जागृत रखने के लिए देश में *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* की शुरुआत भी मेरी सरकार ने की है।

मनमोहन सिंह ब्रिटेन...

और यूके के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) के साथ साझेदारी में निसायू यूके द्वारा इंडिया-यूके एचीवर्स ऑनर्स, ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भारतीय छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं। डॉ सिंह ने एक लिखित संदेश में कहा कि मैं इस भाव से बहुत प्रभावित हूं, जो विशेष रूप से युवा लोगों से आ रहा है जो हमारे देश का भविष्य हैं और हमारे दोनों देशों के बीच संबंध हैं। 90 वर्षीय अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत-यूके संबंध वास्तव में विशेष रूप से हमारी शैक्षिक साझेदारी द्वारा परिभाषित होते हैं। हमारे राष्ट्रपति महात्मा गांधी, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, सरदार पटेल और कई अन्य लोगों ने यूके में अध्ययन किया और आगे चलकर महान नेता बने। वो अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए जो भारत और दुनिया को प्रेरित करती रही है। वर्षों से अनगिनत भारतीय छात्रों को यूके में अध्ययन करने का अवसर मिला है।

आसाराम को दो...

धारा 342 (गलत तरीके से कैद रखना) 6 माह की सजा व 357 (अवैध तरीके से कैद करने के लिए बल प्रयोग और हमला करना) एक साल और 506 (2) धमकी में एक साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को 50 हजार का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इससे पहले विशेष लोक अभियोजक आरसी कोडेकर ने अदालत से आसाराम को आजीवन कारावास और भारी जुर्माना लगाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था हमने कोर्ट से अपील की है कि पीड़िता को मुआवजा दिया जाना चाहिए। विशेष लोक अभियोजक आरसी कोडेकर के अनुसार, पीड़िता ने सूरत पुलिस में मामला दर्ज कराया था, जिसे 2013 में अहमदाबाद पुलिस को स्थानांतरित कर दिया गया था। चांदखेड़ा थाना पुलिस ने आसाराम बापू और उनके बेटे नारायण साईं सहित 8 लोगों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। बता दें कि आसाराम बापू वर्तमान में जोधपुर जेल में है। वहीं, सूरत की अदालत में नारायण साईं के खिलाफ एक अलग मुकदमा चल रहा है। दो बहनों ने आसाराम और उनके बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 1997 से 2006 के बीच आसाराम और उनके बेटे द्वारा संचालित मोटेरा आश्रम में उनके साथ दुष्कर्म किया गया था। छोटी बहन ने नारायण साईं और बड़ी बहन ने आसाराम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

नगालैंड विस चुनाव : भाजपा उम्मीदवारों के नाम दिल्ली तय करेगी

नई दिल्ली/कोहिमा (हि.स.)। नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के 20 उम्मीदवारों की सूची आज घोषित की जाएगी। बुधवार को उम्मीदवारों के अंतिम चयन पर नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में निर्णय किया जाएगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तेमजेन इम्ना लोंगकुमेर ने मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि वह और राज्य के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री वाई पेट्टन 27 फरवरी को होने वाले नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। इस बैठक में सिर्फ चुनाव को लेकर चर्चा होगी। प्रदेश अध्यक्ष तेमजान ने कहा कि नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो का फैसला अंतिम रहेगा। वर्ष 2018 में भाजपा और एनडीपीपी के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन बरकरार है। उन्होंने कहा कि नगालैंड में राज्य स्तरीय बैठक पहले ही हो चुकी है। एक सवाल के जवाब में लोंगकुमेर ने कहा कि पिछले शनिवार को नई दिल्ली में हुई एक बैठक में नगालैंड में सत्तारूढ़ एनडीपीपी गठबंधन ने इस साल के विधानसभा चुनाव में चार शहरी क्षेत्रों से उम्मीदवारों को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल सप्तम अध्याय

(योगाभ्यास)

गेहूँ चावल मूँग है, लौकी परवर साग।
योगी का यह पथ्य है, ब्राह्मी नीम अनाग॥13॥

शब्दार्थ : (पथ्य) हल्का भोजन (अनाग) अनुत्तेजक पदार्थ।

भाष्य : गेहूं, चावल, मूंग, लौकी, परवर, साग, ब्राह्मी एवं नीम आदि अनुत्तेजक पदार्थ योगी के भोजन हैं।

रूखा सूखा अशन है, भिंगा चना जलपान।
भूजा अन्न अपथ्य है, तेल मसाल अपान॥ 14॥

शब्दार्थ : (अशन) भोजन (अपथ्य) न खाने योग्य (अपान) रसहीन।

भाष्य : रूखा-सूखा भोजन एवं भिंगोए हुए चने का जलपान साधक के लिए अनुकूल है तथा अग्नि में भूजा हुआ अन्न, रसहीन, गरिष्ठ, तेल-मसाले का सेवन साधक के लिए अनुकूल नहीं है। रसयुक्त भोजन, शुद्ध, सात्विकी होता है। वीतरागी, एकांतसेवी एवं भ्रमणशील साधक को जो उसे प्राप्त है, रुखा-सूखा भोजन करके भजन करना चाहिए, जिससे अंतर-भजन-साधन में कोई विघ्न न हो।

जीपी सिंह ने असम के डीजीपी का संभाला पदभार

हमारी सेवा रहेगी जारी : महंत

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को असम पुलिस महानिदेशक का पदभार संभाल लिया। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत ने नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक को चार्ज सौंप दिया। भास्करज्योति महंत ने 30 नवंबर, 2019 को पुलिस महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला था। महंत मंगलवार को सेवा निवृत्त हो गए। सुबह असम पुलिस ने औपचारिक रूप से उन्हें विदाई दी गई। इस अवसर पर महंत ने चौथे असम पुलिस बल, काहिलीपारा के परेड ग्राउंड में निवर्तमान महानिदेशक के सम्मान में आयोजित विशेष परेड में भाग लेने वाली पुलिस टीमों को बधाई दी और उनके सहयोग और समर्थन के लिए सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। महंत ने अपने संबोधन में असम पुलिस के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि अतीत में असम पुलिस विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों का सामना करती रही है, लेकिन उनसे अत्यंत दक्षता, साहस और विवेक के साथ निपटने में सक्षम रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस बल पुलिस और लोगों के बीच एक मजबूत संबंध के माध्यम से एक लंबा रास्ता तय करेगा। इस अवसर पर नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने निवर्तमान महानिदेशक भास्करज्योति महंत के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर दी गई सेवाओं पर प्रकाश डाला और बल को और मजबूत करने में अपनी भूमिका के बारे में भी बताया। इस मौके पर मेघालय के पुलिस महानिदेशक डॉ. एलआर बिश्नोई और असम पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। भास्कर ज्योति महंत ने कहा है कि पुलिस का काम सेवा करना है और सेवा करने वाले लोगों को सेवानिवृत्ति नहीं मिलती है। यह बातें उन्होंने मंगलवार को राजधानी के काहिलीपाड़ा स्थित चौथी असम पुलिस बटालियन मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए कही। वहीं उल्लेखनीय है कि इस समारोह का आयोजन भास्कर ज्योति महंत की आज हुई सेवानिवृत्ति तथा जीपी सिंह की नए डीजीपी के रूप में होने जा रही ताजपोशी के मद्देनजर किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूसरी सेवाओं में लोग सेवा समाप्ति के बाद अवकाश प्राप्त करते हैं।

लेकिन पुलिस की नौकरी में ऐसा नहीं होता है। पुलिस सेवा में आने के बाद जो एक सेवा का भाव मन में उत्पन्न होता है वह आजीवन बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज असम पुलिस में कोई भी अंदरूनी राजनीति एक-दूसरे के खिलाफ कानाफूसी जैसी स्थिति नहीं है। सभी एक साथ मिलकर टीम भावना से कार्य करते हैं। उन्होंने नए डीजीपी जीपी सिंह को अपनी शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि जीपी सिंह के नेतृत्व में असम पुलिस बहुत आगे बढ़ेगी।

सड़क के किनारे एक व्यक्ति का शव मिला हत्या की आशंका

गुवाहाटी (विभास)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के हाजो थानांतर्गत शक्तिबाड़ी इलाके में मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि शक्तिबाड़ी इलाके में एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम नारायणपुर से बरसाली को जोड़ने वाले तटबंध पर बनी सड़क के किनारे एक व्यक्ति का शव बरामद किया। शव के पास से एक बुलेट बाइक (एएस-25एस-5977) भी बरामद किया गया है। मृतक की पहचान हाजो के बर्नी निवासी हकीमुल हुसैन के रूप में की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने हकीमुल हुसैन की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

जी-20 कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए तैयार है असम

गुवाहाटी। असम जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले के कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए तैयार है और इस सप्ताह शुरू होने वाली एक बैठक के लिए प्रतिनिधि पूर्वोत्तर राज्य में पहुंच रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य भारत की एक साल की जी-20 की अध्यक्षता के तौर पर पहली सतत वित्तीय कार्यकारी समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक तथा यूथ- 20 इंसेप्शन कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। राज्य मार्च और अप्रैल में भी एक-एक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, एसएफडब्ल्यूजी की पहली बैठक दो-तीन फरवरी को गुवाहाटी के एक होटल में होगी और इसमें जी-20 के सदस्य देशों, अतिथि देशों, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 94 प्रतिनिधि तथा केंद्र सरकार के अधिकारी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री

हेमंत विश्व शर्मा ने प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक पारंपरिक संगीत प्रस्तुति की वीडियो ट्वीटर पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया कि भारत में स्वागत है। अद्भुत विविधता, खूबसूरती और गौरवशाली इतिहास की भूमि। हमारी स्थानीय संस्कृति के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ गुवाहाटी हवाई अड्डे पर जी-20 प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आप असम की शानदार यात्रा का आनंद उठाएंगे।

महानगर में होगा राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

गुवाहाटी। सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट के 71वें सत्र का आयोजन असम के गुवाहाटी में दो से नौ फरवरी के बीच किया जाएगा। टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता एलीट स्पोर्ट्स इंडिया ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के सभी मैच ईएसआई लाइव यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होंगे। एलीट स्पोर्ट्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सनी भंडारकर ने कहा कि वॉलीबॉल एक खेल के रूप में भारत में हमारी प्राथमिकताओं में रहा है। जब हमने शुरुआत की थी तब हम जानते थे कि हमारे पास ज्यादा दर्शक नहीं होंगे और यह सफर लंबा होगा, लेकिन हमने विश्वास किया कि हम इसपर काम कर सकेंगे और आज हम यहां हैं। भंडाकरकर ने कहा कि भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) के सीईओ राम अवतार सिंह जाखड़ और अध्यक्ष प्रोफेसर अच्युता सामंत ने भी हमारे संबंध का बहुत सहयोग किया है, जिससे हमें इस खेल को अधिक दर्शकों तक पहुंचाने में मदद मिली है। राष्ट्रीय टूर्नामेंट में वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ वॉलीबॉल खिलाड़ियों की नई पौध भी मैदान में उतरेगी। टूर्नामेंट के सभी मैचों का लाइव प्रसारण ईएआई लाइव यूट्यूब चैनल पर दो फरवरी से शुरू होगा।

उपायुक्त एकादश ने मीडिया एकादश को क्रिकेट में हराया

रंगिया (निसं)। पिछले वर्षों की तरह इसबार भी गणतंत्र दिवस समारोह आयोजन के एक अंश स्वरूप अमिनगांव के असम क्रिकेट संस्था (एसीए) क्रिकेट खेल मैदान में कामरूप जिला उपायुक्त एकादश और मीडिया एकादश के बीच आज एक दोस्ताना क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। कामरूप जिला उपायुक्त एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में अतिरिक्त उपायुक्त एवं रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति राहुल जाबिर सुरेश की बल्लेबाजी पर मात्र दो विकेट पर 228 रन बनाए। अतिरिक्त उपायुक्त ने महज 37 गेंदों पर 117 रन बनाए। इसके विपरीत, मीडिया एकादश ने उपायुक्त एकादश के सामने अपने सभी विकेट 118 रन पर गंवा दिए। आज के खेल में अतिरिक्त उपायुक्त एवं रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति राहुल जाबिर सुरेश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। खेल के अंत मे जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने पुरस्कार वितरण किया। मैच बहुत ही दोस्ताना माहौल में आयोजित किया गया था और इसमें जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और बड़ी संख्या में वरिष्ठ और युवा पत्रकारों ने भाग लिया।

पीडीएस पब्लिक स्कूल में अभिभावक दिवस आयोजित

रंगिया (निसं)। रंगिया महकमा के अंतर्गत तितकुरी गांव में अवस्थित पीडीएस पब्लिक स्कूल प्रांगण रविवार को एक दिवसीय भव्य कार्यक्रमो के साथ अभिभावक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने एक वैज्ञानिक प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरी ओर विद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने अभिभावकों की उपस्थिति में नृत्य एवं अभिनय किया। साथ ही इस मौके पर प्राचार्य रुद्र बहादुर थापा ने गांव में स्थित इस स्कूल के उत्थान को लेकर लोगों की संतोषजनक सहयोगिता पर टिप्पणी की। इसके अलावा स्कूल के अधिकारियों ने बहुत खुशी जाहिर की कि उत्साही युवाओं के होनहार प्रयासों के परिणामस्वरूप स्कूल ने अपने चार साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूल में लगभग 200 छात्र हैं और यहां एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण है। कामरूप जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष नृपेंद्र कुमार भगवती ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया और असमिया भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा के ज्ञान की आवश्यकता के बारे में महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

पूसीरे के कई रेलवे स्टेशनों के बीच विद्युतीकरण-कार्य पूरा

गुवाहाटी (निसं)। भारतीय रेल विश्व में वृहत हरित रेल बनने की दिशा में पूरे जोर-शोर से प्रगति कर रही है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के अपने मिशन में 85 प्रतिशत आरकेएम विद्युतीकरण कार्य पूरा हो चुका है। पूर्ण विद्युतीकरण के प्रयास में, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अधीन अलीपुरद्वार मंडल के सिलीगुड़ी जंक्शन-न्यू माल जंक्शन (48 आरकेएम/61 टीकेएम) एकल लाइन अनुभाग और कटिहार मंडल के सिलीगुड़ी जंक्शन-अलुआबाड़ी रोड जंक्शन वाया बागडोगरा (74.17 आरकेएम/88.32 टीकेएम) एकल लाइन अनुभाग में क्रमश: 29 और 30 जनवरी, 2023 को पूरे अनुभागीय गति (100 किमी प्रति घंटे) पर गति परीक्षण के बाद रेलवे विद्युतीकरण कार्यों का निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। साथ ही 31 जनवरी, 2023 को लामडिंग मंडल के हयबरगांव-मैराबारी (43.80 आरकेएम/44.92

टीकेएम) अनुभाग में रेलवे विद्युतीकरण कार्यों का निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। चालू होने के बाद, विद्युत इंजन ट्रेनें अब गुवाहाटी से हयबरगांव-मैराबारी अनुभाग और सिलघाट शहर तक सीधे परिचालित हो सकेंगी, जिससे औसत गति में वृद्धि होगी। सिलघाट से कोलकाता, चेन्नई आदि जैसे विभिन्न गंतव्यों के लिए ट्रेनों के इंजन बिना बदले चलाये जा सकते है। सिलीगुड़ी जंक्शन-न्यू माल जंक्शन अनुभाग में पांच स्टेशन और सिलीगुड़ी जंक्शन-अलुआबाड़ी रोड जंक्शन वाया बागडोगरा अनुभाग में दस स्टेशन हैं। इन अनुभागों से लंबी दूरी की कई ट्रेनें गुजरती हैं। विद्युतीकरण कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनें अपनी समयबद्धता बिना खोए तेज गति से इन खंडों से गुजरेंगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र से अधिक से अधिक यात्री और माल वाही ट्रेनें परिचालित हो सकेंगी। पूसी रेल पर विद्युतीकरण परियोजनाओं का कार्य जोरों पर है। विद्युतीकरण से पूसी रेल पर ट्रेनों की गतिशीलता में काफी सुधार होगा और पूर्वोत्तर राज्यों में रेल नेटवर्क मजबूत होगा। प्रदूषण में कमी के अलावा, जीवाश्म ईंधन से विद्युत की ओर शिफ्ट होने से रेलवे की दक्षता में सुधार होगा। इससे निर्बाध परिवहन में सुविधा होगी और पूर्वोत्तर राज्यों से आवागमन करने वाली ट्रेनों के यात्रा समय में भी बचत होगी।

रंगापाड़ा रेलवे लोको कॉलोनी में राम ठाकुर मंदिर का उद्घाटन

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा रेलवे कॉलोनी स्थित बेंकटेश्वर मंदिर के पास मंगलवार को नवनिर्मित राम ठाकुर मंदिर का पूरे विधिविधान के साथ उद्घाटन किया गया। मंदिर का उद्घाटन गुवाहाटी के पाण्डु मंदिर के पुरोहित प्रदीप भट्टाचार्य द्वारा तथा राम ठाकुर मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष मानिक चक्रवर्ती और सचिव अजीत दे की उपस्थिति में हुआ। मंदिर संचालन समिति ने बताया है कि मंदिर के सम्पूर्ण निर्माण में लगभग एक वर्ष का समा लगा। राम ठाकुर के हजारों शिष्यों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ। बीते सोमवार को मंदिर में सत्यनारायण भगवान की पूजा की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। आज मंगलवार को प्रात:काल मंदिर के उदघाटन के पश्चात कीर्तन, प्रसाद वितरण किया गया। वहीं शाम को सत्यनारायण भगवान जी की आरती के साथ-साथ कीर्तन और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम निर्धारित है। इस दौरान मंदिर संचालन समिति ने बताया है कि राम ठाकुर जी का मंदिर शोणितपुर जिला अंतर्गत रंगापाड़ा में यह पहला मंदिर है। मंदिर के निर्माण को लेकर इलाके के लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

जेसीआई, गुवाहाटी ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

गुवाहाटी (नसं)। जेसीआई गुवाहाटी ने नगर में ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया और ट्रैफिक के पुलिस के आई सी निपेन सेइकिया और ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को सम्मान कर उनके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति धन्यवाद किया।निपेन सईकिया ने बताया कि आजकल ट्रैफिक नियमों का पालन करना बहुत ही जरूरी है। खुद के लिए और दूसरों की जान माल की रक्षा के लिए ।संस्था के अध्यक्ष अरुण सरावगी ने कर्मठ ट्रैफिक पुलिस आई सी को उनके कार्यों के द्वारा शहर में अप्रिय घटनाओं में कमी होने के कारण उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की। उपाध्यक्ष (ग्रोथ) पंकज बुच्चा ने बताया कि इस मौके पर प्रोग्राम उपाध्यक्ष रेखा सरागी और प्रोग्राम डायरेक्टर प्रियंका जैन ने बहुत ही सुंदर ढंग से कार्य संपादित किया। ज्ञात रहे कि संस्था समय-समय पर समाज के विभिन्न वर्गों को उनके किए गए संपादित कार्यों के लिए उनको सम्मान करती रहती है।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, ओपन लाइन एवं निर्माण संगठन की संयुक्त तिमाही बैठक संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति,ओपन लाईन एवं निर्माण संगठन की संयुक्त तिमाही बैठक 31 जनवरी को महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरूआत में महाप्रबंधक, अंशुल गुप्ता द्वारा ओपन लाइन एवं निर्माण संगठन के राजभाषा पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात, ओपन लाइन, राजभाषा विभाग की ई-गृह पत्रिका पूर्वोत्तर सीमा रेल दर्पण के सातवे अंक तथा निर्माण संगठन की ई-पुस्तिका संवाद पत्र का विमोचन किया गया। महाप्रबंधक महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सुझाव दिया कि राजभाषा विभाग द्वारा विश्रामालयों/प्रतीक्षालयों आदि में हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापनी की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि महाप्रबंधक के वार्षिक निरीक्षण के दौरान मुख्यालय एवं मंडलों के राजभाषा कर्मियों को भी शामिल किया जाए ताकि कार्यस्थल पर राजभाषा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को तत्काल दूर किया जा सके। उन्होंने स्टेशनों और रेल यात्री बहुल स्थानों पर पुस्तकालय की स्थापना पर जोर देते हुए कहा कि पुस्तकालयों में क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी की स्तरीय पुस्तकों को रखा जाए ताकि रेल यात्रियों द्वारा उनका नियमित रूप से प्रयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख स्टेशनों पर हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय नहीं है वहां इन्हें स्थापित करने की व्यवस्था की जाए और जहां पहले से ही स्थापित हैं उसे सक्रिय रूप से चालू किया जाए। इससे पूर्वोत्तर सीमा रेल पर राजभाषा प्रयोग प्रसार हेतु सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित होगा। महाप्रबंधक महोदय ने आधार वर्ष-2020 के लिए मुख्यालय मालीगांव को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्राफी के द्वितीय पुरस्कार से नवाजे जाने पर बधाई दी। साथ ही, आदर्श मंडल के रूप में कटिहार मंडल को पुरस्कृत किए जाने पर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार और इसके कार्यान्वयन में प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है और पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा निर्माण संगठन द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजभाषा का प्रयोग एवं प्रसार बढ़ाना हम सबकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। अत: जिन मदों में दोनों कार्यालय अभी पीछे हैं, उनमें राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किए जाएं। ओपन लाइन के राजभाषा विभाग को निर्माण संगठन के राजभाषा विभाग द्वारा की गई अनुकरणीय पहल का अनुसरण करना चाहिए और निर्माण संगठन को ओपन लाइन द्वारा की गई अच्छी पहल का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बैठक के दौरान सुझाए गए बिंदुओं का अनुपालन सक्रिय रूप से किया जाए और इसकी अनुपालन रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा बड़े कार्यलयों तथा स्टेशनों का नियमित रूप से राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया जाए और वहां कार्यरत कर्मचारियों को राजभाषा में कार्य के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत के सभी क्षेत्रों से हमारी रेल पर यात्रियों का आवागमन होता है। अत: उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर राजभाषा का प्रयोग-प्रसार सुनिश्चित किए जाए। बैठक के आरंभ में ओपन लाईन के मुख्य राजभाषा अधिकारी, समीर दीक्षित ने महाप्रबंधक, अपर महाप्रबंधक, दोनों कार्यालयों के प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा मंडलों एवं कारखानों के सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति महाप्रबंधक महोदय की विशेष रूचि और आप सभी के सामूहिक प्रयासों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर सीमा रेल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उत्तरोत्तर प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे मंडलों तथा कारखानों में राजभाषा की प्रगति काफी अच्छी है और मुख्यालय के विभागों में भी हम उत्तरोतर प्रगति की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने आगे कहा

मुख्यालय के विभागों, मंडलों तथा कारखानों के सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि विभिन्न मदों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने की दृष्टि से आपके कार्यालयों द्वारा जारी किए जाने वाले सभी पत्रों के शीर्ष, विषय और हस्ताक्षरकर्ता अधिकारी का नाम कम से कम हिंदी में लिखा जाए। इससे विविध मदों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में वृद्धि होगी। इसके पश्चात ओपन लाइन के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी सहदेव सिंह पुरती ने तिमाही रिपोर्ट की समीक्षा प्रस्तुत की और इसके पश्चात निर्माण संगठन के राजभाषा अधिकारी, राजेश रंजन कुमार द्वारा निर्माण संगठन की तिमाही रिपोर्ट की समीक्षा प्रस्तुत की गई। उन्होंने अध्यक्ष महोदय तथा उपस्थित सदस्यों को अपने-अपने संगठन द्वारा राजभाषा प्रयोग-प्रसार हेतु उनके कार्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों और प्रगति एवं उपलब्धियों से सदस्यों को अवगत कराया। बैठक में ओपन लाईन तथा निर्माण संगठन के विभाग प्रमुखों, पूर्वोत्तर सीमा रेल के मंडलों व कारखानों के सदस्यों ने अपने-अपने विभागों, मंडलों तथा कारखानों की राजभाषा प्रगति से अध्यक्ष महोदय को अवगत कराया तथा कई रचनात्मक सुझाव दिए। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक, यतेंद्र कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के अधिकारियों सहित दोनों मुख्यालयों के प्रधान विभागाध्यक्ष, पूर्वोत्तर सीमा रेल के मंडलों व कारखानों के सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक का संचालन सहदेव सिंह पुरती, वरि. राजभाषा अधिकारी ने किया। दीपक कुमार गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी, निर्माण संगठन द्वारा महाप्रबंधक एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आंतरिक चुनौतियों के साथ ही वैश्विक चिंताओं का समाधान कर रहा भारत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मंगलवार को संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से पहली बार संबोधित करते हुए देश में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति, समावेशी विकास और विश्व पटल पर भारत की बढ़ती साख का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत आंतरिक चुनौतियों के साथ ही वैश्विक चिंताओं के समाधान का भी प्रयास कर रहा है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने संसद के केन्द्रीय कक्ष में लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने गरीब और वंचित वर्ग के लिए देश में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना से जुड़ी पारदर्शी व्यवस्था और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की दुनियाभर में हो रही सराहना पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मेरी सरकार के लगभग नौ वर्षों में भारत के लोगों ने अनेक सकारात्मक परिवर्तन पहली बार देखे हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन यह हुआ है कि आज हर भारतीय का आत्मविश्वास शीर्ष पर है और दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदला है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संकट के समय में भारत दुनिया के अन्य देशों की मदद के लिए आगे आ रहा है। भारत विभाजित दुनिया को जोड़ने का काम कर रहा है और दुनिया का सप्लाई चैन पर से उठा भरोसा लौटा रहा है। अपने प्रभुत्व के जरिए आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को मजबूत कर रहा है। राष्ट्रपति ने प्रगति और प्रकृति विरोध को समाप्त करने और भारत के अक्षय ऊर्जा के लिए किए जाने वाले विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में भारत ने अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता को 20 गुना बढ़ाया है। राष्ट्रपति ने गरीबों और वंचितों के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ह्यगरीबी हटाओह्न अब सिर्फ एक नारा नहीं रह गया है। उनकी सरकार गरीबों की समस्याओं के स्थायी समाधान

और उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है। उन्हें खुशी है कि सरकार ने नई परिस्थितियों के अनुसार पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि सरकार बिजली पानी, गैस और अन्य जरूरी सुविधाएं लोगों तक पहुंचाकर उनका सरकार में विश्वास बढ़ा रही है। आयुष्मान भारत और जन औषधी के माध्यम से ही गरीबों के करीब 01 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। 11 करोड़ लोगों के घरों में नल से जल पहुंचा है और साढ़े तीन करोड़ लोगों को पक्का मकान मिला है। सरकार के अंत्योदय प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों के बाद अब सरकार आकांक्षी ब्लाक पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, आकांक्षी जिला कार्यक्रम को अब ब्लॉक स्तर पर दोहराया जा रहा है, जिसके लिए देश में 500 ब्लॉकों की पहचान की गई है। सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों को विकसित करने के लिए "वाइब्रेंट विलेज" कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रपति ने कहा कि बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ जैसी योजनाओं से देश में महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है और महिलाओं के स्वास्थ्य में भी पहले से ज्यादा सुधार हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि मेड इन इंडिया अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का लाभ देश को मिलना शुरू हो चुका है। आज भारत में मैन्युफेक्चरिंग की अपनी कैपेसिटी भी बढ़ रही है और दुनिया भर से भी मैन्युफेक्चरिंग कंपनियां भारत आ रही हैं। देश आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रगति के मार्ग पर है। भारत निर्यात में वृद्धि कर रहा है और रक्षा निर्यात अब 6 गुणा बढ़ गया है। भारत दुनिया का शीर्ष मोबाइल निर्यातक देश बन गया है और खिलौनों में निर्यात 60 प्रतिशत बढ़ा और आयात 70 प्रतिशत घटा है। इसके साथ ही खादी का भी एक लाख करोड़ का टर्नओवर हो गया है। राष्ट्रपति ने भ्रष्टाचार को लोकतंत्र और सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने कहा कि इस-ाके खिलाफ निरंतर लड़ाई और ईमानदारी को सम्मान देते हुए प्रयास जारी है। 27 लाख करोड़ रुपये पारदर्शी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के माध्यम से लोगों तक पहुंचाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले टैक्स रिफंड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। आज आयकर रिटर्न भरने के कुछ ही दिनों के भीतर रिफंड मिल जाता है। आज जीएसटी से पारदर्शिता के साथ-साथ करदाताओं की गरिमा भी सुनिश्चित हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने अपने प्रयासों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की आकांक्षाओं को जगाया है। ये वही वर्ग है जो विकास के लाभ से सबसे अधिक वंचित था। अब जब मूल सुविधाएं इस वर्ग तक पहुंच रही हैं, तब ये लोग नए सपने देखने में सक्षम हो पा रहे हैं। आदिवासी गौरव के लिए मेरी सरकार ने अभूतपूर्व फैसले किए हैं। नॉर्थ ईस्ट और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र, विकास की एक नई गति का अनुभव कर रहे हैं। सीमावर्ती गांवों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए मेरी सरकार ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम पर काम शुरू किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी सीमावर्ती क्षेत्रों में अभूतपूर्व ढांचागत सुविधाएं बीते सालों में तैयार किया गया है। इससे भी, इन क्षेत्रों में विकास को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार देश के विकास के लिए अभूतपूर्व और अतुलनीय स्पीड व स्केल पर काम कर रही है। 2014 से पहले जहां देश में कुल लगभग 725 विश्वविद्यालय थे, वहीं बीते केवल आठ वर्षों में 300 से अधिक नए विश्वविद्यालय बने हैं। देश का एविएशन सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया का तीसरा बड़ा एविएशन मार्केट बन चुका है। इसमें उड़ान योजना की भी बहुत बड़ी भूमिका है। भारतीय रेलवे अपने आधुनिक अवतार में सामने आ रही है और देश के रेलवे मैप में अनेक दुर्गम क्षेत्र भी जुड़ रहे हैं। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा बिजली से चलने वाला रेलवे नेटवर्क बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में देश पंच प्राणों की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है। गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने के लिए भी मेरी सरकार निरंतर प्रयासरत है। जो कभी राजपथ था, वह अब कर्तव्यपथ बन चुका है। भगवान बसवेश्वर ने कहा था झ कायकवे कैलास। अर्थात कर्म ही पूजा है, कर्म में ही शिव हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मेरी सरकार राष्ट्र निर्माण के कर्तव्य को पूरा करने में तत्परता से जुटी है।

राष्ट्रपति का संबोधन संविधान और संसदीय परंपरा का गौरव : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूस से संबोधित करना हमारे संविधान और संसदीय परंपरा के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह नारी शक्ति और महान आदिवासी परंपरा को सम्मान देने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परंपरा के तहत आज संसद के बजट सत्र से पूर्व पत्रकारों को वक्तव्य दिया।

उन्होंने कहा कि विश्व की आर्थिक क्षेत्र की प्रमुख आवाजें आज भारत के प्रति आशान्वित रुख रखती हैं। भारत के बजट पर न केवल देश की, बल्कि दुनिया की भी नजर है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी एक महिला हैं और वे कल अपना बजट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में भारत का बजट आम नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करेगा। दुनिया को जो आशा की किरण दिख रही है, उसके लिए मुझे दृढ़ विश्वास है कि निर्मला सीतारमण उन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी प्रयास करेंगी। प्रधानमंत्री ने विपक्ष से तकरार की अपेक्षा के साथ ही तकरीर की भी अपेक्षा रखी। उन्होंने विपक्ष से संसद की चर्चा में भागीदार बनने और अपने अनुभवों और बारीक नजर से सत्र में अमृत निकालने की अपील की।

केजरीवाल सरकार तैयार कर रही है देश का सबसे अत्याधुनिक सरकारी स्कूलः सिसोदिया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली में देश का सबसे अत्याधुनिक सरकारी स्कूल तैयार करवा रही है। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को वर्ल्ड-क्लास बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार एक ऐसा स्कूल बना रही है जो आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह लैस होगा। पढ़ाई के साथ-साथ स्कूल में स्पोर्ट्स का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। स्कूल का डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है जिससे स्कूल की छत का भी पूरी तरह से उपयोग किया जा सकेगा। खुद में अनूठे इस स्कूल बिल्डिंग की छत पर ही आउटडोर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज को ध्यान में रखते हुए बास्केटबाल, टेनिस और बॉलीबॉल कोर्ट तैयार किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने आज मेहराम नगर में बन रहे डॉ.बी.आर.अम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर सिसोदिया ने कहा कि इस स्कूल की नई बिल्डिंग का डिजाइन बच्चों के ओवरआल डेवलपमेंट को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। ये स्कूल बिल्डिंग आम स्कूलों से अलग होगा और स्कूल की पूरी बिल्डिंग बच्चों के लर्निंग प्रोसेस में शामिल होगा। जानकारी के अनुसार, इस स्कूल में एक शानदार सेमी ओलम्पिक साइज स्विमिंग पूल भी तैयार किया जाएगा। स्कूल में 55

क्लासरूम के साथ-साथ सभी तकनीकों और संसाधनों से लैस 8 लैब बनाए जाएंगे। साथ ही स्कूल की बिल्डिंग में रेन-वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जैसे आधुनिक सुविधाएं स्थापित की जाएगी। स्कूल में 750 लोगों की क्षमता वाले एक ऑडीटोरियम के साथ साथ 1000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले ओपन एम्फी थिएटर का निर्माण भी किया जाएगा। ये स्कूल जुलाई तक बनकर तैयार हो जाएगा जिसमे बच्चों की पढ़ाई के साथा खेल संबंधी सभी वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं मौजूद होंगी। गर्मियों में स्कूल को ठंडा रखने के लिए रेडीएंट कूलिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जायेगा जिससे क्लासरूम तापमान सामान्य तापमान से 8-10 डिग्री तक कम होगा।

कुछ इस तरह होगा स्कूल - इस स्कूल में 55 क्लासरुम होंगे। सभी क्लासरुम शिक्षण के सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। स्मार्ट क्लासरुम डिजिटल लर्निंग के लिए भी मुफीद होंगे साथ ही बच्चों की जरुरतों के मुताबिक उनमें सभी सुविधाएं होंगी। साथ ही इस स्कूल में 8 लैब होंगी। चार मंजिल की सकूल की इमारत में हर फ्लोर पर 2 लैब होंगे। इस तरह से स्कूल में कुल 8 लैब होंगे। सभी लैब में आज के हिसाब से सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने निमार्णाधीन स्कूल भवन का निरीक्षण करते हुए कहा, 'इस तरह के स्मार्ट स्कूल से निकलने वाले बच्चे दुनिया भर में भारत का नाम रोशन करेंगे। केजरीवाल सरकार दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूलों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सबकी जिम्मेदारी है, लेकिन एक अच्छे स्कूल की पहचान सिर्फ एक शानदार इमारत से नहीं बल्कि उसके छात्रों और शिक्षकों की मेहनत से होती है। यहां उन्हें अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उन्नत और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सिसोदिया ने कहा कि 2015 में सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को बदलने को प्राथमिकता दी है। यही कारण है कि आज दिल्ली में न केवल विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे वाले सरकारी स्कूल बन रहे हैं, बल्कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी दी जा रही है। शिक्षा को लेकर मुख्यमंत्री के विजन की ही आज पूरी दुनिया में दिल्ली की शिक्षा क्रांति की चर्चा हो रही है।

फिर मुंबई आएंगे पीएम नरेंद्र मोदी मुस्लिम समुदाय के कार्यक्रम में होंगे शामिल

मुंबई (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मुंबई का दौरा करेंगे। वह 10 फरवरी को मुंबई के अंधेरी स्थित मरोल में बोरी समाज के कार्यक्रम में शामिल होंगे। नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर मुंबई पुलिस और मुंबई महानगरपालिका ने कल तैयारियों की समीक्षा की. लिहाजा नरेंद्र मोदी के दौरे को देखते हुए इस बात की संभावना है कि पुलिस एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा देगी.

सूत्रों के अनुसार मुंबई के अंधेरी पूर्व में स्थित मरोल के बोरी कॉलोनी में अली जामिया तुस सैफिया विश्वविद्यालय की स्थापना बोरी मुस्लिम समुदाय द्वारा की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 फरवरी को इस यूनिवर्सिटी का उद्घाटन करने आएंगे। बोरी कॉलोनी क्षेत्र अंधेरी पूर्व में मरोल क्षेत्र में स्थित है। इस इलाके में बोरी मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले मुंबई पुलिस और मुंबई मनपा द्वारा तैयारियों की समीक्षा की गई. कल सुबह से परिमंडल 10 के पुलिस उपायुक्त महेश्वर रेड्डी और मुंबई मनपा के स्थानीय के/पूर्वी वार्ड अधिकारी मनीष वलुंजू ने भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. मालूम हो कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जनवरी को मुंबई का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने मुंबई मेट्रो के उद्घाटन समेत कई विकास कार्यों की नींव रखी. कुल 38 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। मुंबई मनपा ने 1 हजार 750 करोड़ की लागत से मुंबई के सौंदर्यीकरण जैसे 500 से अधिक विभिन्न कार्यों को पूरा किया है। उस कार्य का भूमिपूजन मोदी ने किया था।

कांग्रेस ने राहुल और प्रियंका ने माता खीर भवानी दुर्गा मंदिर में माथा टेका

श्रीनगर, (हि.स.)। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने कश्मीर घाटी के गांदरबल के तुलमुल्ला स्थित माता खीर भवानी दुर्गा मंदिर में माथा टेककर मां का आशीर्वाद लिया और देश की एकता व समृद्धि की मंगलकामना की। माता खीर भवानी मंदिर कश्मीरी पंडितों का प्रसिद्ध मंदिर है। मध्य कश्मीर में श्रीनगर से पूर्व दिशा में 14 किलोमीटर दूर गांदरबल जिले के तुलमुला में यह मंदिर स्थित है। कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा का सोमवार को श्रीनगर में समापन हो गया। मंगलवार को दोनों भाई-बहन राहुल और प्रियंका माता खीर भवानी दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिए गांदरबल पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया राहुल गांधी उनकी बहन प्रियंका समेत कांग्रेस के अन्य नेता दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार देर शाम अन्य लोगों के साथ श्रीनगर के बुलेवार्ड रोड पर बर्फ में फंसी एक निजी कार को धक्का दिया। राहुल ने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें राहुल गांधी को एक कार को धक्का देते हुए देखा गया। वीडियो में राहुल गांधी को श्रीनगर में प्रसिद्ध डल झील के किनारे बुलेवार्ड रोड पर चलते हुए भी देखा गया और उन्होंने इस दौरान नाविकों और विक्रेताओं सहित स्थानीय लोगों से भी बातचीत की।

कश्मीर घाटी में हवाई व रेल सेवा बहाल, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी बंद

श्रीनगर, (हि.स.)। बारिश तथा बर्फबारी के कारण कश्मीर घाटी में बाधित हवाई तथा रेल सेवा बहाल हो गई है, जबकि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी बंद है। राजमार्ग की मरम्मत का कार्य चल रहा है। दरअसल, घाटी में लगातार बर्फबारी, बारिश और खराब दृश्यता के चलते हवाई व रेल सेवा बंद हो गई थी। इस-ाके अलावा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया था। मंगलवार को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आने-जाने के लिए हवाई यातायात फिर से शुरू हो गया है। इंडिगो की दो उड़ानें दोपहर से पहले हवाईअड्डे पर उतरीं। इसके अलावा बनिहाल से बारामूला ट्रेन सेवाएं मंगलवार सुबह फिर से शुरू हो गईं हैं। इस संबंध में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), श्रीनगर हवाई अड्डे के निदेशक

कुलदीप सिंह ने कहा कि दृश्यता अच्छी है और उड़ानों के सुचारू आगमन और प्रस्थान के लिए सतह से बर्फ भी साफ हो गई है। जानकारी के अनुसार कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग मंगलवार को दूसरे दिन भी बंद रहा। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि जब तक मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता है, तब तक वे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा न करें।

पीएम केयर्स फंड मामले में पीएमओ ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा है कि पीएम केयर्स फंड सरकारी फंड नहीं है। इसीलिए पीएम केयर्स फंड आरटीआई के तहत सार्वजनिक प्राधिकार की परिभाषा में नहीं आता है। हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि पीएम केयर्स फंड पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के रुप में गठित किया गया है। पीएम केयर्स फंड पर न तो केंद्र सरकार का नियंत्रण है और न ही किसी राज्य सरकार का। पीएमओ ने कहा है कि पीएम केयर्स फंड स्वेच्छा से दान करने वाले लोगों और संस्थाओं से धन लेता है और यह किसी बजटीय प्रावधान या लोक उपक्रम के बैलेंस शीट से आने वाले धन को स्वीकार नहीं करता है। इससे पहले सितंबर 2022 में हाई कोर्ट

ने पीएम केयर्स फंड को सरकारी फंड घोषित करने की मांग पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को समय दिया था। जुलाई 2022 में हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय के सचिव को निर्देश दिया था कि वो इस मामले पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करें। कोर्ट ने इस मामले पर प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक पेज का हलफनामा दाखिल करने पर नाराजगी जताई थी। दरअसल, 26 अप्रैल 2022 को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील श्याम दीवान ने कहा था कि प्रधानमंत्री और कैबिनेट के अन्य मंत्री संवैधानिक पदों पर हैं और उन्हें इस फंड को निजी तौर पर चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। ये फंड देश के प्रधानमंत्री से काफी निकटता से जुड़ा हुआ है। इस ट्रस्ट के बोर्ड में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और वित्तमंत्री पदेन सदस्य हैं।

उन्होंने कहा था कि जैसे ही पदेन शब्द सामने आता है, इसका मतलब है कि जो भी उस पद पर बैठेगा, वो बोर्ड में शामिल होगा। तब कोर्ट ने दीवान से पूछा था कि आपके कहने का ये मतलब है कि ट्रस्ट का गठन नहीं किया जा सकता है। तब दीवान ने कहा था कि ट्रस्ट का गठन किया जा सकता है, लेकिन अगर ये सरकार है तो उसे सभी संवैधानिक दायित्व पूरे करने होंगे। आप संविधान के बाहर जाकर निजी कंपनी की तरह काम नहीं कर सकते हैं।

भारतीय वायु सेना उप प्रमुख बने एयर मार्शल एपी सिंह

- एपी सिंह 1 फरवरी को पदभार संभालेंगे एयर मार्शल संदीप सिंह का लेंगे स्थान

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयर मार्शल एपी सिंह को भारतीय वायुसेना का नया उप प्रमुख नियुक्त किया गया है जो एपी सिंह एयर मार्शल संदीप सिंह का स्थान लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि एयर मार्शल सिंह वर्तमान में मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं और वह बुधवार को उप प्रमुख का पदभार संभालेंगे। उन्हें 21 दिसंबर 1984 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू स्ट्रीम में शामिल किया गया था। एयर मार्शल सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। वह एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं जिन्होंने विभिन्न प्रकार के विमानों से 4900 घंटे से अधिक समय उड़ान भरी है। वह मिग 27 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर एवं फ्लाइट

कमांडर और एक एयर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। एयर मार्शल सिंह ने परीक्षण पायलट के रूप में विभिन्न रैंक और क्षमताओं पर विमान और प्रणाली परीक्षण प्रतिष्ठान में सेवा दी है। उन्होंने रूस के मास्को में मिग 29 अपग्रेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टीम का भी नेतृत्व किया। वह राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र में परियोजना निदेशक भी रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने हल्के लड़ाकू विमान तेजस के उड़ान परीक्षण की देखरेख की। वह दक्षिण पश्चिमी वायु कमान में वायु रक्षा कमांडर के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। एपी सिंह मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभालने से पहले पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर थे।

महंगाई-बेरोजगारी सहित भारत-चीन सीमा विवाद मुद्दे को संसद में उठाएगी कांग्रेस : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बजट सत्र में कांग्रेस महंगाई,बेरोजगारी सहित भारत-चीन सीमा विवाद के मुद्दे को संसद में उठाएगी। खड़गे ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बजट सत्र में कांग्रेस को कई मुद्दे उठाने हैं। उन्होंने कहा कि कुछ पूंजीपतियों के हाथ में देश का पूरा खजाना सौंप दिया गया है। पार्टी इस मुद्दे को भी प्रमुखता से सदन में उठाएगी। पिछले सत्र में कांग्रेस ने चीन को लेकर हमारी विदेश नीति के मुद्दे को सदन में उठाया था। इस मुद्दे को इस बार भी कांग्रेस पार्टी सदन में उठाएगी। उल्लेखनीय है कि सोमवार

को हुई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस शामिल नहीं हो पाई थी। क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष सहित पार्टी के आला नेता भारत जोड़ो यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल होने जम्मू-कश्मीर गए थे। लेकिन आज खड़गे ने साफ कर दिया कि वह संसद में महंगाई,बेरोजगारी सहित भारत-चीन सीमा विवाद के मुद्दों को सदन में उठाएंगे। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। यह सत्र छह अप्रैल तक चलेगा।

12 को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा सेक्शन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली से मुंबई को सीधा जोड़ने के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। कुल 1390 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा होने की संभावना है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 12 फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। इसके शुरू हो जाने के बाद दिल्ली से जयपुर का सफर मात्र दो घंटे में तय किया जा सकेगा। पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा सेक्शन का 12 फरवरी को उद्घाटन करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने पिछले साल जुलाई माह में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था। इस एक्सप्रेसवे का काम 28 माह में पूरा किया गया था। यह एक्सप्रेसवे चित्रकूट जिले में भरतकूप के पास गोंडा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-35 से लेकर इटावा जिले के कुदरैल गांव तक फैला हुआ है जहां यह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के साथ मिल जाता है। यह एक्सप्रेसवे 7 जिलों यानी चित्रकूट बांदा महोबा हमीरपुर जालौन औरैया और इटावा से होकर गुजरता है। इस बीच देखा जाए तो

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन करेंगे। इससे जयपुर और दिल्ली के बीच यात्रा का समय लगभग दो घंटे कम होगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने एक ट्वीट भी किया था- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा सेक्शन का चार फरवरी को उद्घाटन करेंगे। इससे दिल्ली और जयपुर के बीच यात्रा का समय लगभग दो घंटे कम हो जाएगा।

लेकिन अब उन्होंने एक और ट्वीट कर कहा है कि इसकी तारीख बदली गई है। पीएम नरेन्द्र मोदी अब 12 फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। बताते चलें कि दिल्ली और जयपुर के बीच की दूरी करीब 270 किलोमीटर है। सोहना (हरियाणा)-दौसा (राजस्थान) का सेक्शन नई दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का फर्स्ट फेज है। इस पूरे सेक्शन की लंबाई करीब 1390 किलोमीटर है। वहीं अगर बात दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की लंबाई की करें तो यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इस एक्सप्रेसवे के पूरा होने के बाद दिल्ली और मुंबई के बीच सड़क यात्रा का समय 24 घंटे से घटकर आधा यानी सिर्फ 12 घंटे का रह जाएगा। योजना के मुताबिक इस एक्सप्रेसवे को अगले साल मार्च 2023 तक पूरा करने की डेडलाइन तय है। इस प्रोजेक्ट को भारतमाला परियोजना के फर्स्ट फेज के तहत बनाया जा रहा है। कुल आठ लेन के बनाए जा रहे इस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को आने वाले समय में 12 लेन तक बढ़ाया जा सकता है। इस एक्सप्रेसवे का निर्माण कई राज्यों से होकर गुजरेगा जिससे इन सभी को बड़ा फायदा होगा। महाराष्ट्र से जुड़ने वाला यह एक्सप्रेस खासकर दिल्ली हरियाणा राजस्थान मध्य प्रदेश और गुजरात से गुजरेगा। इन राज्यों के लिए सड़क आवागमन बेहद ही सुगम और सरल बन सकेगा।

कांग्रेस के 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान में मोदी सरकार की विफलताओं की 'चार्जशीट' वितरित

—कार्यकर्ताओं ने मध्यमेश्वर वार्ड में लोगों को दिया राहुल गांधी का पत्र और भाजपा सरकारों के ऊपर लगाए गए आरोप पत्र

वाराणसी, (हि.स.)। कांग्रेस के 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान में मंगलवार को स्थानीय महानगर कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। पदाधिकारियों ने मैदागिन चौराहे पर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर मध्यमेश्वर वार्ड में नागरिकों के बीच भाजपा सरकार के ऊपर लगाए गए चार्ज शीट का वितरण किया। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि अभियान में राहुल गांधी का पत्र व राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा भाजपा सरकारों के ऊपर लगाए गए चार्ज शीट का वितरण आम लोगों के बीच किया गया। उन्होंने बताया कि दो महीने तक चलने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में राहुल गांधी का देशवासियों को संबोधित पत्र व वर्तमान मोदी सरकार के ऊपर लगाए गए चार्जशीट को बनारस के सभी वार्डो में घर –घर जा कर वितरित करने के साथ लोगों को जागरूक किया जायेगा। आमजन को बताया जाएगा की कैसे मोदी सरकार देश को बबार्दी की तरफ ले जा रही हैं। आम लोगों के हित में कार्य न कर केवल अपने सहयोगियों व चन्द लोगो के हाथों की कठपुतली बनी हुई हैं। अभियान में दुर्गाप्रसाद गुप्ता, डॉ राजेश गुप्ता, असलम खां, तुफैल अंसारी, एखलाक अंसारी, विजय देवल, राजेश्वर विश्वकर्मा, अब्दुल हमीद धोड़े, रामजी गुप्ता, शाहिद जमाल, इम्तियाज अहमद, किशन यादव, दीपक यादव, मुमताज अहमद, विनोद गौड़ आदि शामिल रहे।

हम 2024 में फिर से सरकार बनायेंगे : शिवपाल यादव

-राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जौनपुर, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव का मंगलवार को वाराणसी से सुल्तानपुर जाते समय नौपेड़वा बाजार स्थित राहुल ढाबा पर कार्यकताओं ने स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान के बारे में पूछने पर कहा कि यह पार्टी का आधिकारिक बयान नहीं है ये स्वामी प्रसाद मौर्य के निजी विचार हैं पार्टी सबको साथ लेकर चलने का काम करती है। राष्ट्रीय राजनीति में जाने के सवाल पर कहा कि पुराने सभी सहयोगियों को इकट्ठा करके पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे। इस दौरान उन्होंने यूपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा देश को तोड़ने का कार्य कर रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था खत्म हो गई है हर जिले में अपराधी दिन दहाड़े हत्या लूट कर रहे हैं। सरकार सिर्फ धर्म के नाम पर चुनाव प्रचार कर रही है प्रदेश में खस्ताहाल सड़क बेरोजगारी विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। शिवपाल यादव ने कहा भाजपा के पास कोई काम नहीं है वह सिर्फ जनता को भटकाने का काम कर रही है इसलिए इस मामले को तूल पकड़ा रही है । हालांकि यह बड़े मंत्री हैं बड़बोलापन है यह मैनपुरी चुनाव में भी गए थे इन्हें वहां की जनता ने उनके बड़बोलेपन का जवाब दे दिया है। आगामी 2024 के चुनाव में हम एक बार फिर सरकार बनायेंगे और इनको राजनीति करने का तरीका भी बताएंगे। भाजपा सरकार ने सिर्फ जनता से वादे किए लेकिन आज तक कोई काम उन्होंने नहीं किया है । हम चुनाव में इन मुद्दों को भी लेकर जनता के बीच जाएंगे आज जनता भ्रष्टाचार बेरोजगारी चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य आदि तमाम समस्याओं से जूझ रही है जिससे जनता को निजात दिलाना है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव सहित सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रधानमंत्री मोदी करेंगे शुभारम्भ : योगी

- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से बनेंगे रोजगार के लाखों नये अवसर, युवाओं के लिए अवसर : मुख्यमंत्री
- प्रदेश सरकार की रोजगारपरक नीतियों से युवाओं को परिचित कराएंगे सेवानिवृत्त अधिकारी और वरिष्ठ शिक्षाविद

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं, नीतियों से युवाओं को परिचित कराने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 12, भारतीय पुलिस सेवा के छह और भारतीय वन सेवा के छह अधिकारियों (सभी सेवानिवृत्त) तथा 24 शिक्षाविदों सहित की 48 सदस्यीय टीम गठित की है। आगामी तीन से पांच फरवरी तक यह टीम अलग-अलग विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में युवाओं से संवाद कर रोजगार से जुड़ी उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करेगी। साथ ही, युवाओं के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की उपयोगिता के संबंध में जागरूक करेगी। इसी संदर्भ में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर अयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों की 48 सदस्यीय विशेष टीम के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बीते साढ़े पांच-पौने छह वर्ष में देश-दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश ने अपनी नई पहचान बनाई है। प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा बदली है। आप सभी इस बड़े बदलाव के साक्षी रहे हैं, सहयात्री रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अपार संभावनाओं का प्रदेश है। देश और प्रदेश के समग्र विकास में हमें इन संभावनाओं को जमीन पर उतारना होगा। आप सभी के पास सार्वजनिक जीवन का लंबा अनुभव है। महत्वपूर्ण पदों पर दायित्व निर्वहन किया है। आपके इन अनुभवों से हमारे युवा लाभान्वित हों, इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। वर्ष 2017 में जब हमने प्रदेश की जिम्मेदारी संभाली थी, तब प्रदेश की अर्थव्यवस्था की स्थिति दयनीय थी। हमने सभी पहलुओं का अध्ययन किया और फिर नीतिगत सुधार और व्यवस्था के सरलीकरण के लिए मिशन मोड में काम किया। कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर करने के प्रयास हुए। और फिर अगले ही वर्ष जब हमने इन्वेस्टर्स समिट आयोजित किया तो 4.68 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव हमें मिले।

इसके उपरांत तीन ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से हम लगभग चार लाख करोड़ तक के प्रस्तावों को जमीन पर उतार चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 में जब हमने किसानों की ऋण माफी की योजना को क्रियान्वित करने के लिए बैंकर्स को फोन किया तो हमें हतोत्साहित करने वाले नतीजे मिले। किसी ने हमारा फोन रिसीव नहीं किया। और अभी बीते दिनों जब मुम्बई में बैंकर्स और वित्तीय संस्थाओं के सीईओ, एमडी आदि से भेंट हुई तो लोग स्वतः स्फूर्त भाव से प्रदेश के विकास में सहायक बनने की उत्सुकता जता रहे थे। उत्तर प्रदेश में विकास में असमानता एक बड़ी समस्या रही है। मध्य उत्तर प्रदेश और एनसीआर की तुलना में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड का बहुत कम विकास हुआ था। यहां न तो इंफ्रास्ट्रक्चर डिवलेपमेंट का काम हुआ था न ही लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयास। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में उद्योग नहीं लग पाए। नतीजतन यहां के युवाओं के सामने पलायन का संकट रहा। हमने इस आसमान विकास की समस्या के स्थायी निराकरण के लिए ठोस प्रयास किये हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड को फोकस करते हुए हमने अपनी नीतियों में विशेष प्रावधान किए हैं। बेहतर कनेक्टिविटी, सुदृढ़ कानून व्यवस्था और व्यवसाय की सरलता के अनुकूल नीतियां लागू कीं। नतीजतन आज इन पिछड़े कहे जाने वाले क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हो रही है। लाखों-करोड़ के निवेश प्रस्ताव हमें मिल रहे हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने के उद्देश्य से देश तथा विदेशों से पूंजी निवेश आकर्षित करने हेतु आगामी 10-12 फरवरी को लखनऊ में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय समिट राज्य के समावेशी विकास, व्यापार के अवसरों का अन्वेषण तथा सहभागिता स्थापित करने हेतु उद्योग एवं वाणिज्य जगत से जुड़े उद्योगपतियों, निवेशकों, व्यापारियों, प्रबन्ध शास्त्रियों, उच्च स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों, कॉरपोरेट नेतृत्व, विचारकों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों एवं नीति निर्धारकों हेतु एक विचार मंच उपलब्ध करायेगी। यह तीन दिनी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट न केवल प्रदेश में औद्योगीकरण की संभावनाओं को जमीन पर उतारने वाली होगी, बल्कि प्रदेश के सामान्य नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और रोजगार के लाखों नए अवसर सृजित करने वाली भी होगी। इस समिट का सबसे बड़ा लाभ हमारे युवाओं को मिलेगा। नौकरी और रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों की ओर पलायन के लिए हमारे युवा अब विवश नहीं होंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले देश और विदेश में हुए रोड शो में निवेशकों की ओर से अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला है। 16 देशों के 21 शहरों में आयोजित रोड शो में हमें सात लाख 12 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। पूरी दुनिया के उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उत्साह जताया है। यह समिट अभूतपूर्व होने जा रहा है। प्रधानमंत्री के कर-कमलों से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का 10 फरवरी को शुभारंभ होगा। इस मुख्य समारोह से सभी जिलों को जोड़ा जाएगा। जिलों के कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमियों, निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस बार एक दिन- एक साथ प्रदेश के सभी 75 जिलों में निवेश होगा। यह कार्यक्रम युवाओं के लिए है, इसलिए जिलों के इस कार्यक्रम में स्थानीय विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के युवाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। विश्वविद्यालयों में भ्रमण कर सरकार की महात्वाकांक्षी योजनाओं से छात्रों को अवगत कराया जाना चाहिए। जिन जनपदों में कोई विश्वविद्यालय अवस्थित नहीं है वहां महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बीबीएयू के 10वें दीक्षांत समारोह की होंगी मुख्य अतिथि

लखनऊ, (हि.स.)। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) अपना 10वां दीक्षांत समारोह 13 फरवरी को मना रहा है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। समारोह की सभी तैयारियां विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से चल रही हैं। बीबीएयू के 10वें दीक्षांत से जुड़ी सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इस संबंध में डिग्री प्राप्त करने वाले स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, एमफिल और पीएचडी के विद्यार्थियों से पहले ही कंसेंट फॉर्म भरवाए जा चुके हैं।

मेडल और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची भी लगभग तैयार है। इस समारोह में वर्ष 2021 एवं वर्ष 2022 के पास हुए मेधावियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही समारोह की समुचित व्यवस्था के लिए बनाई गई 23 समितियां भी सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा करने में लगी हुई हैं।

हाई कोर्ट ने विधायक समरीलाल के जाति प्रमाण पत्र को खारिज किए जाने के आदेश को किया रद्द

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की कोर्ट ने मंगलवार को समरी लाल याचिका स्वीकार करते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राज्य छानबीन समिति द्वारा समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र को रद्द करने को गलत करार दिया है। साथ ही राज्य छानबीन समिति द्वारा समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र को खारिज किए जाने के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार दोबारा कमेटी बनाकर नियमानुसार समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र की जांच करा सकती है। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 10 जनवरी को फैसला सुरक्षित रखा था। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद एवं अधिवक्ता आशीष ठाकुर ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि समरी लाल ने जाति प्रमाण पत्र निरस्त किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा था कि कोर्ट के समक्ष जो दस्तावेज प्रस्तुत किया गया उसके अनुसार वे झारखंड के स्थाई निवासी हैं। उनके दादा 1928 में झारखंड आए थे।

सर्किल इंस्पेक्टर और डीसी की रिपोर्ट में भी इसे बताया गया है। समरी लाल की ओर से वरीय अधिवक्ता अनिल सिन्हा एवं कुमार हर्ष ने पैरवी की थी। दूसरी ओर मामले में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि समरी लाल के 1950 के पहले झारखंड में रहने का कोई दस्तावेज और अभिलेख नहीं है।

राज्य सरकार का साहिबगंज में नया एयरपोर्ट प्रस्तावित : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर-कोलकाता विमान सेवा का किया शुभारंभ

जमशेदपुर, (हि.स.)। जिले के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह कोलकाता के लिए हवाई जहाज ने पहली उड़ान भरी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हवाई जहाज को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में हवाई अड्डों की संख्या अच्छी है। साहिबगंज में भी नया एयरपोर्ट प्रस्तावित है। सभी हवाई अड्डों के सुदृढ़ीकरण का कार्य तेज गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने सोनारी हवाई अड्डे से जमशेदपुर-कोलकाता विमान सेवा की शुरूआत करते हुए कहा कि यहां से विमान सेवा का शुरू होना हवाई यातायात के क्षेत्र में नई पहल है। उम्मीद करता हूं कि जमशेदपुर से अन्य शहरों के लिए जल्द से जल्द हवाई सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में एयर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए सरकार सभी जिलों को हवाई सेवा से जोड़ने की कार्य योजना तैयार कर रही है। आने वाले दिनों में विदेशों की तरह आम लोगों के लिए एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर विकास विभाग राज्य में एयर कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यहां कॉमर्शियल पायलट ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से अनुरोध किया कि इस पायलट ट्रेनिंग सेंटर के लाइसेंस और सुरक्षा से संबंधित सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाए, ताकि इस दिशा में हम और भी बेहतर कर सकें।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में जन-जन तक हवाई सेवा को पहुंचाने का जो हमारा संकल्प है, उसकी एक झलक जमशेदपुर से कोलकाता के लिए विमान सेवा शुरू होने के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि उड़ान सेवा के तहत एयर कनेक्टिविटी को तेज गति के साथ विस्तारित किया जा रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान जहां दुनिया की कई विमान कंपनियां बंद हो गईं, वहीं भारत में तीन नए एयरलाइंस का आना एक बेहतर संकेत है। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर से कोलकाता और भुवनेश्वर को हवाई सेवा से जोड़ने की पहल की जा रही है । इंडिया-वन एयर के 9 सेंटर ग्रैंड कारवां एक्स (सी208बी) विमान द्वारा जमशेदपुर से कोलकाता एवं कोलकाता से जमशेदपुर के लिए विमान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना से इंडिया-वन एयर झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अपनी कनेक्टिविटी का विस्तार कर रही है। इस सेवा को एक फरवरी से दैनिक रूप से परिचालित किया जा रहा है। यह विमान यात्रियों को 10:15 बजे सुबह जमशेदपुर से लेकर 11:20 बजे कोलकाता पहुंचाएगा। इसकी वापसी 12:10 में कोलकाता से चलकर 1:20 बजे जमशेदपुर होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री केवीके सिंह, सोनारी हवाई अड्डा जमशेदपुर में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक घाटशिला राम दास सोरेन, विधायक पोटका संजीव सरदार, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सीईओ इंडिया-वन एयर अरुण कुमार सिंह, सोनारी हवाई अड्डा में टाटा स्टील के प्रतिनिधि चाणक्य चौधरी उपस्थित रहे।

रोजगारपरक प्रशिक्षण के लिए 25 युवक-युवतियां रांची रवाना

लोहरदगा, (हि.स.)। विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) मद अंतर्गत क्राफ्टमैनशिप कोर्स इन फूड एण्ड वेबरेज सर्विसेज संबंधी निःशुल्क रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के लिए आज जिले के 25 युवक-युवतियों को रांची जिला स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लाइड न्यूट्रिशन, ब्रांबे के लिए सड़क मार्ग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, उप विकास आयुक्त समीरा एस व अन्य पदाधिकारियों ने समाहरणालय परिसर लोहरदगा से इन सभी प्रशिक्षणार्थियों को रवाना किया। इनमें भण्डरा प्रखण्ड के 08, सदर प्रखण्ड के 05, कुडू प्रखण्ड के 04, नगर परिषद क्षेत्र के 04, किस्को प्रखण्ड के 03 और कैरो प्रखण्ड का 01 प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। सभी को छह माह का प्रशिक्षण क्राफ्टमैनशिप कोर्स इन फूड एण्ड वेबरेजेस सर्विसेज कोर्स में निःशुल्क दिलाया जा जाएगा।

पलामू में जेजेएमपी के सब-जोनल कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

मेदिनीनगर, (हि.स.)। उग्रवादी संगठन झारखंड जनमुक्ति (जेजेएमपी) के सब-जोनल कमांडर जयप्रकाश ने मंगलवार को एसपी चंदन कुमार सिन्हा और सीआरपीएफ 134 बटालियन के अधिकारियों के समक्ष एक देसी कट्टा और गोली के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। एसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि नक्सली संगठन जेजेएमपी के सब जोनल कमांडर जयप्रकाश भुइयां ने आत्मसमर्पण किया है। वह पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डोकरा का रहने वाला है। जयप्रकाश पलामू के हुसैनाबाद समेत कई इलाकों में सक्रिय रहा है और कई बड़ी घटनाओं का आरोपित है। उसने पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उसने बताया है कि एक जमीन विवाद के कारण वह उग्रवादी संगठन में शामिल हुआ। उसने कई चौंकाने वाले राज उगले हैं।

39वीं नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करने बेगूसराय के खिलाड़ी रवाना

बेगूसराय, (हि.स.)। विशाखापट्टनम के डायमंड जुबली स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में तीन से पांच फरवरी तक होने वाले 39वीं नेशनल जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बिहार के ओर से बेगूसराय के पांच खिलाड़ी शामिल होंगे। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बेगूसराय के सभी खिलाड़ी मंगलवार को रवाना हो गए। बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप स्थित कल्याण केंद्र में आयोजित शुभकामना समारोह के बाद सभी खिलाड़ी को रवाना किया गया है। जिला ताइक्वांडो संघ सचिव सह प्रशिक्षक नंदु कुमार ने बताया की बिहार की ओर से बेगूसराय के तीन बालक एवं दो बालिका खिलाड़ी कोच नीरज कुमार के नेतृत्व में भाग ले रहे हैं। जिसमें जूनियर बालिका वर्ग में अंडर-42 किलो में अवंतिका कुमारी एवं अंडर-44 किलो में श्रृष्टि कुमारी तथा बालक वर्ग में अंडर-48 किलो में आलोक कुमार, अंडर-68 किलो में हेमंत कुमार एवं ओवर-78 किलो मो. गुलफाम आलम बिहार टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उपरोक्त खिलाडियों में तीन खिलाडी कल्याण केंद्र ताइक्वांडो क्लब एवं दो खिलाडी बरौनी ताइक्वांडो क्लब के हैं। इन खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। रिफाइनरी टाउनशिप स्थित कल्याण केन्द्र में आयोजित शुभकामना समारोह में जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष रजनीश रंजन ने कहा कि आत्मविश्वास, सफलता की कुंजी है। आप आत्मविश्वास व ऊंचे मनोबल के साथ मुकाबले में जाएं सफलता आपकी निश्चित है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को केवल खेल पर ही ध्यान देना है, जिला ताइक्वांडो संघ उन्हें उपकरण के साथ-साथ तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराती रहेगी। कल्याण केन्द्र सचिव भोगेन्द्र कुमार कमल ने कहा कि जिस तरह यहां के खिलाड़ी पूर्व में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा चुके हैं, उसी तरह इस बार भी प्रदर्शन कर बेगूसराय और को गौरवान्वित करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कल्याण केंद्र के उपाध्यक्ष वागीश आनंद एवं धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार तांती ने किया। बीटीएमयू के अतिरिक्त महासचिव संजीव कुमार, उपाध्यक्ष महेश राव, जिला खेल संयोजक विश्वजीत कुमार, क्रीड़ा भारती के जिला मंत्री खेल शिक्षक रणधीर कुमार, जिला कोच मणिकांत सहित अन्य खेलप्रेमियों ने भी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

मूर्ति विसर्जन के दौरान उत्पन्न स्थिति नियंत्रण में, डीएम व एसपी ने किया अफवाहो से बचने की अपील

-चार उपद्रवी लिये गये हिरासत में
-सोशल मीडिया पर रखी जा रही है निगाह

मोतिहारी, (हि.स.)। नगर थाना क्षेत्र के प्रधान पथ पर बीते देर शाम सरस्वती माता की प्रतिमा विसर्जन के दौरान उत्पन्न तनाव को पूरी तरह से नियंत्रण में कर लिया गया है। इस संबंध में एसपी कांतिश मिश्रा ने बताया कि चार उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।उन्होने लोगो से अपील किया है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमो से फैलाये जा रहे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दे। जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस है। स्थिति पूरी तरह समान्य है। उन्होने बताया कि जिलाधिकारी व पुलिस के संयुक्त आदेश पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है।साथ ही सीसीटीवी फुटेज व आसूचना संकलन के द्धारा उन लोगो को चिन्हित किया जा रहा है,जिन्होने शहर के शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश किया है।उन्होने बताया कि पुलिस की एक विशेष टीम सोशल मीडिया पर नजर बनाये हुए है।कोई अगर अफवाह फैलाने की कोशिश करता पाया गया तो उसके विरूद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई तय है। डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने लोगो से शांति और सौहार्द बनाये रखने की अपील करते हुए कहा है,कि सत्याग्रह भूमि चंपारण आपसी सद्भाव व सौहार्द के लिए जाना जाता है। ऐसे में यहां वैसे किसी उपद्रवी के मंसूबे कामयाब नही होगे। यहां के लोग शांति,सत्य और अहिंसा के पक्षधर है। उन्होने बताया कि जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस है। उल्लेखनीय है कि बीते सोमवार की देर शाम प्रतिमा विसर्जन के दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा दो पक्षों के बीच सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की थी। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएम शीर्षत कपिल अशोक एवं एसपी कांतेश मिश्रा सहित अन्य पुलिस प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचकर स्थिति को बिगड़ने से पहले ही पूरी तरह से शांत करा दिया।

पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। आजादी से पूर्व बिहार में गठित अंतिम सरकार के प्रधानमंत्री और आजाद बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 63 वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस मौके पर विभिन्न संघ-संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला प्रशासन द्वारा लोहिया नगर स्थित इंडोर स्टेडियम तथा समाहरणालय परिसर स्थित कारगिल विजय सभा भवन में समारोह आयोजित किया गया। इंडोर स्टेडियम परिसर में स्थापित प्रतिभा पर डीएम रोशन कुशवाहा, एसपी योगेन्द्र कुमार, डीडीसी सुशांत कुमार, महापौर पिंकी देवी, उप महापौर अनिता राय, माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय, जदयू नेता चितरंजन प्रसाद सिंह, जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष मो. अहसन एवं नगर पार्षद उमेश राय सहित अन्य अधिकारियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मौके पर डीएम रोशन कुशवाहा एवं एसपी योगेन्द्र कुमार ने कहा कि आधुनिक बिहार के निमार्ता डॉ. श्रीकृष्ण सिंह हम सबके प्रेरणास्त्रोत हैं। हम सबको उनके कृतित्व और व्यक्तित्व से सीख लेनी चाहिए। इसके बाद कारगिल विजय सभा भवन में जिला स्तरीय तमाम अधिकारियों ने श्रीबाबू के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। दूसरी ओर शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति द्वारा अमरेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम चौक पर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद श्रीबाबू के कृतित्व और व्यक्तित्व पर चर्चा किया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक बिहार के निमार्ता श्रीबाबू ने आजादी के बाद देश में गंगा नदी पर सबसे पहले रेल-सह-सड़क पुल मोकामा-बेगूसराय के बीच निर्माण कराया। एशिया का सबसे बड़ा रेल यार्ड गढ़हारा उन्हीं की देन है। पूर्वोत्तर बिहार को इंधन जरूरत पूर्ति के लिए रिफाइनरी निर्माण की बात आई तो बिहार के बेगूसराय में उन्होंने इंडियन ऑयल के बरौनी रिफाइनरी की स्थापना करवाई। बरौनी में औद्योगिक संरचनाओं का जाल कराकर इसे बिहार की औद्योगिक राजधानी का दर्जा दिलवाया। एशिया का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग कारखाना एचईसी हटिया, भारत का सबसे बड़ा स्टील प्लांट- सेल बोकारो, भागलपुर और रांची विश्वविद्यालय, रांची वेटरनरी कॉलेज, लोकरंग शाला रविंद्र भवन पटना, डालमियानगर इंडस्ट्रीज, दामोदर वैली कॉरपोरेशन, मैथन और कोसी डैम, कोशी-गंडक-कमला और चानन नदी घाटी परियोजना, पतरातू और बरौनी थर्मल पावर स्टेशन, भारत का पहला खाद कारखाना सिंदरी तथा बरौनी फर्टिलाइजर, पूसा एवं सबौर एग्रीकल्चर कॉलेज, ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल इंडस्ट्रीज सहित कई कृतियां बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की ही देन है। बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह से सबको सीख लेने की जरूरत है। जब दलित बंधुओं की छाया तक से कुएं का जल अशुद्ध हो जाता था, तब श्रीबाबू ने 1953 में देवघर (बैद्यनाथ धाम) मंदिर में दलितों को प्रवेश एवं पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित करने का काम किया था। बिहार प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य राजनीतिक दल के लोगों ने भी बिहार केसरी को श्रद्धापूर्वक याद किया है।

संपादकीय

भारत जोड़ो यात्रा और विपक्षी एकता

कन्याकुमारी से शुरू हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन सोमवार को जम्मू-कश्मीर में हो गया। निःसंदेह, देशभर में कांग्रेस की उपस्थिति को दर्शाने में इस यात्रा की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों को संदेश देने का काम किया है कि जनता द्वारा लगातार खारिज किए जाने के बाद भी देशभर में उसका जनाधार बचा हुआ है। आज भी मुख्य विपक्षी दल के नाते वह ही अग्रणी राजनीतिक दल है। इस यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी ने भी स्वयं को कांग्रेस के प्रमुख नेता के तौर पर प्रस्तुत किया है। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि कांग्रेस में राहुल गांधी और उनके परिवार की क्या भूमिका रहती है। भले ही प्रारंभ से कांग्रेस यह कहती रही कि इस यात्रा का उद्देश्य राजनीति नहीं है लेकिन जिस तरह से पूरी यात्रा में राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोला, उससे तो यही ध्यान आता है कि यात्रा राजनीतिक ही थी। राहुल गांधी की इस यात्रा को आम चुनाव 2024 की तैयारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालाँकि आम चुनाव में कांग्रेस को कितना लाभ मिलेगा या नहीं, यह तो आनेवाला समय ही बताएगा। यात्रा से कांग्रेस को लाभ ही हुआ है, ऐसा भी नहीं है। राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह सहित अन्य नेताओं के बयानों ने कांग्रेस को नुकसान भी पहुँचाया है। यही कारण है कि दिग्विजय सिंह के बयान पर समूची कांग्रेस सफाई देती नजर आई। लगभग 5 माह चली यात्रा में अपना प्रभुत्व दिखाने के बाद विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व करने की मंशा से कांग्रेस ने यात्रा के समापन समारोह में 23 दलों को आमंत्रित किया। परंतु जिस तरह से विपक्षी दलों का रुख सामने आया है, उससे तो यही प्रतीत होता है कि ये दल अभी भी कांग्रेस और राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के आमंत्रण को 23 से में से केवल 10-11 दलों ने ही स्वीकार किया और इनके भी बड़े नेता समारोह में नहीं पहुँचे। तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, जनता दल युनाइटेड और तेलगू देशम पार्टी समेत 9 दल समापन समारोह में शामिल नहीं हुए। जबकि कुछ पार्टियों ने अपने दूसर या तीसरे दर्जे के नेताओं को कांग्रेस की रैली में शामिल होने के लिए भेजा है। वहीं, कांग्रेस ने भी कई प्रमुख विपक्षी दलों को छोड़ दिया है। कुल मिलाकर विपक्षी एकजुटता के जो प्रयास भारत जोड़ो यात्रा और उसके समापन समारोह के माध्यम से हो रहे हैं, उसकी यथास्थिति सबके सामने है। एक ओर राहुल गांधी दावा करते हैं कि विपक्षी दलों में एकजुटता है, विपक्षी दलों के बिखराव का भाजपा का दावा निराधार है। परंतु जो दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे तो भाजपा के दावे के ही नजदीक हैं। दरअसल, राज्यों में विभिन्न क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस के साथ टकराव रहता है। कई राज्यों में कांग्रेस के मुकाबले क्षेत्रीय दलों की स्थिति मजबूत है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के नेताओं को कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करने में संकोच है। ये दल कांग्रेस की छतरी के नीचे आकर अपनी स्थिति कमजोर नहीं करना चाहेंगे। बहरहाल, यात्रा के कारण बनी सक्रियता को बरकरार रखने की चुनौती भी कांग्रेस के सामने है। देखना होगा कि कांग्रेस का नेतृत्व इस सक्रियता को बनाए रख पाएगा या नहीं?

राहुल गांधी और दिग्विजय सहि सहित अन्य नेताओं के बयानों ने कांग्रेस को नुकसान भी पहुँचाया है। यही कारण है कि दिग्विजय सहि के बयान पर समूची कांग्रेस सफाई देती नजर आई। लगभग 5 माह चली यात्रा में अपना प्रभुत्व दिखाने के बाद विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व करने की मंशा से कांग्रेस ने यात्रा के समापन समारोह में 23 दलों को आमंत्रित किया। परंतु सिज तरह से विपक्षी दलों का रुख सामने आया है, उससे तो यही प्रतीत होता है कि ये दल अभी भी कांग्रेस और राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के आमंत्रण को 23 से में से केवल 10-11 दलों ने ही स्वीकार किया और इनके भी बड़े नेता समारोह में नहीं पहुँचे।

बोध कथा

सिंह व भेड़

एक सिंहनी, जिसका प्रसवकाल निकट था, एक बार अपने शिकार की खोज में बाहर निकली। उसने दूर भेड़ों के एक झुण्ड को चरते देख, उन पर आक्रमण करने के लिए ज्योंही छलाँग मारी, त्योंही उसके प्राणपखेरू उड़ गये और एक मातृहीन सिंहशावक ने जन्म लिया। भेड़ें उस सिंह-शावक की देख-भाल करने लगीं और वह भेड़ों के बच्चों के साथ साथ बड़ा होने लगा भेड़ों की भांति घास-पात खाकर रहने लगा और भेड़ों की ही भांति 'में-में' करने लगा। और यद्यपि वह कुछ समय बाद एक शक्तिशाली पूर्णविकसित सिंह हो गया, फिर भी वह अपने को भेड़ ही समझता था। इसी प्रकार दिन बीतते गये कि एक दिन एक बड़ा भारी सिंह शिकार के लिए उधर आ निकला। पर उसे यह देख बड़ा आश्चर्य हुआ कि भेड़ों के बीच में सिंह भी है और वह भेड़ों की ही भांति डरकर भागा जा रहा है। तब सिंह उसकी ओर यह समझाने के लिए बढ़ा कि तू सिंह है, भेड़ नहीं। पर ज्योंही वह आगे बड़ा त्योंही भेड़ों का झुण्ड और भी भागा और उसके साथ साथ वह भेड़-सिंह भी। जो हो उसने उस भेड़-सिंह को उसके अपने यथार्थ स्वरूप को समझा देने का संकल्प नहीं छोड़ा। वह देखने लगा कि वह भेड़-सिंह कहाँ रहता है क्या करता है। एक दिन उसने देखा कि वह एक जगह पड़ा सो रहा है। देखते ही वह छलाँग मारकर उसके पास जा पहुँचा और बोला, "अरे तू भेड़ों के साथ रहकर अपना स्वभाव कैसे भूल गया? तू भेड़ नहीं है, तू तो सिंह है।" भेड़-सिंह बोल उठा, "क्या कह रहे हो? मैं तो भेड़ हूँ सिंह कैसे हो सकता हूँ?" उसे किसी प्रकार विश्वास नहीं हुआ कि वह सिंह है और वह भेड़ों की भांति मिमियाने लगा। तब सिंह उसे उठाकर एक सरोवर के किनारे ले गया और बोला "यह देख अपना प्रतिबिम्ब और यह देख मेरा प्रतिबिम्ब।" और तब वह उन दोनों परछाइयों की तुलना करने लगा। वह एक बार सिंह की ओर, और एक बार अपने प्रतिबिम्ब की ओर ध्यान से देखने लगा। तब क्षण भर में ही वह जान गया कि "सचमुच मैं तो सिंह ही हूँ।" तब वह सिंह-गर्जना करने लगा और उसका भेड़ों का-सा मिमियाना न जाने कहाँ चला गया। इस प्रकार तुम सब सिंह हो – तुम आत्मा हो शुद्ध अनन्त और पूर्ण हो।

अमृत कलश

धर्म का उद्देश्य

धर्म का उद्देश्य, केवल मानव को ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि को अक्षय सुख लब्ध करवाने का मार्ग प्रशस्त करना है। मानव के लिये जीवन के अनुकूल सुख भी एक पड़ाव मात्र है, लक्ष्य तो निश्चित ही शाश्वत सुख है। सभी जीना चाहते है मरना कोई नहीं चाहता। इसलिए जियो और जीने दो का सिद्धांत अस्तित्व में आया है। शान्ति से जीनें और अन्य को भी जीनें देने के उद्देश्य से ही सभ्यता और संस्कृति का विकास हासिल किया गया है। क्योंकि सभ्यता और संस्कार से हम भी आनंद पूर्वक जीते है, और अन्य सभी प्राणियों के लिये भी सहज आनंद के अवसर उपलब्ध करवाते हैं। यही है धर्म के उद्देश्य की सबसे सरल परिभाषा। इस उद्देश्य को प्रमाण वाक्य मानते हुए ही धर्म शास्त्रों की व्याख्याओं पर दृष्टिपात करना चाहिए। यदि किसी धर्मोपदेश की व्याख्या सभ्यता और संस्कार के विपरीत जाती है तो वह सर्वांग मिथ्या व्याख्या है। जो व्याख्या सभ्यता से पतनोमुख करने का कारण बनकर, पुनः आदिम जंगली संस्कार की ओर प्रेरित करे तो धर्मोपदेश की वह व्याख्या निश्चित ही कुमार्ग लक्षी है। उदाहरण के लिये, हमनें जंगली, क्रूर, विकृत खान-पान व्यवहार को शुद्ध, अहिंसक, सभ्य आहार से सुसंस्कृत किया है। यहाँ सभ्यता मात्र स्वच्छ और पोषक आहार से ही अपेक्षित नहीं बल्कि अन्य जीवसृष्टि के जीवन अधिकार से सापेक्ष है। उसी तरह संस्कृति समस्त दृष्टिकोण सापेक्ष होती है। सभ्यता में सर्वांग प्रकृति का संरक्षण निहित होता है।

इक प्याली चाय के साथ अखबार का हमारा रिश्ता बन गया है

इक अखबार बिन सब सून

मनोज कुमार

भारतीय पत्रकारिता का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि उसने हमेशा जन-जागरण का लोकव्यापी कार्य किया है। कबीर के शब्दों में ढालें तो 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' वाली परम्परा का पोषण भारतीय पत्रकारिता ने किया है। शब्द सत्ता का दूसरा नाम अखबार है और शायद यही कारण है कि सरूख वालों को 1780 में जिन अखबारों से डर लगता था, 2023 में भी वही डर कायम है। कानून को अपने सिहाब से जोड़-तोड़ कर लेने में माहिर सत्ताधीश इस बात से हमेशा सजग रहे हैं कि अखबार हमेशा उनसे दूर रहें। आजादी के दौर में अंग्रेजों की नाक में दम करने वाली पत्रकारिता ने स्वाधीन भारत में भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया। नए-नए शासकों और सत्ताधीशों के लिए अखबार में छप जाने वाली इबारत उनकी नींद उड़ा देती है।

भारत का संविधान पर्व दिवस 26 जनवरी जनवरी को परम्परानुसार अखबारों के दफ्तरों में अवकाश रहा लिहाजा 27 जनवरी को अखबार नहीं आया और इक प्याली चाय सूनी-सूनी सी रह गयी। 28 तारीख को वापस चाय की प्याली में ताजगी आ गयी क्योंकि अखबार साथ में हाथ में था। अभी हम 2023 में चल रहे हैं और कल 29 तारीख होगी जनवरी माह की और यह तारीख हमारे इतिहास में महफूज है क्योंकि इसी तारीख पर जेम्स आगस्ट हिक्की ने भारत के पहले समाचार पत्र का प्रकाशन आरंभ किया था। शायद तब से लेकर अब तक इक प्याली चाय के साथ अखबार का हमारा रिश्ता बन गया है। हिक्की के अखबार का प्रकाशन 1780 में हुआ था और इस मान से देखें तो भारत की पत्रकारिता की यात्रा 243 साल की हो रही है। भारतीय पत्रकारिता का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि उसने हमेशा जन-जागरण का लोकव्यापी कार्य किया है। कबीर के शब्दों में ढालें तो 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' वाली परम्परा का पोषण भारतीय पत्रकारिता ने किया है। शब्द सत्ता का दूसरा नाम अखबार है और शायद यही कारण है कि रसूख वालों को 1780 में जिन अखबारों से डर लगता था, 2023 में भी वही डर कायम है। कानून को अपने हिसाब से जोड़-तोड़ कर लेने में माहिर सत्ताधीश इस बात से हमेशा सजग रहे हैं कि अखबार हमेशा उनसे दूर रहें। आजादी के दौर में अंग्रेजों की नाक में दम करने वाली पत्रकारिता ने स्वाधीन भारत में भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया। नए-नए शासकों और सत्ताधीशों के लिए अखबार में छप जाने वाली इबारत उनकी नींद उड़ा देती है। पत्रकारिता के इस सात्विक कर्म के कारण ही उसे भारतीय परम्परा में चौथा स्तंभ पुकारा गया। इस चौथे स्तंभ ने भी अपनी मर्यादा और दायित्व को पूरी जवाबदारी से निभाते देखा गया। 2023 में हम जब अखबारों की चर्चा करते हैं तो कई विषम स्थितियां हमारे सामने आती हैं। साल 1975 का वह आपातकाल का दौर जिसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छिन्न-भिन्न करने की कोशिश की। लेकिन कुछ ऐसे अखबार भी रहे जिन्होंने टूटना पसंद किया, झुकना नहीं। इस परिप्रेक्ष्य में कभी लाईमलाईट में रहने वाले लालकृष्ण आडवानी की वह टिप्पणी सामयिक लगती है जब उन्होंने कहा था-'अखबारों को

झुकने के लिए कहा गया लेकिन वे रेंगने लगे।' शायद इसके बाद ही अखबारों की दुनिया बदल गयी। अखबार पत्रकारिता धर्म से परे होकर उद्योग के रूप में सूरत अख्तियार करने लगे। आर्थिक संसाधनों से लैस होकर सत्ता के करीब होते गए और पत्रकारिता हाशिये पर जाने लगी। अखबार देखते ही देखते टेलीविजन में बदल गये। रंगीन फिसलन वाले कागज पर पेजथ्री का कब्जा हो गया। गरीब-गुरवा और शोषित अखबारों से उसी तरह दूर कर दिये गये जिस तरह आज हम टेलीविजन के परदे पर देखते हैं। सत्ता शीर्ष के नाश्ते से लेकर देररात तक शयन कक्ष में जाने की दैनंदिनी क्रियाओं को अखबारों ने महिमामंडित कर छापने लगे। एक पन्ने पर मोहक शब्दों में गुथी गाथा थी तो पारिश्रमिक के तौर पर अगले पन्ने भर का विज्ञापन। यह सच है और इस सच से मुंह चुराती पत्रकारिता ना कल थी और ना आगे कभी होगी क्योंकि पत्रकारिता का मूल धर्म 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' की रही है और रहेगी। 29 जनवरी, 1780 का स्मरण करते हैं तब हम खुद से मुंह चुराते हैं क्योंकि इस तारीख को भारतीय पत्रकारिता की नींव रखी गयी थी लेकिन आज 2023 में पत्रकारिता का नाम और रूप बदलकर मीडिया हो गया है। यह भी कम दुर्भाग्यपूर्ण बात नहीं है कि 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' वाली लीक को छोडक़र एक वर्ग इधर का हो गया तो एक वर्ग उधर का हो गया। पाठकों और दर्शकों को भी इसी श्रेणी में बांट दिया गया। जो सत्ता विरोधी बोल और लिख रहा था, वह ईमानदार की श्रेणी में आ गया और जो सत्ता के समर्थन में लिख-बोल रहा था, वह उनका पी_हो गया। सच तो यह है कि दोनों श्रेणी के लोग उस पत्रकारिता के हैं ही नहीं जिसकी कल्पना गांधी, तिलक, माखनलाल चतुर्वेदी, पराडक़रजी और विद्यार्थी किया करते थे। सिनेमा के सौ साल के सफर में जब 'डर्टी पिक्चर' देखते हैं तो वाह-वाह कर उठते हैं लेकिन अढ़ाई सौ साल की पत्रकारिता के 'डर्टी मीडिया' की बात करने से हम सहम जाते हैं। नाउम्मीदी का एक घना अंधेरा दिखता है। इसे आप कोहरे में घिरा-छिपा भी कह सकते हैं क्योंकि ना तो घना अंधेरा हमेशा बना रहेगा और ना कोहरे में लिपटा वह झूठ जो सच बनकर दिखाया और समझाया जाता है। अखबार की ताकत हमेशा से मौजूं रही है और आगे भी उसके इस बेबाकीपन से आपका सामना होगा। यह इत्तेफाकन नहीं होगा बल्कि सुनियोजित और सुगठित ढंग से होगा। इस सच के सवाल का जवाब कौन देगा कि जब अखबार अविश्वसनीय हो गए हैं तो 27 जनवरी या 16 अगस्त को क्यों हम उसकी राह तकते हैं? अखबार इतना ही अविश्वसनीय है तो कोरोना में हमने उससे परहेज क्यों नहीं किया? जो लोग मेरे हमउम्र हैं, उन्हें याद दिला दूं कि शशि कपूर अभिनीत 'न्यू देहली टाइम्स' ने आगाह कर दिया था कि पत्रकारिता और सत्ता का गठजोड़ कैसे होगा। कैसे पत्रकारिता का चेहरा बदलेगा लेकिन एक खबर पूरे तंत्र को हिला देती है यदि उसमें तडक़ा ना लगाया जाए। तथ्यों और तर्कों के साथ उसे समाज के समक्ष रखा जाए। बहुतेरे साथियों को इस बात की शिकायत होती है कि अब खबर का असर नहीं होता है तो क्या कोई बताएगा कि आपने खबर लिखी कौन सी है और क्यों असर नहीं हुआ। आप मनोरंजन की खबरें लिखें, तो उसे उसी श्रेणी में रहने दें लेकिन लोक समाज के हित में लिखने का साहस रखते हैं तो पांव में बिबाई से ना डरें। कितना भी आप रो लें, सिर पीट लें लेकिन मुझे यकिन है कि 2023 की 29 जनवरी को भी हम उसी 1780 की 29 जनवरी को जी रहे हैं जिसने भारत में पत्रकारिता का श्रीगणेश किया था। हां, उन अखबारों और पत्रकारों को छोड़ दें जिन्हें अखबार को लोक समाज का प्रहरी बने रहने के बजाय उद्योग बनना है। जब तक 'ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर' से अखबार का रिश्ता बना रहेगा तब तब इक प्याली चाय के साथ दूसरे हाथ में अखबार की जरूरत महसूस होती रहेगी।

गांधी की वसीयत के वारिस

हम सोचें कि गांधी द्वारा गुजराती में लिखे दो पेज के मसौदे को उनके सहयोगियों ने 'हरिजन' में 'गांधी जी की अंतिम इच्छा व वसीयत' शीर्षक से प्रकाशित क्यों कराया? गांधी कांग्रेस संविधान का नया मसौदा क्यों लिख रहे थे? वे क्यों चाहते थे कि कांग्रेस लोगों की सेवा करने वालों के संघ के रूप में तब्दील हो जाए? वे क्यों चाहते थे कि 'लोक सेवक संघ' के रूप में तब्दील होने पर कांग्रेस अपने मिशन की पूर्ति के लिए ग्रामीणों व अन्य लोगों के बीच से धन जुटाए तथा गरीब आदमी के पैसे की वसूली पर विशेष जोर हो। गांधी सैन्य शक्ति पर नागरिकों की प्रधानता के लिए संघर्ष में लोकतांत्रिक लक्ष्य की दिशा और भारत की प्रगति क्यों देखते थे? उन्होंने इस सबको राजनीतिक दलों और सांप्रदायिक निकायों के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से दूर रखने के लिए क्यों कहा था? ससबे बड़ा प्रश्न यह कि गांधी ने सात लाख गांवों के संदर्भ में ही क्यों कहा कि उनकी सामाजिक, नैतिक व आर्थिक आजादी हासलि करना अभी बाकी है, नगरों और कस्बों के बारे में क्यों नहीं? इन प्रश्नों का उत्तर तलाशने के लिए 2023 के वातावरण में ही देखना होगा।

हालांकि गांधी का वसीयतनामा लंदन से सटे शहर लडलो के रेसकोर्स में कभी का नीलाम किया जा चुका है, फिर भी इस साल एक बार फिर उस पर चर्चा करें। हम सोचें कि गांधी द्वारा गुजराती में लिखे दो पेज के मसौदे को उनके सहयोगियों ने 'हरिजन' में 'गांधी जी की अंतिम इच्छा व वसीयत' शीर्षक से प्रकाशित क्यों कराया? गांधी कांग्रेस संविधान का नया मसौदा क्यों लिख रहे थे? वे क्यों चाहते थे कि कांग्रेस लोगों की सेवा करने वालों के संघ के रूप में तब्दील हो जाए? वे क्यों चाहते थे कि 'लोक सेवक संघ' के रूप में तब्दील होने पर कांग्रेस अपने मिशन की पूर्ति के लिए ग्रामीणों व अन्य लोगों के बीच से धन जुटाए तथा गरीब आदमी के पैसे की वसूली पर विशेष ज़ोर हो। गांधी सैन्य शक्ति पर नागरिकों की प्रधानता के लिए संघर्ष में लोकतांत्रिक लक्ष्य की दिशा और भारत की प्रगति क्यों देखते थे? उन्होंने इस सबको राजनीतिक दलों और सांप्रदायिक निकायों के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से दूर रखने के लिए क्यों कहा था? सबसे बड़ा प्रश्न यह कि गांधी ने सात लाख गांवों के संदर्भ में ही क्यों कहा कि उनकी सामाजिक, नैतिक व आर्थिक आज़ादी हासिल करना अभी बाकी है, नगरों और कस्बों के बारे में क्यों नहीं? इन प्रश्नों का उत्तर तलाशने के लिए 2023 के वातावरण में ही देखना होगा। क्या विरोधाभासी स्थिति है! मानसिक तौर पर बीमार कर देने वाली दलगत व सांप्रदायिक प्रतिस्पर्धाओं और खेमेबंदी ने मीडिया, फिल्म, खेल व बौद्धिक जगत की हस्तियों से लेकर आमजन तक को अपना औजार व शिकार दोनों बनाया हुआ है। यह वैश्विक तापमान से धधकते, सूचना प्रौद्योगिकी के पीछे भागते तथा दरकते रिश्तों का समय है और हम हैं कि 'गांधी-गोडसे युद्ध : एक टीजर' जैसे वीडियो लेकर आ रहे हैं। गलाकाट बाज़ारू प्रतियोगिता और बेईमानी ने छोटी काश्तकारी को जिस मुकाम पर पटक दिया है, यह किसी से छिपा नहीं है। पढ़ाई व नौकरियों में 'नंबर दौड़' तथा दवाई व इलाज़ में सीधे डकैती की मार सब पर है। प्रश्नों के उत्तर इस विश्लेषण में भी हैं कि वर्ष-2023 के साथ कुछ पुरानी आफतें बढने वाली हैं : अधिक महंगाई, अधिक बेरोजग़ारी, अमीरी-गरीबी के बीच अधिक बड़ी खाई के साथ-साथ वैश्विक तापमान व मौसम में ज्यादा उठापटक। सबसे बुरी बात यह कि इन सभी का सबसे बुरा असर सबसे गरीबों, कमज़ोरों के साथ-साथ मार्ग तलाशते हमारे युवाओं पर पडने वाला है। वर्ष-2023 में वर्तमान के इस परिदृश्य को सामने रखिए और गांधी द्वारा तैयार कांग्रेस संविधान के मसौदे के एक-एक प्रावधान को पूरी सावधानी से पढ़िए। समझना आसान हो जाएगा कि गांधी बार-बार क्यों जिंदा हो उठते हैं। वसीयत क्यों चाहती है वारिस? वसीयतनामे में एक-एक शब्द के रूप में गांधी खुद मौजूद हैं, यह बताने के लिए कि वे अपने समय से बहुत आगे का विचार थे। गांधी जानते थे कि नगर सुविधाओं की बौछार कर सकते हैं, किंतु बगैर गांवों के नगर टिक नहीं सकते। जीवन जीने की बुनियादी ज़रूरतों की पूर्ति तो गांव ही कर सकते हैं : साफ हवा, पानी, भोजन, प्राकृतिक आवास, स्वास्थ्य, संस्कार और सामुदायिकता। वे यह भी जानते थे कि हवा-पानी-मिट्टी ही वे फैक्टरी हैं जिनमें डाला एक बीज कई गुना होकर वापस लौटता है। किसान व कारीगरों की उंगलियां ही ऐसा सामुदायिक औज़ार हैं जो बगैर किसी प्रतिस्पर्धा में फंसे व्यापक रोजग़ार व सभी के लिए समृद्धि को टिकाए रख सकती हैं। गांधी की 'नई तालीम' इसे ही मज़बूत करना चाहती थी। वे जानते थे कि ग्राम स्वराज के उनके मंत्र में गांवों को बाज़ार, सरकार, परावलम्बन व वैमनस्य से आज़ाद बनाए रखने की शक्ति है। आर्थिक लोकतंत्र के बिना सामुदायिक व राजनीतिक लोकतंत्र अधूरा रहने वाला है। उन्हें यह भी पता था कि गांवों को अपनी इस शक्ति को बरकरार रखने के लिए नैतिक क्षमताओं को बराबर् बढ़ाते रहना होगा। इसीलिए गांधी ने अंग्रेजी साम्राज्य से आज़ादी के बाद की आज़ादी के केन्द्र में गांवों को रखा। गांधी जी साम्राज्यवाद और सामंतवाद दोनों के घोर विरोधी थे। गांधी जानते थे कि साम्राज्यवाद व सामंतवाद कमज़ोर के शोषण पर पनपने वाली अमरबेलें हैं। ये ऐसी हिंसक प्रवृत्तियां हैं जो मरती नहीं, सिर्फ कमज़ोर पड़ सकती हैं। भारत आज़ाद हो गया तो क्या, अनुकूल परिस्थितियां पाते ही ये फिर बलवती होंगी, किसी न किसी शक्ल में। वे जानते थे कि ऐसा हुआ तो सबसे पहले दुष्प्रभावित गांव, गरीब और कमज़ोर ही होगा। आज ऐसा ही हो रहा है। पानी, किसानी, जवानी को अपने उत्थान के लिए आंदोलन करने पड़ रहे हैं। अमीरी-गरीबी की खाई लगातार बढ़ती जा रही है। आर्थिक व लोकतांत्रिक परिसरों में सामंतवाद व साम्राज्यवाद दोनों की नई हनक पूरी बेशर्मी के साथ सुनाई दे रही है। गांधी ने इसीलिए कांग्रेस संविधान का नया मसौदा लिखा। इसीलिए वे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को स्वायत्त निकायों से जोडक़र सेवा संस्कार के ऐसे अग्निकुंड में उतार देना चाहते थे, जिसमें जलने के बाद या तो सूरज बनकर संसार को प्रकाशित किया जा सकता है अथवा भस्म होकर खाद बनकर। गांधी की यह जिद्द कदापि नहीं होगी कि कांग्रेस उनके मसौदे को जस का तस अपना ले, किंतु उस वक्त यदि कांग्रेस अपने संविधान के गांधी-मसौदे पर गंभीर हुई होती तो 'कांग्रेस सेवा दल' और 'राजीव गांधी पंचायती राज संगठन' के रचनात्मक कार्यक्रम गांव-गांव में सराहे जा रहे होते। कांग्रेस कोई एक दल न होकर, ज़मीनी रचनात्मक कार्यकर्ताओं का एक ऐसा समुदाय बन गया होता जो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में से सत्ता और प्रजा के भाव को कम ही करता, अधिक नहीं। कांग्रेस को देश जोडने और पार्टी मज़बूत करने के लिए यात्रा करने की ज़रूरत न पड़ती। तोडक़ चिंगारियां कभी उठती भीं तो भारत का समाज ही उसे बुझा देता। यदि कांग्रेस ने अपने आंतरिक चुनाव के लिए गांधी-मसौदे की पालना तय कर ली होती तो आज किसी भी दल द्वारा टिकटों के बंटवारे के तौर-तरीके व चुनावों को जीतने की कवायद इतनी बुरी न होती। दुखद है कि चुनावों को जीतने के लिए अपनाए जा रहे हथकण्डों ने आज हमारे गांवों, समुदायों, यहां तक कि परिवारों में मनभेद पैदा कर दिए हैं। चुनाव आयोग तक पर उंगलियां उठ रही हैं। सेवा, सहकार और सह-अस्तित्व की बुनियाद पर खड़ा गांधी विचार यह करा सकता है। कांग्रेस चाहे तो अभी भी गांधी के सपनों का हिंदोस्तान बनाने की राह अपना सकती है। कठिन है, लेकिन नामुमकिन नहीं। यदि हमारे अन्य स्वयंसेवी संगठन, कांग्रेस संविधान के गांधी मसौदे मात्र को ही अपना संविधान बना लें, उसे पूरी ईमानदारी, सातत्य, सादगी व सेवाभाव के साथ अमल में उतारने की सामुदायिक कोशिश करें तो मौजूदा चुनौतियों के समाधान संभव हैं। स्वयंसेवी जगत को एक बार फिर नए सिरे से पहल करनी होगी। बाहरी पहल से पहले अपनी सफाई करनी होगी।

देश दुनीया से

बेसहारा गौवंश की सुध ले नई सरकार

भारतीय संस्कृति के चार स्तंभों में श्री गंगामाता, श्री गीतामाता, श्री गायत्रीमाता और गौमाता शामिल हैं। इन चारों को शास्त्रों में मां शब्द से संबोधित किया गया है। गौमाता में सभी देवी-देवता वास करते हैं। गाय की सेवा से सभी देवों की पूजा संपन्न हो जाती है। हमारे कर्मानुष्ठान, यज्ञ तथा अन्य कोई भी धार्मिक कृत्य गौमाता के बिना संपन्न नहीं हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी भारत में गाय का महत्त्व कम नहीं है। भारत में गोपालन की प्राचीनकाल से ही परम्परा रही है। इसलिए उस समय घी, दूध और दही की नदियां बहती थीं। ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गऊएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण खुद गऊओं की सेवा करते थे। इसलिए उनका एक नाम 'श्री गोपाल' आज भी संसार भर में प्रसिद्ध है। गाय के दूध में जो स्वर्णतत्व पाए जाते हैं वे तत्व मां के दूध के अतिरिक्त किसी भी पदार्थ में नहीं मिलते हैं। नेचर पत्रिका के अनुसार गाय के दही में एक ऐसा मित्र बैक्टीरिया पाया गया है जो एड्स की बीमारी को फैलने से रोकने में तथा हृदय रोग की रोकथाम में सहायक होता है। गर्भवती महिला अगर चांदी की कटोरी में गाय के दूध में जमाए गए दही का सेवन नित्य करे तो गर्भ में पलने वाला बालक मेधावी और तेजस्वी बनता है। महान संत स्वर्गीय श्री विनोबा भावे जी प्रातः गाय का दही खाते थे। इससे उनके पेट का अल्सर दूर हो गया था। गाय के दूध से बनी छाछ किसी भी प्रकार के नशे जैसे गांजा, भांग, तंबाकू, शराब, हीरोइन, स्मैक इत्यादि से होने वाले प्रभाव को कम ही नहीं करती, अपितु नशे का नियमित सेवन करने की इच्छा भी धीरे-धीरे खत्म करने की शक्ति रखती है। गाय के घी में अधिकतम प्राणवायु निर्माणक रसायन रहते हैं। एक चम्मच गाय के घी को कण्डों-उपलों की आग में आहुति देने पर एक टन से अधिक आक्सीजन बनती है जो अन्य किसी भी उपाय से असम्भव है। समस्त शुभ कार्यों में भूमि को प्रथम गाय के गोबर से लीपा जाता है। गोमूत्र मनुष्य के पापों का नाश करता है। आयुर्वेद के अनुसार पेट के रोग, लीवर की खराबी, कैंसर में गोमूत्र उपयोगी है। गऊ माता के दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत्र में इतने ज्यादा गुण होने के बाद भी आज जब गायें दूध देना बंद कर देती हैं तो पशुपालक उनको खड्डों, नदी-नालों के किनारे या कहीं दूर जंगल में बेसहारा छोड़ देते हैं। ऐसा करना हमारे सभ्य समाज के लिए बड़े ही दुःख और शर्म की बात है। प्रदेश में पूर्व में रहे माननीय ग्रामीण विकास एवं पशुपालन मंत्री श्री वीरेन्द्र कंवर ने इन बेसहारा गौवंश को आश्रय दिलाने की काफी कोशिश की है, लेकिन अभी भी प्रदेश सरकार को बहुत कुछ करना बाकी है। लेखक ने 23.09.2022 को पिछली प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री और माननीय पशुपालन मंत्री को इन बेसहारा गौवंश के लिए गौसेवा आयोग द्वारा गौशालाएं तथा गऊ सैंक्चरी बनाने तथा गौसेवकों की भर्ती करने बारे कई जरूरी सुझाव भेजे थे जिनमें कुछ सुझाव यहां दिए जाते हैं : इस समय प्रदेश में जो लगभग दस हजार से ज्यादा बेसहारा गौवंश हैं, उनकी सेवा के लिए हिमाचल प्रदेश गौसेवा आयोग प्रत्येक जिले के प्रत्येक खण्ड में तीन-तीन गौशालाएं बनाए ताकि इन अभागे गौवंश को इनका खोया हुआ रैन बसेरा दोबारा मिल सके। इन 10000 बेसहारा गौवंश की सेवा के लिए गौसेवा आयोग 1000 गौसेवकों की भर्ती करे यानी 10 गौवंश पर एक गौसेवक नियुक्त हो जिसकी तनखाह प्रति माह 6000 रुपए तथा साथ में मुफ्त रिहायश और भोजन की व्यवस्था हो। इन गौसेवकों को आठ या दस साल बाद की सेवा के बाद प्रदेश सरकार अपने विभागों या बोर्डों में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों में नियुक्त करने का प्रबंध करे। जितने भी लोगों ने प्रदेश में गाय या बैल पाल रखे हैं, उनकी रजिस्ट्रेशन होनी चाहिए यानी उनके गौवंश कार्ड बनाए जाने चाहिए। यह कार्य पशुपालन विभाग द्वारा पंचायतों के सहयोग से करना चाहिए। अगर कोई पशुपालक अपने गौवंश को बेसहारा छोड़ता है तो उसको कम से कम 5000 रुपए का जुर्माना सरकार की तरफ से होना चाहिए। दोबारा छोडने पर सजा भी मिलनी चाहिए। जो प्रदेश सरकार ने प्रदेश की सीमा पर बैरियर लगाए हैं, वहां पर दूसरे प्रदेशों से आने वाले गौवंश की चैकिंग की जानी चाहिए। प्रदेश सरकार प्रदेश में गोमूत्र पर आधारित कोई बड़ी आयुर्वेदिक फार्मेसी स्थापित करे ताकि गौवंश पालने वालों को आर्थिक सहायता मिल सके और जनता को सस्ती आयुर्वेदिक औषधियां भी प्राप्त हो सकें।

भारत में गोपालन की प्राचीनकाल से ही परम्परा रही है। इसलिए उस समय घी, दूध और दही की नदियां बहती थीं। ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गऊएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण खुद गऊओं की सेवा करते थे। इसलिए उनका एक नाम 'श्री गोपाल' आज भी संसार भर में प्रसद्धि है। गाय के दूध में जो स्वर्णतत्व पाए जाते हैं वे तत्व मां के दूध के अतिरिक्त सिकी भी पदार्थ में नहीं मिलते हैं। नेचर पत्रिका के अनुसार गाय के दही में एक ऐसा मित्र बैक्टीरिया पाया गया है जो एड्स की बीमारी को फैलने से रोकने में तथा हृदय रोग की रोकथाम में सहायक होता है।

नागरिक बोध

नाटो देश यूक्रेन की दाहिनी भुजा बनकर कर रहे मदद,यूक्रेन को देंगे लड़ाकू टैंक

रूस और यूक्रेन की जंग में पूरे शबाब पर है। कई महीनों से चल रही जंग में यूक्रेन की तरफ से ढीला रवैया अपनाया जा रहा है और न ही रूस युद्ध बन्द करने की फिराक में है यूक्रेन और रूस की तनती तलवारों के बीच विश्व समुदाय आहत है। यूक्रेन की हौसलाअफजाई में नाटो की अहम भूमिका काम कर रही है। एक छोटे देश की पीठ थपथपाने के लिए अमेरिका सहित यूरोपीय देश लगे हुए है। बारह महीने से लडी जा रही जंग में यूक्रेन की क्या हैसियत है कि विश्व महासता रूस से मुकाबला कर सके। नाटो देशो की आम सभा मे यूक्रेन को सैन्य मदद के लिए प्रारंभिक रणनीति के अंतर्गत टैंक देने के फैसले लिए गए। जिसकी यूक्रेन को सख्त जरूरत है। हर नाटो देश अपनी हैसियत के अनुरूप यूक्रेन को बिना किसी धनराशि से टैंक देने जा रहे है। जिससे यूक्रेन जंग में टिक सके। यूरोपीय देशों के सपोर्ट से यूक्रेन की टक्कर एक मिसाल बनती जा रही है। ऐतिहासिक लड़ाई में रूस यूक्रेन से पीछे हटता दिख रहा है। इन देशो के लड़ाकू टैंकों में जर्मनी का सबसे सटीक और शक्तिशाली टैंक है जो न्यूक्लियर अटैक में भी अपनी पूरी क्षमता के साथ सुरक्षित है। अमेरिका यूक्रेन को पांच सौ टैंक एक झटके में दे सकता है लेकिन अमेरिका के टैंक जर्मनी से ताक़तवर नही है यूक्रेन रूस को नाटो की मदद से टक्कर दे रहा है। लेकिन इस लड़ाई में मानवता को ठेस पहुंची है। रूस की निगाह उन नाटो देशो पर है जो यूक्रेन की मदद कर रहे है। इतने देश स्पोर्ट किए जा रहे है। उसके बाद रूस का आत्मविश्वास बरकरार है। यूक्रेन को खंडहर में तब्दील करने के लिए रूस कोई समझौता नही करना चाहता है। यूक्रेन और रूस की इस जंग के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े है तो आर्थिक संकट से जूझ रही दुनिया की हालत खराब हो रही है। इस वक्त की यह सबसे बड़ी जंग है और यूक्रेन और रूस को आपसी सहमति से हालात पर काबू पा लेना चाहिए।रूस यूक्रेन के नामोनिशान खत्म करना चाहता है। रूस के पास तेल का खजाना है। उसके पास पैसों की कोई कमी नही है। लेकिन यूक्रेन छोटा देश है और उसको हर हालत में जनता की जानमाल की फिक्र कर जंग से हाथ खींच लेना चाहिए। जंग से खंडहर में तब्दील होते शहर और जानमाल की हानि से भयाक्रान्त यूक्रेन को टेबल पर बैठ कर आपस मे समझौता कर लेने में ही भलाई है। ऊबड़खाबड़ और जंगलों में गीली जमीन पर लड़ाई में यूक्रेन मुकाबला नही कर पाता था,लेकिन इन देशों से मिलने वाले टैंकों में जर्मनी का लेपर्ड टैंक दुनिया में सबसे ताकतवर और सुरक्षा के लिहाज से बेहतर है। समतल भूमि पर युद्ध होने जा रही है।इस टैंक का मुकाबला रूस नही कर सकता है। इस टैंक से यूक्रेन को भारी सफलता मिलेगी। कारण की समतल भूमि पर सैनिको के छिपने की जगह नही होती है। जिसके कारण सैनिको को छुपने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नही है।

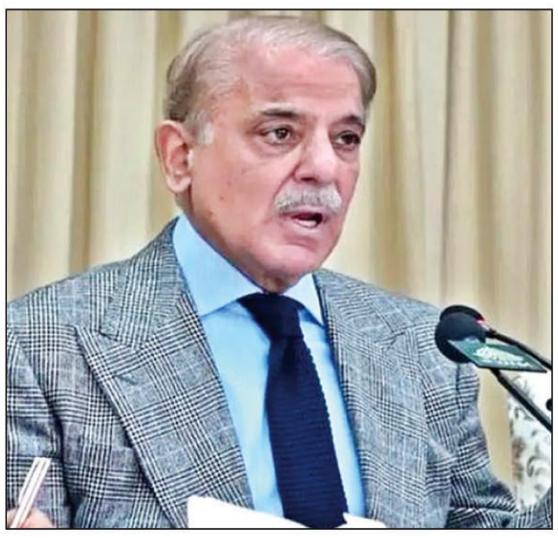

आईएमएफ के सामने गिड़गिड़ाएगा या झुकेगा पाक शहबाज सरकार की सिट्टी पिट्टी कैसे हो गई है गुम

इस्लामाबाद ।

दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान के लिए चुनौती भरा दिन है। दरअसल, समीक्षा बैठक के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की टीम पाकिस्तान पहुंच चुकी है। अब शहबाज सरकार को निर्णय करना होगा कि वह आईएमएफ की शर्तों के सामने झुकेगा या दिवालिया होने का रिस्क लेना स्वीकार करेगा। पाकिस्तान के सामने आईएमएफ ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं हैं जिसके सामने झुकना शहबाज सरकार के लिए बेहद कठिन फैसला होगा । यदि पाकिस्तान शर्तों को नहीं मानता है तो वह दिवालिया होने की कगार पर आ सकता है। बता दें कि पाकिस्तान की हालत देखकर कई पड़ोसी देश भी कर्ज देने से इनकार कर रहे हैं। आइए जानते हैं आखिर आईएमएफ के सामने पाकिस्तान सरकार की सिट्टी पिट्टी क्यों गुम हो गई है दरअसल, आईएमएफ ने बिजली सब्सिडी वापस लेना, गैस की कीमतों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना और फ्री-फ्लोटिंग डॉलर जैसी शर्तें पाकिस्तान के सामने रख दिए हैं जिसे मानने पर शहबाज सरकार को सियासी मोर्चे पर झटका लग सकता है। हालांकि, दिवालियापन की संभावना के बाद अब कई पड़ोसी देशों ने भी बेलआउट पैकेज देने के लिए तैयार नहीं हो रहा है जिससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकना शुरू कर दिया है।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) (पीएमएल-एन) को डर है कि इनमें से कुछ मांगों को लागू करने से सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। पाकिस्तानी सरकार चुनाव के इतने करीब इस तरह के रिस्क लेने से बचना चाहेगी। पाकिस्तान में अगस्त के बाद आम चुनाव होने हैं। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान मध्यावधि चुनाव की मांग कर रहे हैं। विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री आबिद हसन ने कहा कि हम रास्ते के अंत में हैं। सरकार को इन (आईएमएफ) मांगों को पूरा करने के लिए जनता के लिए राजनीतिक मामला बनाना होगा। यदि वे नहीं करते हैं, तो देश निश्चित रूप से डिफॉल्ट होगा, और हम श्रीलंका की तरह समाप्त हो जाएंगे, जो कि और भी बुरा होगा। श्रीलंका ने पिछले साल अपने ऋण पर चूक की और भोजन और ईंधन की कमी के महीनों को सहन किया, जिसने विरोध को भड़का दिया, अंततः देश के नेता को विदेश भागने और इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया।

पाकिस्तान इन दिनों सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। महंगाई यहां चरम पर पहुंच चुकी है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें भी ऐतिहासिक स्तर को पार कर गई हैं। वहीं, आईएमएफ कार्यक्रम को पटरी पर लाने के लिए पाकिस्तान द्वारा एक्सचेंज कैप हटाने के कारण पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। 261.17 पाकिस्तानी रुपये की कीमत एक डॉलर हो चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

प्रसिद्ध हिंदू मंदिर पर लिखे भारत विरोधी नारे, भारत ने कनाडा सरकार से जताई नाराजगी

टोरंटो । कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में स्थित प्रसिद्ध हिंदू मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखने का मामला सामने आया है, जिससे कनाडा में रहने वाले भारतीय समुदाय में गहरी नाराजगी है। इस पर टोरंटो में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने ब्रैम्पटन के प्रसिद्ध गौरी शंकर मंदिर में तोड़फोड़ और मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखने वाली घटना की निंदा की और एक बयान जारी कर कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में भारतीय समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। हमने कनाडा सरकार के अधिकारियों के सामने ऐसी घटनाओं पर अपनी चिंता जाहिर की है। कनाडा के अधिकारी फिलहाल इस घटना की जांच कर रहे हैं। बता दें कि कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले की यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले बीते साल जुलाई में भी कनाडा में इस तरह के कई मामले सामने आए थे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी बीते साल सितंबर में बयान जारी कर इन घटनाओं पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी और कहा था कि भारतीयों के खिलाफ घृणा अपराध और कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में तेजी आई है। भारत ने कनाडा सरकार से इन घटनाओं की ठीक से जांच करने की मांग की थी। कनाडा के नेशनल स्टेटिक्स ऑफिस की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में साल 2019 से लेकर 2021 के बीच धर्म, लैंगिक पहचान और नस्ल को लेकर घृणा अपराध के मामले 72 फीसदी बढ़े हैं। इससे अल्पसंख्यकों में डर का माहौल है। खासकर भारतीय समुदाय का इस पर ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है। बता दें कि कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की तादाद करीब चार फीसदी है और यह कनाडा में तेजी से विकास करने वाला समूह है।

अमेरिका के फ्लोरिडा में फायरिंगः बिना गाड़ी रोके ताबड़तोड़ गोलियां चलाते रहे हमलावर, 10 लोग घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में सोमवार दोपहर हुई फायरिंग में 10 लोग घायल हुए हैं। घटना फ्लोरिडा के लेक लैंड इलाके में हुई। पुलिस चीफ सैम टेलर के मुताबिक, हमलावर एक डार्क ब्लू कार में आए थे। घटनास्थल पर पहुंचते ही उन्होंने गाड़ी के चारों शीशे खोले और ताबड़तोड़ गोलियों चलाने लगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना के बाद से पुलिस गाड़ी की तलाश में जुटी है। पुलिस का मानना है कि ये फायरिंग कुछ लोगों को टारगेट पर रख कर की गई थी। केवल तीन लोगों को ही इमरजेंसी सर्विसेज ने अस्पताल में भर्ती कराया है। इनकी उम्र 20 से 35 साल के बीच है। हमलावर काफी तेजी से गाड़ी चला रहे थे, उन्होंने घटनास्थल पर भी गाड़ी नहीं रोकी। हमलावरों ने केवल स्पीड कम की और फायरिंग करना शुरू कर दिया। जिन लोगों की हालात गंभीर है उन्हें पेट और चेहरे पर गोलियां लगी हैं। फायरिंग से केवल एक मिनट पहले वहां स्कूल बस ने बच्चों को उतारा था। अगर घटना कुछ समय पहले होती तो उसमें बच्चों की जान को भी खतरा था। पुलिस चीफ टेलर ने बताया कि वो सारी रात हमलावरों की गाड़ी की तलाश करेंगे। पुलिस ने बताया है कि घटनास्थल से काफी मात्रा में गांजा भी बरामद किया गया है। जिससे लग रहा है कि गोलीबारी के दौरान वहां गांजा बेचा जा रहा था।

इमरान खान के करीबी फवाद चौधरी को अदालत ने जेल भेजा, पुलिस हिरासत की मांग खारिज

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद की एक अदालत ने सोमवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी को एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ कथित तौर पर हिंसा भड़काने के एक मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पीटीआई पार्टी के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी 52 वर्षीय चौधरी को पिछले हफ्ते इस्लामाबाद के कोहसर पुलिस थाने में पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) के शीर्ष अधिकारियों को धमकी देने का मामला दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। जांच के लिए पुलिस को दी गई उनकी दूसरी दो दिन की रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद चौधरी को न्यायिक मजिस्ट्रेट वकास अहमद राजा के समक्ष पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने तीसरी बार रिमांड बढ़ाने की पुलिस की याचिका खारिज कर दी। सूचना और प्रसारण के लिए एक पूर्व संघीय मंत्री चौधरी ईसीपी के सदस्यों को सार्वजनिक रूप से धमकी देने के लिए राजद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं। चौधरी के वकील फैसल चौधरी ने सुनवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए रिमांड नहीं बढ़ाने के लिए अदालत को धन्यवाद दिया ।

पेशावर मस्जिद में आत्मघाती हमले में अब तक 90 की मौत, टीटीपी ने ली जिम्मेदारी

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर में सोमवार को हुए धमाके में मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को यहां से और लाशें बरामद की गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि अब तक मृतकों की संख्या बढ़कर 90 पहुंच गई है। जबकि, एक दिन पहले 61 शव बरामद किए गए थे, वहीं 150 से अधिक अन्य घायल हो गये। सुरक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट दोपहर एक बजकर करीब 40 मिनट पर पुलिस लाइन इलाके के पास उस वक्त हुआ, जब नमाजी जुहर (दोपहर) की नमाज पढ़े रहे थे। तभी अगली पंक्ति में बैठे आत्मघाती हमलावर ने विस्फोट कर खुद को उड़ा लिया। नमाजियों में पुलिस, सेना और बम निष्क्रिय दस्ते के कर्मी थे। राजधानी शहर पुलिस अधिकारी (सीसीपीओ), पेशावर मोहम्मद एजाज खान ने सोमवार को कहा था कि विस्फोट में 61 लोगों की मौत हुई। लेडी रीडिंग अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में कम से कम पांच उप-निरीक्षक और मस्जिद के इमाम मौलाना साहिबजादा नूरुल अमीन शामिल हैं।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने ली जिम्मेदारी

पाकिस्तान के पेशावर शहर के अति सुरक्षित क्षेत्र में स्थित एक मस्जिद में आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है। टीटीपी के मारे गए कमांडर उमर खालिद खुरासानी के भाई ने दावा किया कि आत्मघाती हमला उसके भाई की मौत का बदला लेने के लिए किया गया जो पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान में मारा गया था। पाकिस्तान तालिबान के नाम से जाने वाले टीटीपी ने इससे पहले भी पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए कई आत्मघाती हमले किए हैं। पेशावर के पुलिस अधीक्षक (जांच) शाजाद कौकब ने मीडिया को बताया कि नमाज अदा करने के लिए वह मस्जिद में घुसे ही थे कि विस्फोट हो गया। वह सौभाग्यशाली थे कि हमले में बच गए। कौकब का दफ्तर मस्जिद के करीब ही है। पुलिस लाइन स्थित मस्जिद चार स्तरीय सुरक्षा घेरे में थी। इन सभी सुरक्षा घेरे को भेदते हुए हमलावर मस्जिद में घुसने में सफल रहा और अग्रिम पंक्ति में पहुंच गया।

जांच में जुटी पुलिस

पेशावर के पुलिस महानिरीक्षक मुअज्जम जाह अंसारी ने कहा है कि पुलिस विस्फोट की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि बम हमलावर इस अति सुरक्षा वाली मस्जिद में कैसे घुसा। उन्होंने आशंका प्रकट की कि धमाके से पहले बम हमलावर पुलिस लाइंस में रह रहा होगा क्योंकि पुलिस लाइंस के अंदर 'फैमिली क्वार्टर्स' भी हैं। पेशावर पुलिस, आतंकवाद निरोधक विभाग, फ्रंटियर रिजर्व पुलिस, इलीट फोर्स एवं संचार विभाग के मुख्यालय भी इसी विस्फोट स्थल के आसपास हैं।

धमाके के समय इलाके में 300-400 पुलिस अधिकारी मौजूद थे

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट से मस्जिद का एक हिस्सा ढह गया और माना जाता है कि कई लोग उसके मलबे के नीचे दबे हैं। उनके अनुसार बम हमलावर पुलिस लाइंस के अंदर, चार स्तरीय सुरक्षा वाली मस्जिद में घुस गया। कैपिटल सिटी पुलिस अफसर (पेशावर) मुहम्मद इजाज खान का हवाला देते हुए खबर दी कि कई जवान मलबे के नीचे दबे हैं तथा बचावकर्मी उन्हें बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। धमाके के समय इलाके में 300-400 पुलिस अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि सुरक्षा चूक हुई है। बचाव अभियान के प्रभारी बिलाल फैजी ने कहा कि फिलहाल हमारा ध्यान बचाव अभियान पर है। हमारी पहली प्राथमिकता मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना है।

पीएम शरीफ बोले- लोगों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान समेत विभिन्न नेताओं ने हमले की निंदा की है। शहबाज ने कहा कि हमलावरों का इस्लाम से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी उन लोगों को निशाना बनाकर डर पैदा करना चाहते हैं जो पाकिस्तान की रक्षा करने का कर्तव्य निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट में मारे गए लोगों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि समूचा राष्ट्र आतंकवाद की इस बुराई के विरूद्ध लड़ाई में एकजुट है। उन्होंने यह भी कहा कि अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कानून-व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए व्यापक रणनीति अपनाई जाएगी। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी कहा कि स्थानीय और आम चुनाव से पहले आतंकवादी घटनाओं का साफ मतलब है। खैबर पख्तून के गवर्नर हाजी गुलाम अली ने विस्फोट की निंदा की और लोगों से घायलों के वास्ते रक्तदान करने की अपील की।

13 घंटे तक हवा में घूमता रहा एमिरेट्स का विमान, फिर वहीं लैंड किया जहां से भरी थी उड़ान

दुबई।

न्यूजीलैंड जाने वाली एमिरेट्स फ्लाइट ने यात्रियों को लेकर शुक्रवार सुबह दुबई से उड़ान भरी, लेकिन 13 घंटे से अधिक समय तक हवा में उड़ान भरने के बाद विमान एक असामान्य घटना की वजह से वापस उसी हवाई अड्डे पर लैंड किया। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, एमिरेट्स फ्लाइट ईके448 ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10:30 बजे उड़ान भरी। फ्लाइटअवेयर के अनुसार, पायलट ने लगभग 9,000 मील की यात्रा के आधे रास्ते में ही यू-टर्न ले लिया। विमान आखिरकार शनिवार की आधी रात वापस दुबई में उतरा।

ऐसा ऑकलैंड हवाई अड्डे पर भयंकर बाढ़ के कारण हुआ। बाढ़ के परिणामस्वरूप सप्ताहांत में हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया था। ऑकलैंड हवाई अड्डे के अधिकारियों ने ट्विटर पर कहा कि यह बेहद निराशाजनक है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऑकलैंड हवाई अड्डा हमारे अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के नुकसान का आकलन कर रहा है और दुर्भाग्य से यह निर्धारित किया गया है कि आज कोई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित नहीं हो सकती हैं। हम जानते हैं कि यह बेहद निराशाजनक है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि 29 जनवरी को सुबह पांच बजे तक कोई अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान नहीं हो सकता। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने कहा कि 29 जनवरी रविवार सुबह 7 बजे तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्री का ऑकलैंड हवाई अड्डे पर आगमन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के अनुसार हवाई अड्डे में पानी भर जाने के बाद रविवार को हवाई अड्डे पर परिचालन फिर से शुरू हो गया। लगातार बारिश के कारण यात्रियों को हवाई अड्डे पर पानी के बीच से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऑकलैंड में शुक्रवार को रिकॉर्ड बारिश के साथ सबसे खराब स्थिति देखी गई। न्यूजीलैंड के सबसे बड़े शहर में आपातकाल की स्थिति जारी है क्योंकि इस सप्ताह और भारी बारिश होने की संभावना है। भीषण बाढ़ की वजह से चार लोगों की मौत हो गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो में दिखाया गया है कि निवासी कमर तक पानी में फंसे हुए हैं और नाव के जरिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

अमेरिका में कोविड पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी खत्म करने की तैयारी, तीन साल से थी लागू

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के बाइडेन प्रशासन ने देश में लागू कोविड पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी और नेशनल इमरजेंसी को खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सरकार ने ऐलान किया है कि 11 मई से देश में ये दोनों इमरजेंसी खत्म कर दी जाएंगी। कोरोना महामारी का सामना करने के लिए जनवरी 2020 में तत्कालीन ट्रंप सरकार ने अमेरिका में ये इमरजेंसी लागू की थी। बता दें कि हाउस ऑफ रिपब्लिकन लेजिस्लेशन ने मांग की थी कि कोविड इमरजेंसी तुरंत खत्म की जाए लेकिन विपक्ष की मांग ना मानते हुए सरकार ने इमरजेंसी खत्म करने की तारीख 11 मई तय की है। अमेरिका के हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज डिपार्टमेंट ने वादा किया है कि वह राज्यों को इमरजेंसी खत्म होने से 60 दिन पहले नोटिस देगा, जिससे राज्य अपने हेल्थ केयर सिस्टम को फिर से तैयार कर लें। बता दें कि अमेरिका में कोविड इमरजेंसी लागू होने के बाद हर 90 दिनों पर उसे बढ़ाया जा रहा था। इस तरह जैसे अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट का असर दिख रहा था, वैसे ही हेल्थ इमरजेंसी को विस्तार दिया जा रहा

था। अब जब अमेरिका में कोविड के हालात सामान्य हैं और स्थिति नियंत्रण में है तो अमेरिका सरकार ने इमरजेंसी खत्म करने का फैसला किया है। सरकार ने इमरजेंसी को मई में खत्म करने के पीछे का तर्क बताते हुए कहा कि इससे अस्पतालों को समय मिल जाएगा कि वह अपने पेमेंट्स आदि को क्लीयर कर लें। बयान में कहा गया है कि अगर तुरंत इमरजेंसी खत्म कर दी जाती तो इससे कई अस्पतालों को नुकसान उठाना पड़ता। व्हाइट हाउस अब अमेरिका में कोरोना वैक्सीन को निजी सेक्टर को सौंपने की तैयारी कर रहा है। अभी तक वैक्सीन का खर्च सरकार द्वारा उठाया जा रहा था लेकिन अब मॉडर्ना और फाइजर जैसी वैक्सीन के लिए लोगों को 130 डॉलर प्रति वैक्सीन की दर से खर्च करने पड़ सकते हैं।

भारतीय दूतावास में एनएसए अजीत डोवाल का हुआ खास स्वागत, अमेरिकी जनरल के साथ हुई अहम बैठक

वॉशिंगटन । भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल अमेरिका के दौरे पर हैं। वहां भारतीय दूतावास में उनका खास स्वागत किया गया। वॉशिंगटन में स्थित भारतीय दूतावास में हुए कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन, यूएस सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स जिना रेमोंडो और दोनों देशों के कई सीईओ और प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रमुख शामिल हुए। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। अजीत डोवाल और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और अहम और उभरती हुई तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

यूक्रेन को नहीं मिलेंगे F-16 फाइटर: बाइडेन नहीं मानें, जंग का रुख बदलने के लिए जेलेंस्की के मंत्री ने की थी मांग

कीव।

रूस से लड़ने के लिए अमेरिका अपने स्न-16 फाइटर जेट्स यूक्रेन को नहीं देगा। सोमवार यानी 30 जनवरी को एक प्रेस कांफ्रेंस में बाइडेन ने यूक्रेन की मांग को खारिज कर दिया है। एक रिपोर्टर ने बाइडेन से पूछा था कि क्या वो यूक्रेन को F-16 जेट्स देंगे, जिसके जवाब में उन्होंने सीधे ना कह दिया। बाइडेन से पहले जर्मनी ने भी अपने फाइटर जेट्स यूक्रेन भेजने से साफ इनकार कर दिया था। यूक्रेन को इस फैसले सेकाफी निराशा हो सकती है। दरअसल पिछले हफ्ते लेपर्ड टैंक मिलने के बाद यूक्रेन के डिफेंस मिनिस्टर

ने फाइटर जेट्स की मांग की थी। उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ मिलकर एक फाइटर जेट गठबंधन बनाने को कहा था, ताकि जंग का रुख बदला जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक फाल्कन को दुनिया के भरोसेमंद फाइटर जेट्स में से एक माना जाता है। अमेरिका के अलावा बेल्जियम और पाकिस्तान भी इनका काफी ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगर यूक्रेन को ये फाइटर जेट्स मिलते तो यकीनन उन्हें जंग में फायदा होता। दरअसल यूक्रेन अभी भी लगभग 30 साल पुराने सोवियत इरा के दौरान बने फाइटर जेट्स का इस्तेमाल कर रहा है, जो जंग में ज्यादा कारगर साबित नहीं हो पाए हैं। जर्मनी के चांसलर ने फाइटर जेट्स की मांग को गलत कहा

इसमें उन्होंने कहा था कि टैंक्स की मांग स्वीकार होने के तुरंत बाद यूक्रेन का फाइटर जेट्स मांगना गलत है।उन्होंने कहा रूस से जंग सिर्फ यूक्रेन लड़ रहा है नाटो नहीं, हम हथियार भेजकर युद्ध के दायरे को और नहीं बढ़ा सकते हैं। यूक्रेन को काफी भरोसा था कि उन्हें फाइटर प्लेन मिल जाएंगे। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले हफ्ते डिफेंस मिनिस्टर के एडवाइजर ने यह तक कह दिया था कि वो परमाणु छोड़कर अमेरिका और पश्चिमी देशों से कोई भी हथियार हासिल कर सकते हैं।

एआई और मानव रहित हथियारों से लैस हो पीएलए, 2027 तक पूरी तरह स्वचालित और कंप्यूटरीकृत होने पर फोकस

बीजिंग।

पीएलए चीनी सेना (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी - पीएलए) मानव रहित हथियारों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाने का लक्ष्य साथ लेकर आगे बढ़ रही है। द सिंगापुर पोस्ट की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन का लक्ष्य पीएलए के सैन्य आधुनिकीकरण को एक ऐसे चरण में लाना है, जहां यह 2027 तक पूरी तरह से स्वचालित और कंप्यूटरीकृत हो। बता दें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 16 अक्तूबर 2022 को कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में 19वीं केंद्रीय समिति की ओर से एक रिपोर्ट पेश की थी। बताया गया है कि इसमें एक महत्वपूर्ण बिंदु पीएलए के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल के संबंध में भी था। रिपोर्ट में कहा गया है कि शी ने पीएलए को तेजी से एक विश्व स्तरीय सेना बनाना वक्त की मांग बताया। उन्होंने मशीनीकरण, सूचनाकरण और स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर पीएलए के एकीकृत विकास को गति देने का संकल्प

भी जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएलए में कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशन, कंप्यूटर, इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही के लिए चीन सी4-आईएसआर पर फोकस करेगा। चीनी सेना का मकसद सिमिट्रिक, एसिमेट्रिक और साइबर स्पेस वारफेयर के लिए तैयार रहना है। इसके लिए चीनी सेना रॉकेट फोर्स पूरी तरह से रिमोट सेंसिंग, टारगेट आइडेंटिफिकेशन और डिसीजन सपोर्ट तैयार करना चाहती है।

निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन

2027 तक अपना लक्ष्य पाने के लिए पीएलए ने सभी सैन्य सेवाओं में बड़ी संख्या में रोबोटिक और मानवरहित सिस्टम और सटीक मार्गदर्शन वाली उन्नत मिसाइलें लगाई हैं। वह रसद उद्देश्यों के लिए मानव रहित वाहनों पर काम कर रही है, जबकि नौसेना मानव रहित सतह जहाजों और पनडुब्बियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उधर, चीनी एयरफोर्स मानव रहित सिस्टम पर काम कर रही है। इसके लिए पीएलए रणनीतिक बल निजी क्षेत्र की कंपनियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें भारी सब्सिडी भी दे रहा है।

चीन को आधुनिक चिप से रोकने के लिए जापान-नीदरलैंड का अमेरिका से करार

जापान और नीदरलैंड ने आधुनिक कंप्यूटर चिप बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री हासिल करने से चीन को रोकने के लिए अमेरिका के साथ एक समझौता किया है। समझौते की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि फिलहाल इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। बाइडन प्रशासन ने आधुनिक चिप हासिल करने से चीन को रोकने के लिए अक्तूबर में निर्यात नियंत्रण लागू किया था। चीन ने इस पर आक्रामक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि व्यापार पाबंदियों से आपूर्ति श्रृंखला तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था की बहाली बाधित होगी।

रूसी समूह की मदद के बाद चीनी फर्म पर अमेरिकी पाबंदी

अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन में रूस के वैगनर समूह को उपग्रह इमेजनरी ऑर्डर भेजने के बाद अमेरिका ने एक चीनी कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी वित्त और विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की पुष्टि की है। वित्तर मंत्री जेनेट येलेन ने कहा, चूंकि हमारे अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की रूस पर पाबंदी और निर्यात नियंत्रण जारी हैं इसलिए क्रेमलिन हथियारों के तेजी विस्तार में चीनी मदद ले रहा है। वैगनर ग्रुप एक रूसी निजी सैन्य कंपनी है जिसकी मदद चीन की चांग्शा तियांयी स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट कंपनी लिमिटेड कर रही है। इस पर पाबंदी लगा दी गई है।

पुतिन ने मोहम्मद बिन सलमान से की फोन पर बात, ओपेक प्लस बैठक से पहले अहम चर्चा

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ टेलीफोन पर बातचीत। रूसी राष्ट्रपति की वेबसाइट के अनुसार ओपेक प्लस समूह के सहयोग पर चर्चा की। कहा, राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के विकास के साथ-साथ वैश्विक तेल बाजार की स्थिरता प्रदान करने के लिए ओपेक प्लस समूह के भीतर सहयोग पर चर्चा की गई। रूस के नेतृत्व में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगियों की बैठक इस सप्ताह होने वाली है। वैश्विक सदस्य तेल की कीमतों और नीतियों पर समन्वय और स्थिरता की तलाश करेंगे। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट और ब्रेंट क्रूड सोमवार दोपहर ईटी में 1 फीसदी से ज्यादा नीचे थे।

राठौड़ के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर हंगामा

अध्यक्ष बोले-मेरे अधिकार को चैलेंज नहीं कर सकते

जयपुर (हिंस)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने के मुद्दे पर मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में खूब हंगामा हुआ। राठौड़ और विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी में तनातनी हुई। करीब 20 मिनट तक सदन में हंगामा होता रहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समर्थक विधायकों के 25 सितंबर को दिए गए इस्तीफों के मुद्दे को राठौड़ हाईकोर्ट ले गए थे। इसी बात पर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया गया था। सीएम के सलाहकार और सिरोही से निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने राठौड़ के खिलाफ सदन में विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया। विधानसभा स्पीकर ने संयम लोढ़ा को विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति दी। इसका राठौड़ ने विरोध किया। इसी मुद्दे पर तनातनी हुई। विशेषाधिकार हनन पर अब बाद में फैसला होगा। संयम लोढ़ा ने कहा कि हाईकोर्ट विधानसभा को कैसे डिक्टेट कर सकता है? संयम लोढ़ा को जैसे ही स्पीकर ने बोलने की अनुमति दी। उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने विरोध किया। स्पीकर सीपी जोशी ने कहा कि आप मेरे अधिकार को चैलेंज नहीं कर सकते। हाउस नियमों से चलता है और आप वरिष्ठ हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपके हिसाब से सदन चलाया जाए। आप मुझे डिक्टेट नहीं कर सकते। राठौड़ ने विधानसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों का हवाला दिया तो जोशी ने कहा कि नियम 157 के तहत विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का पूरा प्रोसेस दिया हुआ है। मुझे अधिकार है कि मैं इन नियमों के तहत बोलने की अनुमति दे सकता हूं। इन्हीं नियमों के तहत मैंने संयम लोढ़ा को बोलने की अनुमति दी है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि आप सीधे ही विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाने की अनुमति दे रहे हैं। इस पर हमें भी बोलने का मौका मिलना चाहिए। नियम 160 और 161 को भी देखिए। राठौड़ ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया पर नियम कॉट करने की बात कही तो उन्हें टोकते हुए जोशी ने कहा कि मंजूरी नहीं दे सकते। आप सत्तापक्ष की अंदरूनी लड़ाई को ऐसा करके ढंक नहीं सकते। 13 फरवरी को हाईकोर्ट में फैसला आने वाला है और आप विशेषाधिकार पर टुकड़ों में फैसला करके क्या साबित करना चाहते हैं? विशेषाधिकार हनन पर टुकड़ों में फैसला नहीं कर सकते, यह करके आप सत्तारूढ पार्टी के भीतरी संघर्ष को नहीं ढंक सकते। राठौड़ ने जब नियमों का हवाला दिया तो स्पीकर जोशी ने कहा कि मैं अनपढ़ नहीं हूं, मैं सारे नियम जानता हूं। इन नियमों के हिसाब से ही सदन चलेगा। आपके कहने से सदन नहीं चलेगा। राठौड़ ने नियम 161 का हवाला दिया तो स्पीकर ने कहा कि कंगारू जंपिंग से काम नहीं चलता, पहले नियम 160 को देखिए, मैं इसे पढ़ देता हूं। मिस्टर राठौड़ हॉफ लिटरेट होने से काम नहीं चलता, पूरा पढ़ना होता है। जोशी ने कहा कि मुझे पूरा अधिकार है। नियम 160 में भी प्रावधान है कि मैं विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव की अनुमति दे सकता हूं। इसके बाद आपको आपत्ति है तो आपको बोलने की अनुमति होगी। आज तो हम बहस करवा नहीं रहे हैं। इसका पूरा प्रोसेस है, उसे तो अभी कहां अपनाया जा रहा है। मैंने केवल बोलने का मौका दिया है। आपको आपत्ति है तो आपको भी बहस के वक्त बोलने का मौका दिया जाएगा, लेकिन अभी नहीं। उन्होंने कहा कि अभी लोगों को पता नहीं है कि विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव कैसे लाया जाता है। राठौड़ कहते हैं कि वैसे विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव नहीं आता है। इसलिए मैंने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को अनुमति दी है, इस पर आगे बहस होगी। सबको बोलने का वक्त मिलेगा। निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने सदन में कहा कि क्या इस सदन में बैठकर हम लोग अपने ही सदन को कमजोर करने का काम करेंगे? क्या राजस्थान हाईकोर्ट विधानसभा को डिक्टेट करेगा? क्या विधानसभा में हमारे सवाल का जवाब नहीं आएगा तो क्या हाईकोर्ट जाएंगे? हाईकोर्ट में किसी मामले का फैसला नहीं हो तो क्या विधानसभा कहेगी कि फैसला कीजिए? विधानसभा जब यह नहीं कह सकती तो हाईकोर्ट इस विधानसभा को कैसे डिक्टेट कर सकता है? राजेंद्र राठौड़ के आचरण ने सदन को अपमानित किया।

आंदोलनकारी सरपंचों ने पैनी की विरोध की धार

हिसार (हिंस)। राइट टू रिकॉल व ई-टेंडरिंग के खिलाफ तथा पंचायतों को पूरे अधिकार दिए जाने की मांग पर सरपंचों ने अपने आंदोलन की धार और पैनी कर दी है। सरपंचों ने ऐलान कर दिया है कि अब गांवों में जाने पर सरकार के सांसदों, विधायकों व मंत्रियों का विरोध किया जाएगा। इसी बीच हिसार के खंड विकास कार्यालय में मंगलवार को सरपंचों का धरना 15वें दिन भी जारी रहा। अध्यक्षता हिसार सरपंच एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष व प्रधान आजाद सिंह हिंदुस्तानी एवं गंगवा सरपंच भगवान दास ने की।

पास्टर बलजिंदर और हरप्रीत देओल के ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी

जालंधर। पंजाब में पास्टर बलजिंदर और पास्टर हरप्रीत देओल के ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी हुई। वहीं जालंधर के ताजपुर में भी छापेमारी की सूचना मिली है। हीं विजिलेंस ब्यूरो की टीम मंगलवार की सुबह पूर्व डिप्टी सीएम ओम प्रकाश सोनी के होटल सरोवर पैट्रियोट में जांच के लिए पहुंची हैद्य पूर्व डिप्टी सीएम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में विजिलेंस ब्यूरो में शिकायत विचाराधीन हैद्य इससे पहले सोमवार की सुबह चंडीगढ़ विजिलेंस ने पूर्व डिप्टी सीएम के निर्माणाधीन फार्म हाउस पर दबिश देकर उसका मूल्यांकन किया थाद्य बता दे पूर्व डिप्टी सीएम की संपत्ति का मूल्यांकन विजिलेंस ब्यूरो ने शुरू कर दिया है।

जम्मू में गणतंत्र दिवस के अवसर पर बहु फोर्ट डेवलपमेंट कमिटी के चेयरमैन बलदेव राज नरगोत्र वरिष्ठ नागरिकों के साथ तिरंगा फहराते हुए। फोटो : जम्मू संवाददाता

आंकडों में उलझे श्रम राज्य मंत्री, स्पीकर ने दी सीख

जयपुर (हिंस)। विधानसभा में मंगलवार को श्रमिक कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को लेकर किए गए सवाल के जवाब में श्रम राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई उलझते दिखाई दिए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विधानसभा अध्यक्ष भी नाराज दिखे। उन्होंने मंत्री से इस मामले में अधिकारियों पर कार्रवाई करने और सवाल के जवाब तैयार कर विधानसभा में आने की हिदायत दी। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान अमृतलाल मीणा ने अपने सवाल के जवाब पर सरकार से सवाल उठाते हुए कहा कि 12,331 लोगों को पेमेंट कैसे हुए, जब फार्म ही 12,104 थे। विधायक ने कहा कि इसका जवाब दें कि क्या मंत्री के खाते से ये पैसा दिए गए, इसपर मंत्री सुखराम बिश्नोई एकदम से सकपका गए। इस मामले में गलत जवाब आने पर स्पीकर डॉ. सीपी जोशी भी मंत्री पर नाराज हो। उन्होंने कहा कि प्रश्न आता है तो सेक्रेटरी लेवल और मंत्री लेवल सहित कई स्तरों पर स्क्रूटनी होता है। विधायक का प्रश्न वाजिब है आपने कहा कि हमने 12331 को पेमेंट किया गया है. जबकि फार्म 12,104 थे। साथ ही स्पीकर ने मंत्री से पूछा कि क्या अब इसकी कोई स्टडी हो रही है या नहीं? जिस पर मंत्री ने कहा कि जानकारी लेंगे और फिर जवाब देने वाले अधिकारी को नोटिस देंगे। इसपर स्पीकर ने कहा कि वो सरकार के मंत्रियों को कहना चाहता हैं कि कि गैर जिम्मेदारी से प्रश्न का उत्तर आना हम सब के लिए चिंता का विषय है। सरकार से अपेक्षा की जाती है कि सदन में जो जवाब आए वह जवाब मंत्री पूरी जांच करके दें, वरना सदन की गरिमा समाप्त हो जाएगी। स्पीकर के निर्देशों के दौरान मंत्री विश्नोई ऑफिसर गैलरी में अधिकारियों से बात करते दिखे। इस पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मंत्री ऑफिसर गैलरी की तरफ देख कर बात कर रहे हैं। तब नाराज स्पीकर ने मंत्री को संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की भी बात कही। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह सदन है, यहां तमाशा नहीं जनता के हित के विषयों पर चर्चा होती है। हालांकि, जब संबंधित मंत्री इस पर बोलने लगे तो स्पीकर जोशी खड़े हो गए और उन्होंने कहा कि इस जवाब पर आप और ज्यादा समस्या न बढ़ाएं। यह एक गंभीर प्रश्न है और मैं अपेक्षा करता हूं आप इस संबंध में सचिव से जानकारी लेकर आगे सदन में अपनी बात रखेंगे। इससे पूर्व श्रम राज्य मंत्री विश्नोई ने विधायक अमृत लाल मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि राज्य में पंजीकृत श्रमिकों को प्रदेश में श्रमिक कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाता है। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के लिए प्रदेश में ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है, जिसके तहत श्रमिक स्वयं अथवा निकट के ई-मित्र केन्द्र के माध्यम से पंजीयन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जेकेएस परीक्षा में 19वीं रैंक हासिल करने वाली महक महाजन सम्मानित

जम्मू। अयोध्या गुप्ता की अध्यक्षता में शेर ए दुग्गर लाला हंस राज महाजन सभा तालाब तिल्लो ने महाजन समुदाय के सदस्य महक महाजन पुत्री नेहा और रवि महाजन निवासी बख्शी नगर जम्मू को सम्मानित करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया, जिन्होंने हाल ही में 19 वीं रैंक हासिल की है। जेकेएएस परीक्षा की घोषणा की। राजिंदर गुप्ता, वी अध्यक्ष, तरसेम गुप्ता, राजन गुप्ता, भूपिंदर गुप्ता, बृजेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, लाडी गुप्ता, विकास गुप्ता, रॉकी गुप्ता, दविंदर गुप्ता, पुरुषोत्तम गुप्ता, अमित गुप्ता, शांतिसरूप गुप्ता और समुदाय के अन्य सदस्य इस मौके पर भी मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए अयोध्या ने महक की उपलब्धि की प्रशंसा की और उन्हें आम आदमी के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ईमानदारी और निरंतर समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने महक के माता-पिता और उसके शिक्षकों को भी बधाई दी जिन्होंने उसे जेकेएएस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित और प्रेरित किया। उन्होंने महक को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। महक महाजन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया और कहा कि उनकी सफलता परिवार, शिक्षकों और दोस्तों से मिले समर्थन और प्यार का परिणाम है।

सरहद पर बीएसएफ ने पकड़ी तीन किलो हेरोइन, 15 करोड़ रुपए आंकी गई कीमत

ममदोट (फिरोजपुर)। पंजाब के फिरोजपुर में ममदोट क्षेत्र में सरहद पर गश्त कर रहे जवानों ने आईबी के पास भारतीय क्षेत्र में पाक तस्करों के पांव के निशान देख सर्च आपरेशन चलाया। बीएसएफ को हेरोइन के तीन पैकेट मिले हैं, जिनका वजन तीन किलो और कीमत पंद्रह करोड़ रुपए आंकी गई है। भारतीय तस्करों की बताई जगह पर रात के समय घनी धुंध की आड़ में पाक तस्कर भारतीय सीमा के खेतों में हेरोइन रख कर चले गए थे। यह घटना सोमवार रात सीमांत गांव दोना तेलू मल स्थित चेक पोस्ट मब्बो के पास घटी है। बीएसएफ बटालियन-136 के जवान सरहद पर लगी फेंसिंग के साथ-साथ गश्त कर रहे थे। रात के अंधेरे व धुंध में पाक तस्करों की गतिविधियां महसूस की गई थी। मंगलवार सुबह आईबी पर गश्त करते समय जवानों ने पाक तस्करों के पांव के निशान भारतीय क्षेत्र में देखे। इसके बाद जवानों ने सर्च आपरेशन शुरू किया। गांव दोना तेलु मल स्थित बीएसएफ की चेक पोस्ट मब्बो के पास गेहूं के खेत में एक सफेद रंग का प्लास्टिक का लिफाफा मिला। इसमें पीले रंग की टेप से लिपटे तीन पैकेट मिले, इनमें तीन किलो हेरोइन थी। उक्त हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में पंद्रह करोड़ रुपए कीमत आंकी गई है। जिस किसान के खेत से हेरोइन के पैकेट मिले हैं, उससे बीएसएफ अपने स्तर पर पूछताछ कर रही है।

अजमेर डेयरी ने दूध खरीद मूल्य बढ़ाया

अजमेर (हिंस)। अजमेर डेयरी जिले भर के दुग्ध उत्पादकों को राहत देने के लिए दूध के खरीद मूल्य में 1 फरवरी से प्रति फैट 20 पैसे की वृद्धि की है। इससे पशु पालकों को प्रति लीटर 1 रुपया 30 पैसे तक अधिक मिलेंगे। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के पांच रुपए प्रति लीटर अनुदान के शामिल करने के बाद पशु पालकों को औसतन 59 रुपए प्रति लीटर का भुगतान किया जाएगा। इतना ही नहीं एक मार्च से एक रुपया और एक अप्रैल से तीन रुपए प्रति लीटर की अतिरिक्त वृद्धि की भी घोषणा की गई है। यानी एक अप्रैल से जिले के पशुपालकों को औसतन 62 रुपए प्रति लीटर की दर से भुगतान किया जाएगा। अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने बताया कि पशुपालकों से दूध का यह खरीद मूल्य देश में सर्वाधिक है। यानी अजमेर डेयरी अपने दुग्ध उत्पादकों को देश में सर्वाधिक भुगतान कर रही है। अजमेर जिले में साठ हजार दुग्ध उत्पादक परिवार है।

100 एमिनेंट स्कूल बनाने की घोषणा पर पंजाब में शुरू हुआ विरोध

बीजेपी बोली : पहले अध्यापकों को परमानेंट करे सरकार

अमृतसर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व भगवंत मान की अगुआई में पंजाब सरकार द्वारा पंजाब भर में 100 एमिनेंट स्कूल बनाने की घोषणा का विरोध शुरू हो गया है। इस घोषणा के बाद पंजाब के कच्चे अध्यापकों का जख्म ताजा हो गया है और उन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया है। अध्यापकों का कहना है कि पंजाब में पहले ही अच्छे स्कूल बने हुए हैं, लेकिन सरकार नए स्कूल खोलने की बजाय पुराने स्कूलों पर अपनी मोहर लगाने जा रही है। डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट के प्रधान अश्वनी अवस्थी ने कहा कि बादल सरकार ने मेरिटोरियस और कैप्टन सरकार ने स्मार्ट स्कूल बनाए थे। अब मान सरकार एमिनेंट स्कूल बनाने की घोषणा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी ने न तो पंजाब के 14 हजार कच्चे अध्यापकों को पक्का करने पर ध्यान नहीं दिया और न ही अध्यापकों की कमी को पूरा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि असली भारत गांव में बसता है, लेकिन गांव के अध्यापकों को भत्ते तक नहीं दिए जा रहे है।

रोडवेज प्रबंधन ने नौ मृतक आश्रितों को दी अनुकंपा नियुक्ति

जयपुर (हिंस)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम प्रबन्धन द्वारा निगम के मृतक कर्मचारियों के 9 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई, जिनमें 2 परिचालक, 6 कनिष्ठ सहायक एवं एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों पर नियुक्ति दी गई है। रोडवेज के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि मानवीयता के आधार पर 9 मृतक आश्रितों को नियुक्ति दी गई है। मृतक रोडवेजकर्मियों के आश्रितों में 2 परिचालक, 6 कनिष्ठ सहायक, एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। डिडेल ने बताया कि जुलाई-2021 से अब तक कुल 482 मृतक आश्रितों को जिनमें 6 चालक, 132 परिचालक, 159 क. सहायक, 10 सहायक यातायात निरीक्षक, 26 आर्टिजन ग्रेड-III, एक संगणक, 5 उप भण्डार निरीक्षक एवं 143 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दी जा चुकीं है।

कन्या भ्रूण हत्या व लिंग जांच करने वालों की अब नहीं खैर

फरीदाबाद (हिंस)। गर्भ में कन्या भ्रूण हत्या हमारे समाज पर एक कलंक है और इसका जिला फरीदाबाद में जड़मूल से उन्मूलन करने के लिए प्रशासन और पुलिस, शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को जन प्रतिनिधियों को शामिल करके सयुक्त रूप से मिलकर सक्रियता से शिकायतों का गम्भीरता से क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह मंगलवार को जिला में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत भ्रूण हत्या और लिंग जांच को रोकने के लिए और आम जनता को जागरूक करने के लिए की जाने वाली विभिन्न गतिविधिओं की समीक्षा कर रहे थे। जिला उपायुक्त विक्रम ने डिप्टी सीएमओ डॉ. गजराज को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या व लिंग जांच करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें।वहीं एसीपी मुनेष सहगल को कहा कि पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारी मिल कर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। डीसी विक्रम ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में अवैध लिंग जांच में लिप्त अपराधियों को पकड़ने के लिए जन सामान्य की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुखबिर योजना लागू की गई है, इसके अंतर्गत गुप्त तरीके से इस सामाजिक कलंकित कार्य में लगे लोगों की सूचना लेकर रंगे हाथों पकड़ने के लिए

एक मुखबिर, एक मिथ्या ग्राहक, और एक सहायक की टीम मिलकर योजना बनाकर कार्य करना सुनिश्चित करें। वहीं गर्भवती महिलाओं को व उनके परिवारों को भ्रूण हत्या को रोकने बारे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जन प्रतिनिधियों को शामिल करके आम जन को भागीदार बनाकर जागरूक करें। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग गर्भवती महिलाओं की प्रभावी ट्रेकिंग एवं संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने की ओर विशेष कार्य योजना तैयार कर संबंधित क्षेत्र में नवाचार करें। अवैध लिंग जांच व पीएनडीटी नियमों की उलंधना करने वालें अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ जिला में सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाकर उन्हें ब्लैक लिस्ट करें। सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों को पीएनडीटी एक्ट के अनुसार सारी हिदायतें पूरी करनी सुनिश्चित करें। बैठक में एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बड़ल पंजक सेतिया, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद,एसीपी मुनेष सहगल, जिला शिक्षा अधिकारी मुनेष चौधरी, डिप्टी सीएमओ कम पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह, सीडीपीओ डाक्टर मंजु श्योरान सहित अन्य गणमान्य अधिकारी मौजूद थे।

No. EE-G/146//84/Pt.II/178-179/2296-2301

E- PROCUREMENT NOTICE / INVITATION FOR BID (IFB)

The Office of the Executive Engineer, Industries & Commerce Department, Assam, Industrial Estate, Bamunimaidan, Guwahati-21, invites Bid from eligible registered contractors (Up to date) for the following works ON TWO BID SYSTEM through e- procurement in the portal www.assamtenders.gov.in.

Sl. No.	Name of Project	Approx. Value of Work	Earnest Money (EMD)/ Bid Security		Time of Completion	Cost of Bid/Tender Processing Fees	Eligible Class of Contractor
1.	Construction of Road Side RCC Drain at Industrial Growth Centre, Lilabari, Lakhimpur,Gr.No.1 (One).	Rs. 1,67,99,400/-	Rs. 3,35,988/- for General Category & Rs.1,67,994/- for Reserved Category	To be deposited through Net banking or RTGS/NEFT as per office memorandum No.FEB.269/2017/27 Dtd.21/08/2019	365 Days	Rs.3,400/-	Under APWD (Bidg.) / Industries & Commerce Department.
2.	Construction of Approach & Internal Road with Paver Block including Construction of RCC Cross Culvert and Development of low lying area by earth filling at Industrial Growth Centre, Lilabari, Lakhimpur, Gr.No.II (One).	Rs. 1,46,53,555/-	Rs. 2,93,071/- for General Category & Rs. 1,46,536/- for Reserved Category	- Do-	365 Days	Rs.3,000/-	Under APWD (Roads) / Industries & Commerce Department.

NOTE:-

1. The Contractors / Bidders must be registered with the E-tendering system provider for participating in the bidding process. The Bidding document may be downloaded through the portal **www.assamtenders.gov.in** by using their own user ID.
2. Online submission of Technical & Financial Bid is mandatory. Manual submission (without online submission) of bid will be considered as non responsive and summarily rejected. Bidders are to submit the required papers for Technical Bid by scanning and uploading the same before the expiry of the sequence-'Bid Submission' in the activity schedule.
3. The bidders have to submit the Cost of Bid document (Tender Processing Fees) to be deposited through net banking or RTGS/NEFT as per office memorandum No.FEB.269/2017/27 Dtd.21/08/2019.
4. The Bid Security (EMD) have to be deposited through net banking or RTGS/NEFT as per office memorandum No.FEB.269/2017/27 Dtd.21/08/2019. Necessary videos uploaded for bidders related to online payment and it is available in the download section of e-procurement portal.
5. Online bid preparation and last date and time of manual submission of hard copy of Bid from **14.00** hours of **31 /01/2023 up to 14.00** hours of **20/02/2023**. Date & time of decrypt/opening of technical bid is at 15.00 hours of 20/02/2023.
6. The bid will be available through the link http/assamtenders.gov.in from 14.00 hours of 31/01/2023 up to 14.00 hours of **20/02/2023**.

Sd/-
Executive Engineer
Industries & Commerce Deptt.
Assam, Guwahati — 21

-- Janasanyog /C/19195/ 22

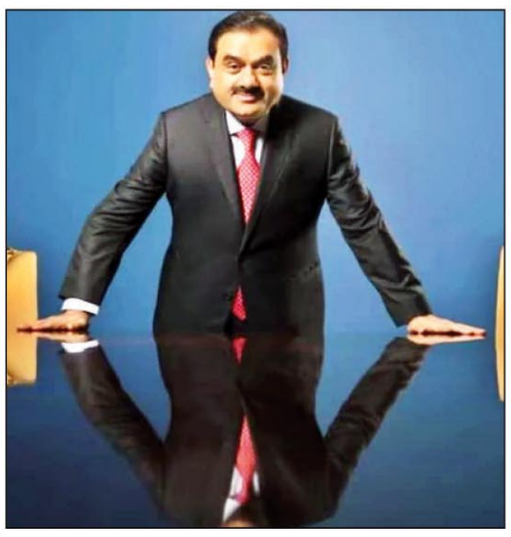

अडाणी टॉप टेन अमीरों की लिस्ट से बाहर : शेयरों में गिरावट से एक हफ्ते में 35.5 बिलियन डॉलर घटी नेटवर्थ, 84.4 बिलियन डॉलर पर आई

नई दिल्ली।
अडाणी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडाणी दुनिया के टॉप टेन अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, एक दिन में अडाणी को 8 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। 29 जनवरी को उनकी नेटवर्थ 92.7 बिलियन डॉलर थी, जो सोमवार को घटकर 84.4 बिलियन डॉलर पर आ गई। इससे अडाणी इंडेक्स में 11वें स्थान पर आ गए।

नवंबर में 150 बिलियन डॉलर थी नेटवर्थ

एक हफ्ते में अडाणी की नेटवर्थ में 35.6 बिलियन डॉलर की कमी आई है। 20 नवंबर 2022 को अडाणी की नेटवर्थ 150 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। वहां से अडाणी की नेटवर्थ अभी 65.6 बिलियन डॉलर नीचे है। गौतम अडाणी का ग्रुप भारत में सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है। ये ग्रुप भारत का सबसे बड़ा थर्मल कोल प्रोड्यूसर और सबसे बड़ा कोल ट्रेडर भी है।

अडाणी 4 अप्रैल 2022 को सेंटीबिलियनेयर्स क्लब में शामिल हुए थे। 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा नेटवर्थ वाले व्यक्तियों को सेंटीबिलियनेयर कहा जाता है। उससे पहले अप्रैल 2021 में अडाणी की नेटवर्थ 57 अरब डॉलर थी। फाइनेंशियल ईयर 2021-2022 में अडाणी की नेटवर्थ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ी। अडाणी ग्रुप की सात पब्लिकली लिस्टेड कंपनीज है।

अमेरिका की रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर स्टॉक मैनिपुलेशन, मनी लॉन्ड्रिंग और अकाउंटिंग फ्रॉड में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। हालांकि, सोमवार को ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों ने रिकवरी दिखाई। ये 3.93प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। अडाणी पोर्ट, अंबुजा सीमेंट के स्टॉक में भी तेजी देखने को मिली। वहीं अडाणी टोटल गैस 20प्रतिशत, ग्रीन एनर्जी 20.00प्रतिशत, पावर 5.00प्रतिशत, ट्रांसमिशन 15.23प्रतिशत और विल्मर 5.00प्रतिशत गिरा। गौतम अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को भारत पर साजिश के तहत हमला बताया है। ग्रुप ने 413 पन्नों का जवाब जारी किया। इसमें लिखा है कि अडाणी समूह पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। ग्रुप ने यह भी कहा कि इस रिपोर्ट का असल मकसद अमेरिकी कंपनियों के आर्थिक फायदे के लिए नया बाजार तैयार करना है। समूह ने कहा कि यह रिपोर्ट गलत जानकारी और आधे-अधूरे तथ्यों को मिलाकर तैयार की गई है। इसमें लिखे गए आरोप बेबुनियाद हैं और बदनाम करने की मंशा से लगाए गए हैं। इस रिपोर्ट का सिर्फ एक ही उद्देश्य है- झूठे आरोप लगाकर सिक्योरिटीज के मार्केट में जगह बनाना, जिसके चलते अनगिनत इंन्वेस्टर्स को नुकसान हो और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग बड़ा आर्थिक फायदा उठा सके। अडाणी ग्रुप के रिस्पॉन्स पर हिंडनबर्ग ने भी जवाब दिया है। हिंडनबर्ग ने कहा, धोखाधड़ी पर इस तरह के जवाब या राष्ट्रवाद का पर्दा नहीं डाला जा सकता है। अडाणी ग्रुप हमारी रिपोर्ट को भारत पर सोचा-समझा हमला बता रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गांवों में महिलाओं के लिए रोजगार बढ़ा, स्वरोजगार करने वालों की संख्या में इजाफा, वेतनभोगी घटे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश कर दिया। इसमें देश के आर्थिक विकास दर से लेकर चालू वित्त वर्ष के घाटे तक को लेकर अहम जानकारी जारी की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण में 2022-23 में सृजित रोजगारों पर भी विस्तृत रिपोर्ट दी गई है। छोटे कारखानों की तुलना में 100 से ज्यादा श्रमिकों को रोजगार देने वाले कारखानों में रोजगार तेजी से बढ़ रहा है, जो विनिर्माण इकाइयों के विस्तार का संकेत है। 1.2 करोड़ स्वयं सहायता समूहों में 88 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, जिनकी पहुंच 14.2 करोड़ परिवारों तक है। यूएन मल्टी डाइमेंशनल पावर्टी इंडेक्स यानी संयुक्त राष्ट्र बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, 2005-06 से 2019-21 के बीच 41 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं। आर्थिक सर्वेक्षण कहता है कि 2017-18 की तुलना में 2020-21 में स्वरोजगार करने वालों की हिस्सेदारी बढ़ी है और नियमित वेतनभोगी श्रमिकों की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। 2017-18 में जहां कामकाजी आबादी में 52प्रतिशत लोग स्वरोजगार करने वाले थे, वहीं 2020-21 में इनकी हिस्सेदारी बढ़कर 56प्रतिशत हो गई। इसी तरह 2018-19 में नियमित तनख्वाह पाने वालों की हिस्सेदारी जहां 24प्रतिशत थी, वहीं यह 2020-21 में घटकर 21प्रतिशत हो गई। जनवरी 2023 तक, नौकरी चाहने वाले 2.8 करोड़ लोगों ने और 6.8 लाख नियोक्ताओं ने एनसीएस यानी नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल में पंजीकरण कराया। 2.5 लाख सक्रिय रिक्तियों और कुल 1.2 करोड़ रिक्त पदों के बारे में जानकारी को जुटाया गया है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा के तहत 9100 से ज्यादा रोजगार नौकरी मेले आयोजित किए गए हैं। अब तक, ई-श्रम के जरिए 10 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने एनसीएस पर पंजीकरण कराया है।

2021-22 में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 315.7 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा : आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बावजूद 2021-22 में भारत का खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.57 करोड़ टन पर पहुंच गया। इसके अलावा, 2022-23 (केवल खरीफ) के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 149.9 मिलियन टन अनुमानित है जो पिछले पांच वर्षों (2016-17 से 2020-2021) के औसत खरीफ खाद्यान्न उत्पादन से अधिक है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में दालों का उत्पादन भी औसत 23.8 मिलियन टन से अधिक रहा है। सर्वेक्षण में बागवानी को उच्च विकास क्षेत्र और उत्साही विकास का स्रोत और किसान के लिए बेहतर लचीलापन के रूप में वर्णित किया गया है। तीसरे अग्रिम अनुमान (2021-22) के अनुसार, 28.0 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में 342.3 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। सरकार ने 55 बागवानी समूहों की पहचान की है, जिनमें से 12 को क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी) के पायलट चरण के लिए चुना गया है।

सुस्त मांग के कारण सैमसंग का चौथी तिमाही का लाभ 69 प्रतिशत गिरा

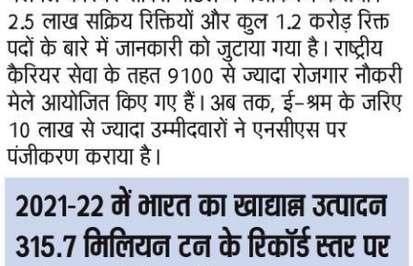

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को कहा कि उसके चौथी तिमाही के परिचालन लाभ में एक साल पहले की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि वैश्विक आर्थिक मंदी ने उन्हें बिजली देने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अर्धचालकों की बिक्री को नुकसान पहुंचाया है। दुनिया के सबसे बड़े मोबाइल फोन और मेमोरी चिप निर्माता ने कहा कि उसका अक्टूबर-दिसंबर ऑपरेटिंग प्रॉफिट एक साल पहले के 69 फीसदी घटकर आठ साल के निचले स्तर 4.3 ट्रिलियन वॉन (3.49 अरब डॉलर) पर आ गया। यह 2014 की तीसरी तिमाही के बाद टेक दिग्गज का सबसे कम तिमाही परिचालन लाभ है और योनहाप इन्फोमैक्स के औसत अनुमान से 18.6 प्रतिशत कम है। कंपनी ने कहा कि 31 दिसंबर को समाप्त तीन महीनों में बिक्री 8 प्रतिशत घटकर 70.46 ट्रिलियन वॉन रह गई। कंपनी ने एक बयान में कहा, वैश्विक आर्थिक मंदी के बीच कमजोर मांग के कारण चौथी तिमाही में कारोबारी माहौल काफी बिगड़ गया। सैमसंग का चिप व्यवसाय को कड़ी टक्कर मिली, जो एक साल पहले टेक कंपनी के कुल लाभ का लगभग 56 प्रतिशत था, क्योंकि सेमीकंडक्टर खरीदारों ने बढ़ती इन्वेंट्री के बीच खर्च में कटौती की और आपूर्ति की अधिकता ने चिप की कीमतों को कम कर दिया।

इकोनॉमिक सर्वे सदन में पेश

2023-24 के लिए जीडीपी 6.5प्रतिशत रहने का अनुमान, बेरोजगारी दर कम होकर 7.2प्रतिशत हुई

नई दिल्ली।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट सत्र के दौरान इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। सर्वे में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट के 6.5प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है। यह पिछले 3 साल में सबसे धीमी ग्रोथ होगी। वहीं नॉमिनल जीडीपी का अनुमान 11प्रतिशत लगाया गया है। रियल जीडीपी अनुमान 7प्रतिशत है। सर्वे में कहा गया है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। सर्वे के अनुसार, (पर्चेजिंग पावर पैरिटी) के मामले में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक्सचेंज रेट के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। सर्वे में भारत का सकल घरेलू उत्पाद अनुमान, महंगाई दर अनुमान, विदेशी मुद्रा भंडार और व्यापार घाटे की जानकारी शामिल होती हैं।

जीडीपी से पता चलती है इकोनॉमी की हेल्थ - जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है।

महामारी से उबरी इकोनॉमी, बेरोजगारी कम हुई - अनंत नागेश्वरन ने कहा, भारत की अर्थव्यवस्था इस दशक की शेष अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने को तैयार है। अब महामारी से उबरने की बात नहीं करनी चाहिए। अब आगे बढ़ना होगा। बैंकों की बैलेंस शीट में सुधार

और क्रेडिट ग्रोथ बढ़ रही है। गैर बैंकिंग और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में अब हेल्दी बैलेंस शीट है। जुलाई सितंबर 2019 में बेरोजगारी दर 8.3प्रतिशत से घटकर जुलाई-सितंबर 2022 में 7.2प्रतिशत हुई। 2022 में कृषि में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी पिछले 12 साल में सबसे अधिक रही है।

ईवी इंडस्ट्री से 2030 तक मिलेंगे 5 करोड़ रोजगार - रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की ग्रीन एनर्जी की ओर ट्रांजीशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। डोमेस्टिक इलेक्ट्रिक व्हीकल्स मार्केट 2022 और 2030 के बीच 49प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। ईवी इंडस्ट्री 5 करोड़ डायरेक्ट और इनडायरेक्ट जॉब क्रिएट करेगा।

2022 में आरबीआई के दायरे से बाहर रही महंगाई - साल 2022 में रिटेल महंगाई आरबीआई के 2प्रतिशत-6प्रतिशत के दायरे के बाहर रही। सबसे ज्यादा 7.79प्रतिशत महंगाई अप्रैल 2022 में दिखी। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 299 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

इकोनॉमिक सर्वे क्या होता है - हम उस देश में रहते हैं, जहां मिडिल क्लास लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है। हमारे यहां ज्यादातर घरों में एक डायरी बनाई जाती है। इस डायरी में पूरा हिसाब-किताब रखते हैं। साल खत्म होने के बाद जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि हमारा घर कैसा चला हमने कहां खर्च किया कितना कमाया कितना बचाया इसके आधार पर फिर हम तय करते हैं कि हमें आने वाले साल में किस तरह खर्च करना है बचत कितनी करनी है हमारी हालत कैसी रहेगी ठीक हमारे घर की डायरी की तरह ही होता है इकोनॉमिक सर्वे। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है इकोनॉमिक सर्वे में बीते साल का हिसाब-किताब और आने वाले साल के लिए सुझाव, चुनौतियां और समाधान का जिक्र रहता है। इकोनॉमिक सर्वे को बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। दो वॉल्यूम में आता था इकोनॉमिक सर्वे पहले इकोनॉमिक सर्वे एक ही वॉल्यूम में पेश किया जाता था।2014-15 से इसे दो वॉल्यूम में पेश किया जाने लगा। पार्ट में पिछले वित्तीय वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था ने कैसा परफॉर्म किया इसकी जानकारी होती है। गरीबी, सामाजिक सुरक्षा, ह्यूमन डेवलपमेंट, हेल्थ केयर और एजुकेशन, जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण और शहरी विकास जैसे इश्यू होते हैं। हालांकि 2021-22 का इकोनॉमिक सर्वे दो-वॉल्यूम फॉर्मेट से सिंगल वॉल्यूम प्लस स्टेटिकल टेबल के लिए एक अलग वॉल्यूम में शिफ्ट हो गया था। प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर संजीव सान्याल ने इसे पेश करते हुए कहा था कि दो-वॉल्यूम वाले फॉर्मेट में नए विचारों और विषयों को लाने की जगह है, लेकिन लगभग 900 पेज में यह बोझिल भी होता जा रहा है। वित्त मंत्रालय के अंडर एक डिपार्टमेंट है इकोनॉमिक अफेयर्स। इसके अंडर एक इकोनॉमिक डिवीजन है। यही इकोनॉमिक डिवीजन चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर की देख-रेख में इकोनॉमिक सर्वे तैयार करती है। ये कई मायनों में जरूरी होता है। इकोनॉमिक सर्वे एक तरह से हमारी अर्थव्यवस्था के लिए डायरेक्शन की तरह काम करता है, क्योंकि इसी से पता चलता है कि हमारी अर्थव्यवस्था कैसी चल रही है और इसमें सुधार के लिए हमें क्या करने की जरूरत है।

सरकार सर्वे को पेश करने और इसमें दिए गए सुझावों या सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अगर सरकार चाहे तो इसमें दिए सारे सुझावों को खारिज कर सकती है। फिर भी इसकी अहमियत है क्योंकि इससे बीते साल की अर्थव्यवस्था का लेखा-जोखा पता चलता है।

कॉर्पोरेट व बैंकिंग क्षेत्रों की बैलेंस शीट को मजबूत करने के साथ भारत में कैपेक्स चक्र होगा शुरू

नई दिल्ली।
2022-23 के आर्थिक सर्वेक्षण में भविष्यवाणी की गई है कि वित्त वर्ष 24 में जोरदार ऋण वितरण के साथ विकास तेज होने की उम्मीद है, और कॉर्पोरेट और बैंकिंग क्षेत्र की बैलेंस शीट मजबूत होने के साथ भारत में पूंजी निवेश चक्र के सामने आने की उम्मीद है। वर्तमान विकास प्रक्षेपवक्र को कई संरचनात्मक परिवर्तनों द्वारा समर्थित किया जाएगा, जो पिछले कुछ वर्षों में लागू किए गए हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि निजी क्षेत्र वित्तीय और गैर-वित्तीय - बैलेंस शीट की मरम्मत कर रहे थे, इसके कारण पिछले दशक में पूंजी निर्माण में मंदी आई थी। सहस्राब्दी के दूसरे दशक में अनुभव की गई वित्तीय प्रणाली का तनाव, बढ़ती गैर-निष्पादित संपत्तियों, कम ऋण वृद्धि और पूंजी निर्माण की घटती विकास दर के कारण, पहले दशक-प्लस में अत्यधिक उधार देने के कारण हुआ, अब हमारे पीछे है। स्वस्थ वित्तीय सहायता से एक नए निजी क्षेत्र के पूंजी निर्माण चक्र के शुरुआती संकेत दिखाई दे रहे हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पूंजीगत व्यय में निजी क्षेत्र की सावधानी की भरपाई करते हुए सरकार ने पूंजीगत व्यय में काफी वृद्धि की है। वित्त वर्ष 2016 से वित्त वर्ष 23 तक पिछले सात वर्षों में बजटीय पूंजीगत व्यय 2.7 गुना बढ़ा, जिससे कैपेक्स चक्र फिर से सक्रिय हो गया। वस्तु एवं सेवा कर और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसे संरचनात्मक सुधारों ने अर्थव्यवस्था की दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया और वित्तीय अनुशासन और बेहतर अनुपालन सुनिश्चित किया। कॉरपोरेट्स की बैलेंस शीट के मजबूत होने और क्रेडिट फाइनेंसिंग में परिणामी वृद्धि के साथ निजी कैपेक्स में निरंतर वृद्धि भी आसन्न है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि अच्छी तरह से पूंजीकृत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बेहतर वित्तीय स्थिति ने उन्हें ऋण आपूर्ति बढ़ाने के लिए बेहतर स्थिति में ला दिया है। नतीजतन जनवरी-नवंबर 2022 के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) क्षेत्र में ऋण वृद्धि उल्लेखनीय रूप से उच्च, 30.6 प्रतिशत से अधिक रही है, जो संघ सराकर की विस्तारित आपातकालीन क्रेडिट लिंक्ड गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) द्वारा समर्थित है। समग्र बैंक ऋण में वृद्धि अस्थिर बॉन्ड बाजारों से उधारकर्ताओं के फंडिंग विकल्पों में बदलाव से भी प्रभावित हुई है, जहां प्रतिफल में वृद्धि हुई है, और बाहरी वाणिज्यिक उधार, जहां ब्याज और हेजिंग लागत में वृद्धि हुई है। यदि वित्तीय 24 में मुद्रास्फीति में गिरावट आती है और यदि क्रेडिट की वास्तविक लागत में वृद्धि नहीं होती है, तो वित्त वर्ष 24 में क्रेडिट ग्रोथ तेज होने की संभावना है। वित्तीय वर्ष 23 में भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्य रूप से निजी खपत और पूंजी निर्माण के कारण हुई है। इसने रोजगार पैदा करने में मदद की है, जैसा कि घटती शहरी बेरोजगारी दर और कर्मचारी भविष्य निधि में तेजी से शुद्ध पंजीकरण में देखा गया है।

मेल ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स का बाजार 10 हजार करोड़ के पार: पिछले 5 साल में घरेलू बाजार में आया हर पांचवां ब्यूटी प्रोडक्ट पुरुषों के लिए

नई दिल्ली।
खूबसूरत दिखने के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल महिलाओं तक सीमित नहीं रह गया है। पुरुषों के बीच भी इन प्रोडक्ट्स का क्रेज बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि देश में पुरुषों के लिए खास ब्यूटी और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग बढ़ी है। बीते 5 साल में लॉन्च हुआ हर ब्यूटी प्रोडक्ट पुरुषों के इस्तेमाल के लिए था। इसके चलते मेल ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स का घरेलू बाजार 10 हजार करोड़ रुपए के ऊपर निकल गया है। कंज्यूमर रिसर्च कंपनी मिंटेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2017 से जुलाई 2022 के बीच भारत में लॉन्च होने वाले 20प्रतिशत बीपीसी प्रोडक्ट्स खासतौर पर पुरुषों के लिए थे। इस मामले में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत ने चीन और जापान को पीछे छोड़ दिया है। चीन में ये आंकड़ा 15प्रतिशत और जापान में 10प्रतिशत है। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि दफ्तरों में महिलाओं की संख्या बढ़ने से पुरुषों में आकर्षक दिखने का चलन बढ़ा है। इंटरनेशनल मार्केट एनालिसिस रिसर्च एंड कंसल्टिंग ग्रुप के मुताबिक, साल-दर-साल

7.93प्रतिशत ग्रोथ के साथ भारत मेन्स ग्रूमिंग का तेजी से बढ़ता बाजार है। मेन्स ग्रूमिंग प्रोडक्ट कंपनी ज्लेड के को-फाउंडर सूरज चौधरी ने कहा कि देश में मेन्स ग्रूमिंग को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। सर्वे में 84प्रतिशत पुरुषों ने कहा कि वे लुक्स और अपीयरेंस को लेकर सजग रहते हैं। इसके लिए बीपीसी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। भारत के हर 10 में से 3(30प्रतिशत) पुरुष रोजाना ज्यादा फेशियल स्किनकेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करना चाहते हैं। जबकि महिलाओं में यह आंकड़ा 26प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2016 में 6,061 किलोमीटर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 10,457 किलोमीटर हुआ राजमार्ग निर्माण: इको सर्वे

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे (एनएच) और सड़कों के निर्माण में समय के साथ वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 22 में 10,457 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया, जबकि वित्त वर्ष 2016 में 6,061 किलोमीटर का सड़क निर्माण हुआ था। मंगलवार को आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया, वित्त वर्ष 2023 में (अक्टूबर 2022 तक), कुल 4,060 किलोमीटर एनएच और सड़कों का निर्माण किया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में उपलब्धि का लगभग 91 प्रतिशत था। इस क्षेत्र में निवेश के लिए कुल बजटीय समर्थन पिछले चार वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2023 (31 अक्टूबर, 2022 तक) के दौरान लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये रहा।

नई आबकारी नीति से कई लक्ष्य साधेगी सरकार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बीते दिनों संपन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नई आबकारी नीति को मंजूरी दी गई। इस एक कदम से यूपी सरकार ने कई लक्ष्यों को साधने का प्रयास किया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार वर्ष 2022-23 में प्रदेश में लगभग 29.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने का उत्पादन किया जा रहा है। प्रदेश के गन्ना किसानों को उनके उत्पाद पर सही मूल्य मिले इसके लिए वैल्यू चेन के प्रत्येक अंश की उत्पादकता बढ़ाया जाना एवं उसके मूल्य संवर्धन हेतु प्रयास किया जाना आवश्यक है। आबकारी

विभाग का प्रयास यह है कि चीनी निर्माण की प्रक्रिया में सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त शीरे का सदुपयोग हो तथा इससे उत्पादित अल्कोहल का उपयोग विभिन्न प्रकार के रसायनों, एथनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल, सैनिटाइजर एवं मदिरा निर्माण के लिए हो सके, जिससे प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2022-23 में गन्ना उत्पादन 29.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अनुमानित है तथा खड़ी फसल के आधार पर प्रदेश में लगभग 1170.73 लाख टन गन्ने की पेराई का अनुमान है। चीनी मिलों द्वारा गन्ने से चीनी, बगास शीरा, प्रेसमड आदि उत्पादित किया जाता है। प्रदेश की चीनी मिलों में सह-उत्पाद के रूप में उत्पादित शीरा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के कारण प्रदेश में अल्कोहल उद्योग के विकास की प्रबल संभावनाएं हैं। वर्तमान समय में एथनॉल उत्पादन एक अच्छा विकल्प है। पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रित किए जाने के उद्देश्य से भी शीरे की क्षति अथवा इसकी गुणवत्ता में नुकसान को रोकते हुये इसका जल्द उपयोग किया जाना आवश्यक है। भारत सरकार की वर्तमान नीति के अनुसार इंधन में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोल में 10 प्रतिशत की सीमा तक एथनॉल को मिश्रित किया जाना अनिवार्य है। इससे पेट्रोल के आयात पर होने वाली विदेशी मुद्रा की आंशिक बचत होती है। इस नीति के अन्तर्गत प्रदेश में उत्पादित एथनॉल से प्रदेश में स्थित पेट्रोलियम डिपोज को एथनॉल की आपूर्ति के साथ-साथ अन्य प्रदेशों में स्थित पेट्रोलियम डिपोज में मिश्रित किए जाने के लिए एथनॉल का निर्यात किया जाता है।

सरकारी योजनाओं से बीमा क्षेत्र का हुआ विकास : आर्थिक सर्वेक्षण

चेन्नई।
देश में सरकारी योजनाओं और वित्तीय समावेशन की पहल के कारण बीमा पैठ में काफी हद तक वृद्धि हुई है। मंगलवार को संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में यह बात कही गई। फसल बीमा के लिए सरकार की प्रमुख पहल, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) ने फसल बीमा के लिए प्रीमियम आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सर्वेक्षण के मुताबिक आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) (एबी पीएमजेएवाई) का लक्ष्य द्वितीयक और तृतीयक अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। महत्वपूर्ण सरकारी पहल, मजबूत जनसांख्यिकीय कारक, एक अनुकूल नियामक वातावरण, विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए), उत्पाद नवाचार बीमा बाजार के विकास में सहायक साबित हो रहे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार भारत आने वाले दशक में सबसे

तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। सन 2000 से 2020 तक देश में बीमा पैठ 2.7 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई और 2021 में भी यही बनी रही। 2021 में भारत में जीवन बीमा की पैठ 3.2 प्रतिशत थी, जो उभरते बाजारों से लगभग दोगुनी और वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक थी। हालांकि भारत में अधिकांश जीवन बीमा उत्पाद बचत से जुड़े होते हैं, केवल एक छोटे से सुरक्षा घटक के साथ। इसलिए प्राथमिक कमाने वाले व्यक्ति की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवारों को एक महत्वपूर्ण वित्तीय अंतर का सामना करना पड़ता है, जैसा कि सर्वेक्षण में कहा गया है। स्विस रे इंस्टीट्यूट वर्ल्ड इंश्योरेंस रिपोर्ट का हवाला देते हुए आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि जर्मनी, कनाडा, इटली और दक्षिण कोरिया से आगे भारत के 2032 तक दुनिया के शीर्ष छह बीमा बाजारों में से एक के रूप में उभरने की उम्मीद है। इसके अलावा गैर-जीवन बीमा क्षेत्र में वृद्धि स्वास्थ्य कवरेज की मांग से प्रेरित होने की संभावना है, क्योंकि लोग कोविड-19 के बाद स्वास्थ्य सुरक्षा के बारे में अधिक जागरूक हैं और सरकार द्वारा प्रायोजित जन स्वास्थ्य कार्यक्रम (आयुष्मान भारत) से सहयोग प्राप्त कर रहे हैं। तृतीय पक्ष बीमा भी कई गुना बढ़ जाएगा, क्योंकि भारत का मध्यम वर्ग फैल रहा है और अधिक कारें खरीदता है। भारत के बीमा बाजार का डिजिटलीकरण टेलीमैटिक्स और ग्राहक जोखिम मूल्यांकन से परे है। हाल के वर्षों में कई डिजिटल प्लेटफॉर्म उभरे हैं, जो बीमा खरीद सहित विभिन्न सेवाओं की पेशकश करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि भारत में बीमा घनत्व 2001 में 11.1 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2021 में 91 अमेरिकी डॉलर हो गया है (जीवन बीमा के लिए घनत्व 69 अमेरिकी डॉलर था और गैर-जीवन बीमा 2021 में 22 अमेरिकी डॉलर था)। देश में बीमा बाजार का अपेक्षाकृत तेजी से विस्तार। वित्तीय वर्ष 22 के दौरान गैर-जीवन बीमाकर्ताओं (भारत के भीतर और बाहर) के सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम में साल-दर-साल 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो मुख्य रूप से स्वास्थ्य और मोटर सेगमेंट द्वारा संचालित है। वित्त वर्ष 2012 में जीवन बीमा प्रीमियम में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, इसमें नए व्यवसायों का योगदान जीवन बीमाकर्ताओं द्वारा प्राप्त कुल प्रीमियम का 45.5 प्रतिशत था। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2012 में 5.02 लाख करोड़ रुपये का लाभ दिया, इसमें से 8.3 प्रतिशत लाभ मृत्यु दावों पर था।

महिला बॉस के ऑफर को ठुकराया तो कंपनी ने बाहर निकाल दिया, गूगल के पूर्व कर्मचारी ने दर्ज कराया मुकदमा

वाशिंगटन। गूगल के एक पूर्व कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने उसे नौकरी से इसलिए निकाल दिया, क्योंकि उसने अपनी महिला बॉस के ऑफर को ठुकरा दिया था। कर्मचारी ने इसको लेकर कंपनी के खिलाफ एक मुकदमा भी दायर किया है। रेयान ओलोहान ने दावा किया कि दिसंबर 2019 में चेल्सी, मैनहट्टन में कंपनी के डिनर के दौरान महिला बॉस टिफनी मिलर ने उन्हें एक खास प्रस्ताव दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 48 वर्षीय ओलोहान ने कहा कि गूगल की प्रोग्रामेटिक मीडिया डॉयरेक्टर टिफनी मिलर ने डिनर के दौरान उनके शरीर को छुआ और उसकी तारीफ भी की। इस दौरान उन्होंने उससे यह भी कहा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी अच्छी नहीं रही।

74 वर्षीय एक्टर कबीर वेदी 41 साल की पत्नी के साथ रोमांटिक अंदाज में आए नजर

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता कबीर वेदी भले ही 74 साल की उम्र पार कर गए हों लेकिन अभी भी उनका रोमांस जाग ही जाता है। अपनी लवलाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले दिग्गज अभिनेता कबीर वेदी हाल ही में अपनी पत्नी परवीन दोसांझ के साथ स्टारडस्ट अवॉर्ड फंक्शन अटेंड करने पहुंचे थे। अवॉर्ड शो के दौरान खुद से 41 साल की पत्नी के साथ कबीर रोमांटिक अंदाज में नजर आए। कबीर वेदी ने 7 साल पहले अपनी बेटी से भी छोटी उम्र की परवीन से शादी की थी। कबीर की यह चौथी शादी थी। अब 7 सालों से कबीर अपनी पत्नी परवीन दोसांझ के साथ रहते हैं। कबीर वेदी अपनी लवलाइफ को लेकर हमेशा से ही सुर्खियों में ही रहे हैं। कबीर वेदी ने 7 साल पहले 41 साल की छोटी परवीन दोसांझ से शादी की थी। शादी के बाद कबीर खूब मीडिया की सुर्खियों में रहे थे। दोनों अक्सर अपनी उम्र को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। कबीर की पत्नी परवीन की उम्र उनकी बेटी से भी कम है। परवीन अभी 41 साल की हैं और कबीर 74 साल के हो चुके हैं। परवीन के साथ कबीर की यह चौथी शादी है। कबीर वेदी अपनी शादियों को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। कबीर ने कुल चार शादियां की हैं। सबसे पहले कबीर ने साल 1969 में ओडिशी डांसर प्रतिमा से शादी की थी। इस शादी से कबीर को 1 बेटा और 1 बेटी भी हुए थे। बेटी पूजा वेदी की उम्र उनकी वर्तमान पत्नी परवीन से भी ज्यादा है। इसके बाद कबीर वेदी परवीन बॉबी के साथ रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियों में रहे। कबीर ने दूसरी शादी ब्रिटिश फैशन डिजाइनर सुसैन हम्फ्रेस से कर ली। कबीर की यह शादी भी ज्यादा लंबी नहीं चली और तलाक हो गया। इसके बाद कबीर ने साल 1990 में रेडियो प्रेजेंटर निक्की से तीसरी शादी की। दोनों का यह रिश्ता 15 सालों बाद टूट गया। कबीर ने 7 साल पहले परवीन दोसांझ से शादी की थी।

बेहद टाइट व शॉर्ट ड्रेस में नजर आईं सोनाक्षी सिन्हा

-फैंस ने जमकर सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा बीते साल फिल्म डबल एक्सएल में नजर आई थीं। उनकी यह फिल्म 4 नवंबर 2022 को रिलीज हुई थी। फिल्म कुछ खास सफलता नहीं दिखा पाई थी। सोनाक्षी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर अपने फैंस को अपने अलग-अलग लुक से हैरान करती नजर आती हैं। हाल ही में भी सोनाक्षी ने एक फोटोशूट कराया है। एक्ट्रेस ने अपने इस फोटोशूट का वीडियो फैंस के साथ शेयर किया है जिसमें वो कातिलाना अदाएं बिखेरती नजर आ रहीं हैं और साथ ही साथ अलग-अलग ड्रेसेज में कई किलर पोज देती हुईं भी नजर आ रहीं हैं. उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। साथ ही फैंस उनके इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने लेटेस्ट फोटोशूट वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसमें उनका सेक्सी लुक नजर आ रहा है। सोनाक्षी के इस पोस्ट पर फैंस खूब रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस का ये लुक देखकर लिखा कि क्या आप अमेरिका जाने वाली हो। वैसे सोनाक्षी के वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं लेकिन इस वीडियो को शेयर कर एक्ट्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह किसी से कम नहीं हैं। फोटोशूट के दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने काफी टाइट ड्रेस पहना है। फैंस अक्सर सोनाक्षी के हर नए लुक का इंतजार रहता है कि उनका अगला बोल्ड वीडियो या फोटोशूट कब वायरल होने वाला है। सोनाक्षी सिन्हा को फिल्म इंडस्ट्री में आए अब तक काफी समय हो चुका है। अपने अब तक के एक्टिंग करियर में उन्होंने कई दमदरा किरदार निभाए हैं।

सोनाक्षी सिन्हा भले ही कम लेकिन ऐसी फिल्मों में ही नजर आती हैं जो टिकट खिड़की पर धमाल मचा देती है। उम्मीद की जा रही है कि सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर कुछ बड़ा करने वाली हैं। अपनी फिल्मों के साथ-साथ सोनाक्षी सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक बेहद शॉर्ट ड्रेस में फोटोशूट कराया है जिसमें वह बेहद टाइट कपड़े पहने नजर आ रही हैं।

आरआरआर ने जापान में पूरे किए 100 दिन कमाई में रजनीकांत की मुथू को पीछे छोड़ा

मुंबई (ईएमएस)। एसएस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर पिछले साल अक्टूबर में जापान में प्रदर्शित की गई थी। इस फिल्म ने जापान में जबर्दस्त सफलता हासिल की। कहा जा रहा था कि यह तीन दशक पूर्व प्रदर्शित रजनीकांत की फिल्म मुथु का रिकॉर्ड तोड़ देगी और अब देखा जा सकता है कि आरआरआर ने जापान में तबाही मचा दी है। यह फिल्म जापानी बॉक्स ऑफिस पर भारत की सबसे बड़ी सफल फिल्म साबित हुई है। इस फिल्म ने रजनीकांत की मुथु को पीछे छोड़ते हुए सिनेमाघरों में 100 दिन का सफर पूरा कर लिया है। कितने आश्चर्य की बात है कि विश्व भर में 1100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने वाली आरआरआर भारतीय सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे नहीं कर पाई लेकिन जापान में इसने यह कारनामा कर दिया। जापानी सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे होने के बाद निर्देशक एसएस राजामौली ने एक ट्वीट कर फैंस के लिए अपना आभार व्यक्त किया है। फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली ने हाल ही में एक ट्वीट किया उन दिनों में वापस आ गए जहां एक फिल्म 100 दिन चलती है। 175 दिन चलना बहुत बड़ी बात होती है। वक्त के साथ कारोबार का ढांचा बदला है। वे प्यारी यादें चली गई थीं लेकिन जापानी दर्शकों ने हमें दोबारा वो पल जीने का मौका दिया है। लव यू जापान। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई कर रही है। फिल्म ने अब तक जापानी बॉक्स ऑफिस से करीब 45 करोड़ रुपए की कमाई की है। आरआरआर ने जापान में अब तक की सबसे बड़ी हिट रजनीकांत की मुथू को भी पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि आरआरआर के गाने नाटू-नाटू को हाल ही में गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। अब यह गाना ऑस्कर की भी रेस में है। इस फिल्म के गाने को ऑस्कर्स 2023 में बेस्ट ऑरिजनल सॉन्ग कैटेगरी में नॉमिनेट किया जा चुका है। अब हर किसी की नजर 13 मार्च पर लगी है। जब ऑस्कर 2023 विजेताओं के नाम का ऐलान किया जाएगा।

आदित्य रॉय कपूर ने खरीदी 2023 रेंज रोवर

बालीवुड के जाने-माने एक्टर आदित्य रॉय कपूर ने 2023 रेंज रोवर खरीदी है। हाल ही में जुहू में अपने घर के बाहर अपने नई 2023 रेंज रोवर के साथ देखा गया था। आशिकी 2 फेम अभिनेता ने खुद को एक नई रेंज रोवर गिफ्ट की है। एक्टर द्वारा इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर क्लिप शेयर कर दी गई है। इस कार को हाल ही में लॉन्च किया गया था। नई रेंज रोवर के एक्सटीरियर को नए रुप में डिजाइन किया गया है। इस एसयूवी में प्रोजेक्टर एलईडी लाइट्स और एलईडी डेटाइम रनिंग लाइट्स हेडलाइट्स दिए हैं। इसके रियर में पतले एलईडी टेललैंप्स दिए हैं। बात इंटीरियर की करें तो इसमें भी नए रुप में डिजाइन किया गया है। इसका केबिन में 13.1 इंच की बड़ी इंफोटेनमेंट स्क्रीन हेड-अप डिस्प्ले मल्टीपल क्लाइमेट सेटिंग्स फोरस्पोक व्हील और बैकसीट के लिए एक एंटरटेनमेंट सिस्टम दिया है।

सोनू सूद की 87 हजार वर्ग फुट की रंगोली बनाई

एक फैन ने बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद की 87 हजार वर्ग फुट की रंगोली बनाई है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में कलाकार श्रीपाद मिराजकर को पब्लिक पार्क में 7 टन से ज्यादा रंगोली पाउडर की मदद से सोनू सूद की तस्वीर को बनाने में कुछ दिन लग गए। रंगोली अब हर दिन हजारों दर्शकों को आकर्षित कर रही है। अपने फाउंडेशन सूद चैरिटी फाउंडेशन के माध्यम से अभिनेता का काम कोविड लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को घर पहुंचाने में मदद करने के साथ शुरू हुआ और अब सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई प्रयास कर रहा है। अपनी तस्वीर वाली रंगोली को देख सोनू सूद ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा- मेरे पास शब्दों नहीं है और लोगों द्वारा दिखाए गए प्यार के लिए अभिभूत हूं मैं सोलापुर के विपुल को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने 87000 वर्ग फीट की सबसे बड़ी रंगोली का विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने का यह मुकाम हासिल किया और मुझे उन पर गर्व है।

पठान के हिट होने की खुशी में किंग खान ने फैंस के साथ खूब किया डांस

शाहरुख ट्विटर पर फैंस के सवालों का दे रहे हैं जवाब

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कुछ समय से लोगों के गुस्से का शिकार हो रहे बॉलीवुड ने अब कुछ राहत की सांस ली है। अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म ह्यपठान का बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन देखकर फिल्में सितारों के बीच अच्छे दिनों की उम्मीद जाग गई है। वहीं किंग खान भी लोगों से मिल रहे प्यार को देखकर खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने जमकर डांस किया। शाहरुख खान ने अपने बांद्रा स्थित घर के बाहर रविवार रात एकत्रित हुए प्रशंसकों का अभिवादन किया। शाहरुख की पिछले सप्ताह रिलीज हुई फिल्म पठान ने सफलता के कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं। उत्साह में झूमते कई प्रशंसक अभिनेता के साथ तस्वीर लेने और वीडियो बनाने के लिए कल रात उनके घर के बाहर उनका इंतजार कर रहे थे। काले रंग के कपड़े पहने शाहरुख अपने बंगले मन्नत की बॉलकनी में आए। अभिनेता (57) ने अपने प्रशंसकों का एक वीडियो ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा कि मेहमाननवाजी पठान के घर पर। रविवार को प्रेम से ओत-प्रोत कर देने लिए सभी प्रशंसकों का शुक्रिया। आभारी हूं। खुश हूं। वीडियो में शाहरुख अपने प्रशंसकों का सलाम व नमस्ते कर अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने झूमे जो पठान गाने पर डांस भी किया जिसे देख फैंस खुशी से पागल हो गए। शाहरुख खान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। डांस करने के बाद उन्होंने प्रशंसकों से बस पर न चढ़ने का भी अनुरोध किया। फिल्म की रिलीज के बाद से ही शाहरुख ट्विटर पर फैंस के साथ बातचीत कर रहे हैं। वह इस दौरान फैंस और यूजर्स के तमाम सवालों का जवाब देते हैं। फिल्म की निमार्ता कंपनी यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने बताया कि पठान ने अपनी रिलीज के चार दिनों के अंदर ही दुनिया भर में कुल 429 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। इसमें शाहरुख खान के अलावा जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका में हैं।

कंगना रनौत ने एक बार फिर ट्विटर पर छेड़ी जंग, कहा- इस देश ने सिर्फ और सिर्फ खांस को प्यार किया है

एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी फिल्मों के अलावा हर मुद्दे पर पूरी बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जानी जाती है। कंगना की ही तरह ज्यादातर अपने अजीबोगरीब फैशन के लिए सुर्खियों में रहने वाली उर्फी जावेद भी हर मुद्दे पर बेबाकी से बोलती हैं। फिलहाल इन दोनों ही एक्ट्रेस के बीच एक जंग छिड़ गयी है। हाल ही में, कंगना रनौत ने मुस्लिम एक्टर्स पर निशाना साधा और एक ट्वीट कर दिया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनके इस ट्वीट पर, उर्फी जावेद भी खुद को अपनी प्रतिक्रिया देने से रोक नहीं पाईं। हाल ही में पठान की सक्सेस पर एक ट्विटर यूजर के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कंगना रनौत ने लिखा, बहुत अच्छा विश्लेषण है। इस देश ने सिर्फ और सिर्फ खांस को प्यार किया है। और मुस्लिम एक्ट्रेसेस के प्रति जुनून दिखाया है। इसलिए भारत पर नफरत और फासीवाद का आरोप लगाना गलत है। पूरी दुनिया में भारत जैसा कोई देश नहीं है. कंगना रनौत के इस ट्वीट पर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की, जिनमें से एक उर्फी जावेद भी रहीं। उर्फी जावेद ने कंगना रनौत के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, ओह माय गॉश! यह किस तरह का डिवीजन है, मुस्लिम एक्टर्स, हिंदू एक्टर्स। कला धर्म से डिवाइडेड नहीं है. वे सिर्फ एक्टर्स हैं। उर्फी जावेद के इस स्टेटमेंट के बाद कंगना रनौत चुप नहीं रही और उन्होंने भी उर्फी की बात का जवाब दिया। कंगना ने ट्वीट कर लिखा, हां मेरी प्यारी उर्फी यह एक आदर्श दुनिया होगी लेकिन यह तब तक संभव नहीं है, जब तक हमारे पास समान नागरिक संहिता नहीं है, जब तक यह देश संविधान में विभाजित नहीं होगा, तब तक यह विभाजित रहेगा। आइए हम सब नरेंद्र मोदी जी से 2024 के मेनिफेस्टो में समान नागरिक संहिता की मांग करें।

फिल्म के सेट पर वापस आने को उत्साहित है आनंद

बालीवुड की फिल्म पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद का कहना है कि वह फिल्म के सेट पर वापस आने और दर्शकों के लिए एक बार फिर कुछ खास बनाने के लिए उत्साहित हैं। मैं अभी अविश्वसनीय रूप से अभिभूत महसूस कर रहा हूं और फिल्म के सेट पर वापस जाने फिर से दर्शकों के लिए कुछ खास बनाने की कोशिश करूं अभी मेरी मनःस्थिति यही है। सिद्धार्थ कहते हैं इतिहास की पटकथा लिखना हर कोई इसे चाहता है लेकिन कोई इसकी योजना नहीं बना सकता। यह बस हो जाता है और जब यह होता है तो वास्तव में एक बहुत ही अनूठा अनुभव होता है।आनंद ने कहा यह सभी कड़ी मेहनत का प्रमाण है लेकिन फिल्म निर्माण भी एक टीम गेम है। इसलिए मैं इस अविश्वसनीय क्षण को पठान के पूरे कलाकारों और क्रू के साथ साझा करता हूं। देश के कोने-कोने में ऐसा नाट्य अनुभव पहले कभी नहीं देखा गया और मुझे खुशी है कि हमने इस वादे को पूरा किया।

ब्रिटनी स्पीयर्स ने किया इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट

अपने प्रशंसकों की बढ़ती चिंता के बाद पॉप आइकॉन ब्रिटनी स्पीयर्स ने अपने नवीनतम पोस्ट को लेकर अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। 41 वर्षीय टॉक्सिक गायिका स्पीयर्स जस्टिन टिम्बरलेक के साथ अपने अतीत के संबंधों को याद कर रही थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना नाम रिवर रेड रख लिया जिसके बाद प्रशंसकों ने ट्विटर पर अपनी चिंता साझा की। उन्होंने कहा अच्छा होना चीजों को सीशेल में लपेट सकता है और लैविडा लोको लाइफ जीना!!! ब्रिटनी ने यह भी लिखा यह बेहतर हो जाता है क्योंकि यही मेरा लक्ष्य है!!! खांसते हुए नाटक करते रहें और बस अपनी पीठ के पीछे देखते रहें!!! या फिर आप बस पकड़े जा सकते हैं !!! जानकारी के अनुसार अपना अकाउंट डिलीट करने से पहले ब्रिटनी ने बुधवार (पैसिफिक स्टैंडर्ड टाइम) को एक पोस्ट साझा किया। गायिका ने लिखा तर्कसंगत लोग . मेरे पास भी एक था और यह अब गायब हो गया !!! मैं आराम से बैठ सकती हूं और सबसे ज्यादा पसंद कर सकती हूं और इंस्टाग्राम पर किसी को भी सोचने के लिए कुछ भी नहीं दे सकती।!!

सूडोकु नवताल- 6329

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6328 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7076

अ क ल इं दि रा गां धी इं ल ज
र ट ल दे व गौ ड्र इं द्र ट वा
त स ल ल र्म छ मो रा कु ख ह
च ज ज बि पु र रा प मा ली र
म र दो ग हा लं र तू र झ ला
न क ण प ह री जी ना गु घ ल
मो अ स सिं या प दे श ज ला ने
ह ता दा ई ह ब सा फ रा श ह
न बा चे न ब्रा जी ई री ल प रु
सिं पा ला ल ब हा दु र शा स्त्री ता
ह रा जी व गां धी रा बा द प न

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौडा

शब्दजाल - 7075 का हल

स म र यु दा प र तू ग झ दो
ज अ ल प मु रिं शो ना दि शा आं
अं इ नु म ल दा ल ध र ला खें
ती कु दा रा धा ब क प रि श बा
स ति श न्न धा क ब री ग वी र
री रं ल प व लि र्त ऐ ती प ह
क गा ल श गा प म क्रां कौ या हा
स बा अ र्जा त क छ प्प ग श थ
म स मि तें व न ज मू शा जू द
द र ल श ह र औ र स प ना
थो झ सा रु बा घ ब हा दु र क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6029

	3	2	4		6	5
3	30		24	2	30	
		3	4			2
5	35		37		29	
	1	5		6		7
	31		40	4	33	
1		4				3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6028 का हल

4	7	3	6	5	2	1
1	34	6	38	2	25	3
5	1	7	3	6	2	4
6	30	1	33	3	34	5
3	5	2	4	7	1	6
7	31	4	31	4	34	2
2	3	5	4	1	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय कोच ग्राहम रीड का इस्तीफा, नौवें स्थान पर रही थी टीम इंडिया

नई दिल्ली ।

भारतीय हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने इस्तीफा दे दिया है। हाल ही में ओडिशा में हुए हॉकी विश्व कप में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद रीड ने अपने पद से हटने का फैसला लिया। उनके अलावा एनालिटिकल कोच ग्रेग क्लार्क और साइंटिफिक एडवाइजर मिचेल डेविड पेम्बरटन ने भी इस्तीफा दे दिया है। हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम नौवें स्थान पर रही। रीड को अप्रैल 2019 में भारत का कोच नियुक्त किया गया था। उनकी देखरेख में भारत ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। 58 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई रीड ने भुवनेश्वर में विश्व कप के समापन के एक दिन बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को अपना इस्तीफा सौंप दिया। विश्व कप के फाइनल में जर्मनी ने बेल्जियम को पेनल्टी शूट-आउट में हराया और टीम चैंपियन बनी। यह जर्मनी का तीसरा विश्व कप खिताब रहा। रीड ने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा- अब समय आ गया है कि मैं पद छोड़ दूं और अगले मैनेजमेंट को जिम्मेदारी सौंप दूं। टीम और हॉकी इंडिया के साथ काम करना सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैंने इस शानदार यात्रा के हर पल का आनंद लिया है। मैं टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। ऐतिहासिक ओलंपिक मेडल के अलावा रीड और उनके सहयोगी स्टाफ की टीम की मदद से भारत ने पिछले साल 2021/22 हॉकी प्रो लीग सीजन में भी शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा पिछले साल हुए बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी टीम इंडिया दूसरे स्थान पर रही थी और रजत पदक जीता था। हालांकि, विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन उतना खास नहीं रहा। मेजबान भारत क्वार्टर फाइनल के लिए भी क्वालीफाई करने में असफल रहा। ग्रुप स्टेज में टीम ने स्पेन को 2-0 से हराया, फिर इंग्लैंड के साथ 0-0 से ड्रॉ खेला और आखिरी ग्रुप मैच में वेल्स को 4-2 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड को हराना था, लेकिन लीड लेने के बाद भारतीय टीम उस मैच को नहीं जीत पाई। न्यूजीलैंड ने फुल टाइम तक स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। फिर पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम हार गई और क्वार्टर फाइनल की रेस से बाहर हो गई। हालांकि, क्लासिफिकेशन राउंड में भारतीय टीम का प्रदर्शन जबरदस्त रहा। टीम ने जापान को 8-0 से रौंदने के बाद दक्षिण अफ्रीका को 5-2 से हराया था। विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौंकाने वाली हार के बाद रीड भारतीय टीम के साथ अपने भविष्य को लेकर मौन रहे।

न्यूज ब्रीफ

सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन से हटीं, साइना ने भी नाम वापस लिया

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि हाल ही में कूल्हे की चोट से पूरी तरह उबरने में नाकाम रहे हैं। सात्विक को इस महीने की शुरुआत में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान चोट लगी थी और उन्हें नई दिल्ली में टूर्नामेंट के बीच में ही हटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। दुनिया की छठे नंबर की जोड़ी में से आधे चिराग ने कहा, चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है, इसलिए थाईलैंड से नहीं खेलूंगा। अब हमारी निगाह ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप पर है। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी, मलयेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल में पहुंची थी। सात्विक-चिराग को पहले दौर में चीनी ताइपे की सु चिंग हेंग और ये होंग वेई से भिड़ना था। वास्तव में 210,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट की चमक फीकी पड़ गई क्योंकि पूर्व नंबर 1 साइना नेहवाल और मालविका बंसोड़ सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। पहले दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट का सामना करना था, बंसोड़ को शीर्ष वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ पहला मैच खेलना था। महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय और अश्मिता चालिहा ही हिस्सा लेंगी। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गारगा और विष्णुवर्दधन गौड़ नहीं खेलेंगे। अब इशान भटनागर और साई प्रतीक के अलवा पीएस रविकृष्णा और शंकर प्रसाद उदयकुमार की जोड़ी होड़ में हैं। पुरुष एकल में बी साई प्रणीत को पहले ही दौर में चीन के लू गुआंग जू से खेलना है।

अंडर-19 विमेंस टीम का सम्मान करेंगे सचिन तेंदुलकरः भारत-न्यूजीलैंड तीसरे टी-20 के पहले अहमदाबाद में होगी सेरेमनी

नई दिल्ली । सचिन तेंदुलकर भारतीय विमेंस अंडर 19 टीम का अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सम्मान करेंगे।

भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम दक्षिण अफ्रीका से मुंबई पहुंचेगी और फिर बुधवार को पुरस्कार समारोह के लिए अहमदाबाद जाएगी। पुरस्कार समारोह अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे और आखिरी टी-20 मैच के पहले शाम को होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि, यह बहुत खुशी की बात है कि, भारत रत्न श्री सचिन तेंदुलकर और भारत के पदाधिकारी विमेंस अंडर 19 टीम को 1 फरवरी के दिन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सम्मानित करेंगे। युवा क्रिकेटरों ने भारत को गौरवान्वित किया है और हम उनकी उपलब्धियों का सम्मान करेंगे। टूर्नामेंट जीतने पर बीसीसीआई ने विमेंस क्रिकेट टीम और सपोर्ट स्टाफ को 5 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा भी की। इंडिया विमेंस टीम किसी भी लेवल पर पहली ही बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। जूनियर लेवल पर आईसीसी ने पहली बार वर्ल्ड कप आयोजित कराया। वहीं, सीनियर लेवल पर टीम इंडिया कभी भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी। भारत ने इससे पहले 2005 और 2017 का वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार गए। वहीं, 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

जालंधर पहुंचे क्रिकेटर क्रिस गेलः आईपीएल से पहले बैट देखने पहुंचा वेस्टइंडीज का विस्फोटक बल्लेबाज, इसी कंपनी के बैट से बनाए ढेरों रिकॉर्ड

जालंधर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल मंगलवार को जालंधर पहुंचे। वह जालंधर की स्पोर्ट्स मार्केट में पहुंचे। क्रिस गेल क्रिकेट का सामान बनाने वाली जालंधर बेस्ड कंपनी के दफ्तर पहुंचे। कंपनी प्रबंधकों के साथ-साथ स्थानीय विधायक शीतल अंगुराल ने उनका स्वागत किया। जालंधर पहुंचने के बाद क्रिस गेल ने कंपनी प्रबंधन से क्रिकेट के सामान से जुड़ी जानकारियां ली। उन्होंने कंपनी की तरफ से बनाए जा रहे प्रोडक्ट्स के बारे में भी पूछा।

टीम इंडिया तीनों फॉर्मेट में कैसे बनेगी नंबर 1

वनडे और टी-20 में 11 मार्च तक टॉप पोजीशन पक्का, ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज अहम

नई दिल्ली ।

क्रिकेट के किसी एक फॉर्मेट में नंबर-1 बन जाना ही बहुत बड़ी बात होती है। अब हमारी टीम इंडिया एक साथ तीनों फॉर्मेट यानी टी-20, वनडे और टेस्ट में नंबर-1 बनने के काफी करीब आ गई है। भारत इस वक्त आईसीसी रैंकिंग में वनडे और टी-20 की नंबर-1 टीम है। टेस्ट में टीम दूसरे नंबर पर है। 9 फरवरी से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 4 टेस्ट की सीरीज शुरू होगी। ऐसे में भारत के पास टेस्ट में भी टॉप पोजीशन हासिल कर तीनों फॉर्मेट में एक ही समय पर नंबर-1 बनने का मौका है। इसके लिए टीम के पास कब तक वक्त है और आगे क्या करना होगा यह हम इस स्टोरी में जानेंगे।

टी-20 में 11 मार्च तक नंबर-1 पक्का - टीम इंडिया आईसीसी की टी-20 टीम रैंकिंग में पहले स्थान पर है। इंग्लैंड की टीम दूसरे और पाकिस्तान तीसरे नंबर पर है। इंग्लैंड और भारत के बीच महज एक पॉइंट का अंतर है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक फरवरी को एक टी-20 खेलना है। जीतने पर भारत के 268 पॉइंट्स होंगे और हारने पर 266। न्यूजीलैंड से हार के बावजूद टीम इंडिया पॉइंट्स काउंट में इंग्लैंड से आगे रहकर नंबर-1 ही रहेगी। इंग्लैंड को 9, 12 और 14 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। अगर भारत न्यूजीलैंड से आखिरी टी-20 हार जाए और इंग्लैंड की टीम बांग्लादेश को शुरुआती दोनों टी-20 मैच हरा दे तो भारत नंबर-2 पर आ जाएगा और इंग्लैंड पहले पर, लेकिन,

इस सिचुएशन में भी 11 मार्च तक तो भारत टी-20 की नंबर-1 रैंक टीम ही रहेगी।

भारत तीसरा मैच जीत गया तो - भारत अगर तीसरा टी-20 जीत गया तो बांग्लादेश के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने पर भी इंग्लैंड दूसरे पर ही रहेगा। ऐसे में भारत मार्च के बाद भी लंबे समय तक नंबर-1 रैंक टी-20 टीम रहेगी। क्योंकि अप्रैल, मई और जून में होने वाली टी-20 सीरीज के नतीजों का असर भारत की नंबर-1 पोजीशन पर नहीं पड़ेगा।

वनडे में कम से कम 16 मार्च तक रहेंगे नंबर-1 - टीम इंडिया इस वक्त वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पर है। दूसरे पर ऑस्ट्रेलिया और तीसरे पर न्यूजीलैंड है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस वक्त 2 पॉइंट का अंतर है। वहीं, भारत को अगली वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही 17 मार्च से खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को 3 वनडे की सीरीज खेलनी है। जो भी टीम सीरीज जीतेगी, वह वनडे की नंबर-1 रैंक टीम बन जाएगी। ऐसे में भारत सीरीज से पहले 16 मार्च तक तो वनडे में नंबर-1 रहेगा ही। अगर सीरीज जीत गया तो लंबे समय तक टॉप पोजीशन बरकरार रखेगा।

टेस्ट में कैसे बनेंगे नंबर-1 - 9 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को 4 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। टेस्ट रैंकिंग में 126 पॉइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले और भारत 115 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। अगर भारत टेस्ट सीरीज में 2-0 या इससे बड़े अंतर से जीत हासिल करता है तो वह नंबर-1 बन जाएगा। आईसीसी हर मैच के बाद रैंकिंग जारी करती है। यानी अगर भारतीय टीम लगातार दो टेस्ट जीत ले तो फरवरी में ही वह दिन आ सकता है जब भारत तीनों फॉर्मेट में एक साथ नंबर-1 बन जाए। 21 फरवरी को भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दूसरे टेस्ट का आखिरी दिन है।

नंबर-1 बनने पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भी खेलेगा भारत - अगर भारत तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनता है तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना भी पक्का हो जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में भारत इस वक्त ऑस्ट्रेलिया के ही बाद दूसरे नंबर पर है। श्रीलंका तीसरे और साउथ अफ्रीका चौथे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया लगभग फाइनल में पहुंच चुका है। भारत, श्रीलंका और साउथ अफ्रीका में से कोई एक टीम ही फाइनल में पहुंचेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतने पर भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में 60.65प्रतिशत पॉइंट्स होंगे। ऐसे में टीम लगभग क्वालिफाई कर जाएगी, लेकिन उसे श्रीलंका की एक हार का इंतजार होगा। वहीं, अगर टीम 3-0 या उससे ज्यादा के अंतर से जीते तो उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर नहीं रहना होगा।

साउथ अफ्रीका और श्रीलंका का क्या होगा - साउथ अफ्रीका अगर अपने बचे हुए सभी मैच जीते तब भी उसके 55.56प्रतिशत पॉइंट्स ही होंगे। श्रीलंका अगर बचे हुए दोनों मैच जीत लेता है तो उसके 61.11प्रतिशत पॉइंट्स होंगे। एक भी मैच हारने या ड्रॉ खेलने पर टीम फाइनल की रेस से बाहर हो जाएगी। श्रीलंका को अपने 2 टेस्ट न्यूजीलैंड में न्यूजीलैंड से खेलने हैं। जहां उन्होंने 19 में से 11 टेस्ट हारे हैं और केवल 2 में ही उन्हें जीत मिली। आखिरी टेस्ट भी उन्होंने 15 साल पहले 2006 में जीता था। ऐसे में उनके लिए दोनों टेस्ट जीतना बहुत मुश्किल होगा।

इकाना के पिच क्यूरेटर को हटाया गया

काली पिच को लाल बनाई, हार्दिक पांड्या और बॉलिंग कोच ने पिच को बताया था खराब

लखनऊ।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम के पिच क्यूरेटर सुरेंदर यादव को हटा दिया गया है। भारत-न्यूजीलैंड मैच के बाद कैप्टन हार्दिक पांड्या ने पिच को खराब बताया था। इसके बाद पिच क्यूरेटर को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भी क्यूरेटर पर सवाल खड़ा किया था। अब यह बात भी सामने आई है कि लास्ट टाइम में काली पिच को लाल पिच में बदल गया था। लोगों का कहना है कि इकाना स्टेडियम में जल्द नया क्यूरेटर नियुक्त किया जाएगा। उसके अलावा यहां की पिच को अगले एक महीने के अंदर सुधार दिया जाएगा। यहां पिछले दो बार से पिच बहुत घटिया बनाई जा रही है। वहीं पिच पर सवाल उठने के बाद अप्रैल में होने वाले मैचों की मेजबानी पर भी संकट खड़ा हो गया है। सूत्रों ने बताया, पिच बीसीसीआई के हिसाब से बनी थी। लाल पिच पर ही मैच होना था। यह पहले ही तय हो गया था। मैच से पहले मध्य प्रदेश के क्यूरेटर यहां आए थे। उन्होंने कहा था कि समय कम बचा है, अब इसमें सुधार नहीं हो सकता है। इसके बाद उन्होंने राहुल द्रविण से मुलाकात की थी। पिच के बारे में जानकारी दी थी।

बॉलिंग कोच बोले- क्यूरेटर से सवाल होने चाहिए

पिच को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि हमें मैच से पहले ही लग गया था कि इस पिच पर कैसे खेलेंगे। पिच के दोनों तरफ 15 फीट तक घास नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की पिच क्यों बनाए जाते हैं इसको लेकर क्यूरेटर से सवाल होना चाहिए।

रणजी के मैच शिफ्ट करने का असर

बताया जा रहा है कि रणजी के मैच कानपुर में होने थे। हालांकि, अचानक उनको इकाना में शिफ्ट कर दिया गया। इसकी वजह से यहां मैच ज्यादा हो गए। जो पिच खराब होने का बड़ा कारण बना। इसके अलावा पिछले दिनों पड़ी ठंड के चलते पिच पर घास नहीं आई। इसकी वजह से वह और ज्यादा टर्निंग बन गई। डायरेक्टर युद्धवीर सिंह का कहना है कि एक माह में इकाना स्टेडियम की पिच पहले की तरह सही हो जाएगी। एक्सपर्ट का कहना है कि इकाना में पिच को लेकर जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो आईपीएल की मेजबानी भी हाथ से निकल सकती है।

योग-ग्लूटन फ्री डाइट है 35 साल के नोवाक जोकोविच की फिटनेस का राज, खाने में नहीं लेते चीनी

नई दिल्ली ।

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्ड 10वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। यह उनका 22वां ग्रैंड स्लैम भी रहा। इस जीत के साथ वह फिर से दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर बन गए। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जोकोविच ने 24 साल के ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को हराया। यह पहली बार नहीं है जब जोकोविच ने किसी फाइनल में अपने से कहीं कम उम्र वाले खिलाड़ियों को हराया हो। वह जिसमें खेले हों उसमें से पिछले सात में से पांच ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। वहीं, छह में से पांच ग्रैंड स्लैम में फाइनल में उन्होंने 27 या उससे कम उम्र के खिलाड़ियों को हराया है।

टॉप-पांच में 25+ उम्र वाले इकलौते खिलाड़ी

जोकोविच मौजूदा टॉप-10 रैंकिंग में 25 से ज्यादा उम्र वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ियों हैं। उनके अलावा राफेल नडाल भी हैं। वहीं, टॉप-पांच में वह इकलौते 25 से ज्यादा की उम्र वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि, 35 साल के होने के बावजूद जोकोविच की फिटनेस देखने लायक है। वह कई मैचों में दो सेट में पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर मैच जीता है। जोकोविच अपनी फिटनेस का श्रेय कड़ी ट्रेनिंग और सख्त डाइट प्लान को देते हैं। इस उम्र में भी वह अपने शरीर का पूरा ख्याल रखते हैं।

योग है जोकोविच की फिटनेस का राज

जोकोविच की अच्छी फिटनेस का सबसे बड़ा कारण योग है। योग की वजह से जोकोविच कोर्ट पर सबसे लचीले खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं। वह शॉट लगाते वक्त खुद को स्ट्रेच करने से भी नहीं घबराते। जोकोविच ने बताया था कि उनके कूल्हों और कमर की मजबूती का राज योग में है। इसके अलावा वह एंड्यूरेंस पर भी खूब ध्यान देते हैं। इसके लिए जोकोविच पहाड़ियों पर ट्रेकिंग भी करते हैं। जोकोविच का कहना है कि मेहनत के साथ आराम भी उतना ही जरूरी है। जोकोविच 2019 के बाद से 236 मैच खेल चुके है, लेकिन बीच-बीच में लंबे ब्रेक की वजह से वह खुद को फिट रखने में कामयाब रहते हैं। इसके अलावा वह मेडिटेशन का भी सहारा लेते हैं। जोकोविच के कोच का कहना है कि वह खाने पर भी पूरा ध्यान रखते हैं। साथ ही सख्त डाइट को फॉलो करते हैं। अपनी किताब सर्व टू विन में जोकोविच ने बताया था कि ग्लूटन फ्री खाना उनके लिए काफी फायदेमंद रहा है। इसके अलावा वह खाने में चीनी और डेयरी प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल नहीं करते।

भारत के खिलाफ पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे स्टार्क : कहा- रिकवर होने में लगेगा थोड़ा समय, उंगली की चोट से हैं परेशान

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। वे उंगली की चोट से परेशान है। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अवार्ड्स के दौरान, जब स्टार्क से चोट के अपडेट के बारे में पूछा, तो 33 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि, अभी मैं चोटिल हूं और कुछ समय बाद अब दूसरे टेस्ट के लिए दिल्ली जाऊंगा, वहां ट्रेनिंग स्टार्ट करूंगा।

स्टार्क पिछले साल दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे और बाद में वे प्रोटियाज के खिलाफ तीसरे टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से जाना जाता है। इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर आ रही है। सीरीज का पहला मुकाबला 9 से 13 फरवरी के बीच नागपुर में खेला जाएगा। स्टार्स ने कहा कि, मुझे नहीं पता की भारत में परिस्थितियां कैसी होंगी, यहां निश्चित तौर पर टर्न मिलेगा। आप जब तक गेम नहीं खेलते आप पिच को नहीं समझ पाते है। भारत में खेलना चुनौतीपूर्ण होगा। टीम की स्थिति अच्छी है और आने वाले समय में हम भारत में शानदार क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 4-टेस्ट सीरीज के फर्स्ट टेस्ट से पहले बेंगलुरु में चार दिन ट्रेनिंग करेंगे। मेहमान टीम पहले टेस्ट के वेन्यू पर पहुंचने से पहले बेंगलुरु के अलुर में केएससीए क्रिकेट ग्राउंड में ट्रेनिंग करेगी। जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों में वापसी कर सकते हैं। बुमराह पहले दो टेस्ट के लिए टीम में नहीं हैं, लेकिन, हाल ही में बुमराह ने प्रैक्टिस फिर चालू कर दी है। वे नेशनल क्रिकेट अकादमी के नेट्स में गेंदबाजी कर रहे है। उनकी वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, लांस मॉरिस, टोड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क, मिशेल स्वेपसन, डेविड वार्नर।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज

सीएम शिवराज का ऐलान- एमपी के मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को मिलेंगे 5 लाख रुपए

भोपाल।

देश के दिल मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज हो गया है। इस दौरान जोरदार आतिशबाजी की गई। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री निशीथ प्रामाणिक, मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा टीटी नगर स्टेडियम में मौजूद रहे।मंच पर अभिलिप्सा पांडा ने हर हर शंभू भजन गाकर समां बांध दिया। गायिका नीति मोहन ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध ड्रम प्लेयर शिवामणि और ग्रुप ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की प्रस्तुति दी। सिंगर शान ने हर हर मैदान फतेह समेत कई गानों की शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया।

मंच संचालन अभिनेता जय भानुशाली ने किया। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि देश के दिल में देश के कोने-कोने से आए बेटे-बेटियों का अभिनंदन करता हूं। खिलाड़ियों का भविष्य गढ़ने वाले और नए भारत का निर्माण करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि अनुराग जी आपने कहा मध्यप्रदेश सबका ध्यान रखें, मैं विशास दिलाता हूं हम अतिथि देवो भव का पालन करते हैं, मेहमानों की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी। जो मेडल जीतेंगे, उन्हें आगे की तैयारी के लिए मिलेंगे 5 लाख रुपए सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि कल ही भारत की बेटियां ने अंडर 19 टी-20 वर्ल्ड कप जीता। मप्र की बेटी सौम्या तिवारी ने शानदार शॉट लगाया। सीएम बोले- खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने में धन की कमी नहीं आएगी। सीएम ने कहा कि पिछले खेलो इंडिया गेम्स में एमपी के खिलाड़ियों ने 38 मेडल जीते थे। सीएम ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि मप्र के जो बच्चे पदक जीतकर आएंगे, उन्हें अगले खेलों की तैयारी के लिए 5 लाख का पुरुस्कार दिया जाएगा। खेलिए, जीतिए लेकिन अनावश्यक दबाव में न आइए। अनुराग बोले- हिंदुस्तान के 5 पारंपरिक खेलों को इसमे शामिल किया गया है। ये खेल जल्द ही अंतरराष्ट्रीय खेल बनेंगे। प्रवासी भारतीय दिवस में दुनिया भर के भारतीयों का जैसे स्वागत किया था, ऐसे ही खेलों में भाग लेने आए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं। मंच पर दिख रहा मप्र का धार्मिक वैभव

भोपाल के ताल्या टोपे स्टेडियम में बनाए गए खेलो इंडिया के मंच पर मप्र की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक विरासतों को दिखाया गया है। मंच को इस तरह से डिजाइन किया गया है जिसमें महाकालेश्वर उज्जैन, खजुराहो के मंदिर, सांची के बौद्ध स्तूप के साथ ही नर्मदा मैया की बहती हुई सजीव छवि को दिखाया गया है। भव्य मंच पर आकर्षक लाइटिंग की गई है।

हिंदुस्तान का दिल धड़का दो की थीम

मप्र में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन को लेकर शिवराज सरकार ने खासी तैयारी की है। न्यू मार्केट इलाके को खासतौर पर खेलो इंडिया के होर्डिंग, बैनरों से सजाया गया है। मप्र में हो रहे आयोजन को देखते हुए खेलो इंडिया की थीम हिन्दुस्तान का दिल धड़का दो रखी गई है। पूरे समय इसी थीम पर बना सॉन्ग टीटी नगर स्टेडियम में गूंजा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले ऋषिकेश पहुंचे विराट-अनुष्काः स्वामी दयानंद गिरि आश्रम दर्शन करने गए

ऋषिकेश। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ऋषिकेश पहुंचे। वहां उन्होंने दयानंद गिरि आश्रम में दर्शन किए। इस दौरे से कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें अनुष्का और विराट साथ में पूजा करते नजर आ रहे है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विराट और अनुष्का धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लेंगे, साथ में भंडारे का आयोजन भी करेंगे। पिछले महीने बाबा नीम करोली के आश्रम गए थे भारत का स्टार कपल विरुष्का पिछले महीने भी भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन गए थे। वहां दोनों ने बाबा नीम करोली की समाधि के दर्शन किए थे और ध्यान भी लगाया था। कोहली-अनुष्का की बाबा नीम करोली महाराज के प्रति काफी श्रद्धा है।

कैसे चुनें नेल पॉलिश...

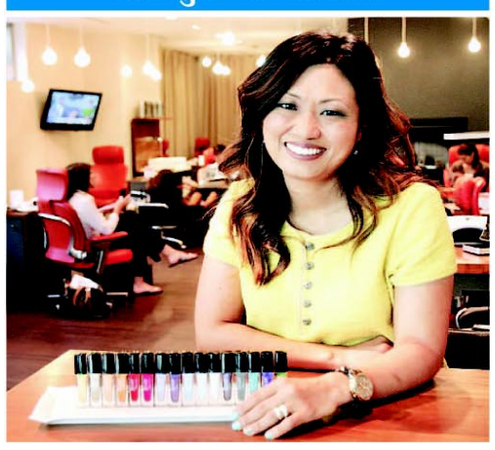

जब कभी भी मार्केट में नेल पॉलिश खरीदने जाते हैं तो उनमें से हजारों की भीड़ में कोई एक नेल पॉलिश को पसंद करना थोड़ी मुश्किल भरा हुआ काम होता है, लेकिन हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिससे आप आसानी से अपने मन की नेल पॉलिश खरीद सकेंगी। अगर आप नेल पॉलिश को अपनी स्किन टोन के आधार पर चुनेंगी तो सही रहेगा। अगर आप गोरी हैं तो आप पर गहरे रंग की नेल पॉलिश ज्यादा सूट करेगी।

अगर स्किन टोन मीडियम टोन है, तो गहरे लाल रंग की नेल पॉलिश और अगर स्किन टोन डार्क है, तो आप किसी भी रंग की नेल पॉलिश पसंद कर सकती हैं। कुछ फैशन एक्स्पर्ट कहते हैं कि कपड़ों का रंग नेल पॉलिश से बिल्कुल भी मैच नहीं करना चाहिए। वहीं पर दूसरों का मानना है कि नेल पॉलिश कपड़ों के साथ मैच करनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप का इस बारे में क्या मानना है। अच्छा होगा कि ऐसा रंग चूज करें जो आपके कपड़ों पर थोडा इस्तेमाल किया गया हो। मेकअप से मैच करती हुई नेल पॉलिश बिल्कुल भी नहीं चलेगी। हां अगर आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक और नेल पॉलिश का रंग मैच करता हुआ हो, तो यह आइडिया बहुत अच्छा रहेगा। इस बात पर ध्यान दें कि आज कल बाजार में क्या ट्रेंड छाया हुआ है और उसी के हिसाब से नेल पॉलिश खरीदें। जब सही नेल पॉलिश को पसंद करने की बारी आती है तो मौसम को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। सर्दी के मौसम में डार्क कलर और गर्मी में ब्राइट कलर जोरों पर रहते हैं।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है।

अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक है जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थी। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

फैशन को अपडेट करें...

बसंत का मौसम एक अलग ही प्रकार की ताजगी भर देता है। चूंकी यह मौसम ग्रीष्म काल का अगाज होता है, बसंत बहार में फैशन भी एक नया रूप ले लेता है, एक अलग रुख पकड़ता है और कई नई चीजें चलन में आती हैं जिससे आप अपने फैशन स्टेटेमेंट को एक नया रूप दे सकती हैं। बसंत एक प्रकार से गर्मी के मौसम की दस्तक होता है जिसमें आप हलके महौल से मिलते जुलते हलके रंग के कपड़े पहनना पसंद करती हैं। तो आइए जानते हैं कि इस मौसम में क्या रहेगा फैशन में।

मौसम का बदलता मिजाज आपका ड्रेसिंग सेंस भी बदल देता है। बसंत के मौसम के आते ही वार्डरोब में रखे मोटे और गर्म कपड़ों की जगह हल्के और ठंडक देते रंग के कपड़े आ जाते हैं। बसंत में सभी चाहते हैं कि इस मौसम में हमारी ड्रेस एकदम डिफरंट और यूनिक हो, जो सोबर भी लगे और ट्रेंडी भी। बसंत के मौसम में हमेशा ड्रेस के मटेरियल के साथ उसके कलर पर भी ध्यान देना जरूरी है। मौसम में ड्रेसेस हल्के रंगों के होने चाहिए जो आंखों को ठंडक दें। कॉटन मिक्स सिल्क, शिफॉन, लिनन, जॉरजट व हैंडलूम और खादी से बने वस्त्रों को पहनें जो पसीने को सोख लेते हैं। फैशन के लिहाज से देखा जाए तो एक दुबली महिला पर आड़ी लाईन वाले शॉर्ट कुर्ती व छोटी कद-काठी वाली महिलाओं को आड़ी लाइन वाले कुर्ते खासे फबते हैं। इसके अलावा भी कई नई ड्रेस और स्टाइल हैं जो इस मौसम में इन हैं। जानते हैं इनके बारे में।

प्लाजो पैन्ट्स

प्लाजो पैन्ट्स का ठंड से ही चलन शुरू हो गया था पर गर्मियों में यह और भी लोकप्रिय होंगे। इन प्लाजो पैन्ट्स के साथ आप टी-शर्ट्स, कुर्ता, टॉप पहन सकती हैं जो बहुत ही स्टाइलिश लगते हैं। इसी के साथ आप स्कार्फ या स्टोल से भी अपने व्यक्तित्व को आकर्षित बना सकती हैं।

लिनेन और कॉटन

लिनेन और कॉटन सभी लोगों का सबसे आरामदायक और प्रिय कपड़ा होता है। यह पहनने मे बड़ा ही हलका होता है और साथ ही इसके हलके रंग भी गर्मी में बड़ी ही ठंडक प्रदान करते हैं। तो इस बार लिनेन के शर्ट, ट्राउसर, शॉर्ट्स आदी सभी काफी चलन में है। इसके साथ ही एक बात गौर करने की है कि इस सीजन मे ऑल-व्हाइट का भी चलन है यानी की उपर से ले कर नीचे तक सब व्हाइट।

डेनिम या जींस

लिनेन और कॉटन के बाद सबसे प्रिय कपड़ा है डेनिम या जींस का जो एक अलग ही तरह का आराम देता है, लेकिन इस बार डेनिम का मतलब केवल जींस से ही नहीं बल्की उसके सब प्रकार के कपडों से है। इस बार डेनिम के शर्ट्स, टॉप्स, ढीले ट्राउसर्स और शॉर्ट ड्रेसेस सभी चलन में हैं। आप चाहे दिन में अपनी दोस्तों के साथ लंच पर जा रही हैं या ट्रेन में सफर करना हो यह एक बड़ा ही अच्छा विकल्प है।

पोलका डॉट्स: इस बार पोलका डॉट्स का फैशन लौटकर आया है। 60 के दशक की यह लोकप्रिय डिजाईन, अब एक बार फिर फैशन में है। पोलका डॉट की ड्रेसेस, टॉप और कई अक्सेसरीस जैसे, बेल्ट्स, हेयर बैंड्स भी इस सीजन में लोकप्रिय हैं।

सुंदर लेस: अलग-अलग सुन्दर लेसस और बॉर्डर्स आपकी सीधी-साधी ड्रेस में चार चान्द लगा सकते हैं. जी हां सुन्दर व्हाइट लेस जैसे ग्रेशिये की लेस भी इस बार चलन में है और गर्मियों में इसे काफी पसंद किया जाएगा।

लांग टॉप: लांग टॉप हमेशा ही डीप लेंथ का होता है। आप इसे किसी स्पेशल ओकेजंस में लेगिंग्स, जेगिंग्स और जींस के साथ मैच कर के डाल सकते है। मलमल कॉटन से बनाया गया है इसलिए यह रात के समय चमकता है।

मक्खी नेट शॉर्ट्स: इन दिनों बाजार में मक्खी नेट शॉर्ट्स का फैशन बहुत चल रहा है। इसे पहन कर आप बहुत ही कूल और डिसेंट दिखेगी। नेट शॉर्ट्स को पहनना बहुत ही अरामदायक है।

शॉर्ट मिडी: आजकल बाजार में शॉर्ट मिडी का फैशन बहुत देखने को मिल रहा है। इसे आप वन पीस ड्रेस में भी पहन सकती है। पर अगर आप इसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ पहेनेगे तो आप ज्यादा कंफर्टेबल महसूस करेंगे।

वेल्वेट ड्रेसेस: आजकल हर पार्टी के लिए लाइक्रा और वेलवेट ड्रेसेस पसंद की जा रही है। इन पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है। बाजार में ईवनिंग गाउन से लेकर, वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में अवेलेबल हैं।

व्हाइट टी-शर्ट के स्टाइल ...

आम दिनों में, जब आप जल्दी में रहती हैं या फिर सोने जा रही होती हैं तो एक आउटफिट जो आपके वॉडरोब में जरूर मौजूद रहता है और हर बार आप उसे ही चुनती हैं वो है व्हाइट टी-शर्ट। पर क्या आपने कभी सोचा है कि यह सिंपल सा दिखने वाला गारमेंट, कई बेहतरीन तरीके से स्टाइल किया जा सकता है। बस जरूरत है तो इसे सही लोअर्स, हील्स और एक्सेसरीज के साथ पेयर करने की।

स्कर्ट के साथ

एक व्हाइट टी-शर्ट के साथ स्कर्ट आपको सुंदर लुक देने का काम करेगी। अगर आप किसी फॉर्मल नाइट आउट के लिए जा रही हैं तो इसे एक घेरेदार स्कर्ट के साथ पेयर करें। एक टी-लेंथ या हाई वेस्ट ब्लैक लेदर पेंसिल स्कर्ट ज़्यादा बेहतर लगेगी। अपने लुक को थोड़ा ग्लैमरस बनाने के लिए इसे हील्स और बेल्ट के साथ पेयर करें।

डेनिम के साथ

आमतौर पर व्हाइट टी-शर्ट को डेनिम के साथ पहनना काफी आसान और आम चॉइस है, लेकिन हम कहेंगे कि आप जो भी डेनिम चुनने वाली हैं उसके साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट करें। पार्टी के लिए, एक ब्लैक डेनिम और पॉइंटेड पम्प्स को निकालें और इसे पेयर करें व्हाइट टी-शर्ट के साथ।

शॉर्ट्स के साथ

शॉर्ट्स को एक सिंपल आउटफिट माना जाता है, लेकिन आप एक सही शॉर्ट्स के साथ व्हाइट टी-शर्ट को पेयर कर पा सकती हैं सुंदर लुक। सिंपल और मुलायम शॉर्ट्स जो आप घर पर पहनती हैं, को भूल जाइए। इसकी जगह एक सुंदर सी सीक्विन्ड शॉर्ट्स या डेनिम शॉर्ट्स को कॉर्सेट पम्प्स या ग्लैडिएटर हील्स के साथ पहनें।

ट्राउजर के साथ

फॉर्मल होने के बावजूद भी ट्राउजर से आप स्मार्ट और स्टाइलिश लुक पा सकती हैं, इसे एक व्हाइट टी-शर्ट के साथ पेयर करके एक वॉल्यूमिनस वाइड-लेग्ड ट्राउजर या एंकल लेंथ के साथ व्हाइट शर्ट को टक इन करके पहनें।

कुशन भी मौसम के हिसाब से...

कुशन भारतीय लाइफ स्टाइल का अहम हिस्सा रहे हैं। हर घर में आपको कुशन मिल ही जाएंगे चाहे वे गोलाकार हों या फिर चोकोर। कुशन इंटीरियर की वह आइटम है जिस आप चाहे सोफे पर रखें या फिर बिस्तर पर, वह अपने लिए जगह बना ही लेता है और उस स्थान की खूबसूरती को भी बढ़ा देता है। अगर आप मौसम और अवसर को ध्यान में रखकर कुशन का प्रयोग करेंगे तो यह आपको कई तरह से फायदा देगा। जैसे गर्मियों में यदि आप दिनभर की भागदौड़ के बाद घर आकर सुकून महसूस करना चाहते हैं तो घर को कूल लुक देने के लिए हल्के रंग के परदे, सोफा कवर, चादर के साथ-साथ कूल लुक वाले हल्के रंग के कुशन इस्तेमाल करें जैसे आइस ब्लू, पाउडर पिंक, लैमन, पीच आदि। सर्दियों के लिए यदि आप डार्क कलर के कुशन खरीदें तो यह आपको गर्मी का अहसास देंगे। यदि आप शाही अंदाज में घर सजाना चाहते हैं तो शनील के कुशन आपके घर को शाही लुक देने का काम करेंगे। जब मौका उत्सव का हो तो घर को मिरर, गोटा-किनारी वर्क, सितार वर्क किए हुए कुशन कवर से सजाएं। इससे घर का लुक उत्सवमय लगेगा।

कुशन साइज

कुशन का इस्तेमाल डेकोरेशन के लिए ज्यादा किया जाता है। इस साइज के कुशन अधिकतर कढ़ाईदार होते हैं और दिखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं। ड्राइंग रूम की डेकोरेशन के लिए 12×12के कुशन सबसे ज्यादा इस्तेमाल में आते हैं। ड्राइंग रूम के अलावा इस साइज के कुशन का इस्तेमाल इन दिनों लोग अपनी कार के पिछले हिस्से के शीशे के सामने डेकोरेशन के रूप में कर रहे हैं। कार के पिछले हिस्से में दो 12×12 के कुशन बहुत ट्रेंडी लुक देते हैं। 16×16 के कुशन का इस्तेमाल आराम के लिए किया जाता है। इस साइज के कुशन सोफे के बैक में रखने के लिए इस्तेमाल किया जाते हैं। अगर इस साइज के कुशन कढ़ाईदार हों तो इनका इस्तेमाल शो पीस के रूप में घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए भी किया जा सकता है।24× 24 के कुशन अधिकांश प्लेन होते हैं और इनमें मिरर वर्क या फिर सितारा वर्क बहुत कम देखने को मिलता है। इस साइज का इस्तेमाल फ्लोर सिटिंग में गद्दी के रूप में भी किया जाता है।

कुशन के लिए फैब्रिक

अगर आपको ड्राइंग रूम की डेकोरेशन के लिए कुशन खरीदने हैं तो सिल्क के बने कुशन खरीदें। जो 12×12 और 16×16 के हों। अगर आप स्टडी रूम के लिए कुशन खरीदना चाहते हैं तो लैदर के कुशन कवर इस्तेमाल कर सकते हैं, यह स्टडी रूम के लिए ज्यादा ठीक रहते हैं। बेडरूम के लिए मिरर वर्क व सितारा वर्क वाले कुशन इस्तेमाल न करें क्योंकि इनमें बालों के उलझने का खतरा बना रहता है। साथ ही यह सोते समय शरीर को चुभन भी दे सकते हैं। अगर आप ड्राइंग रूम के लिए सूती कुशन खरीदना चाहते हैं तो उसमें पैच वर्क, मिरर वर्क, गोटा-किनारी वर्क, सीकवेंस वर्क, सितारा वर्क किया हो ,यह ड्राइंग रूम को खूबसूरत लुक देता है। आराम के लिहाज से बिना कढ़ाई के सूती कुशन ज्यादा बेहतर रहते हैं। अगर आप प्लेन कुशन नहीं चाहते तो पैच वर्क वाले कुशन कवर ले सकते हैं। अगर आपके घर का इंटीरियर बेहद आधुनिक स्टाइल का है या फिर आपका सोफा लैदर का है तो लैदर के कुशन ही खरीदें।

आराम के लिए कुशन

कुशन का इस्तेमाल शो पीस के रूप में करना है या फिर आराम के लिए, यह पूरी तरह से आपके ऊपर निर्भर करता है। कुशन कई तरह से आपको आराम दे सकते हैं। जैसे घर में टीवी देखते समय आप कुशन को अपनी गोद में रखकर, उसके ऊपर अपने दोनो हाथों को रख आराम दे सकते हैं। साथ ही अपनी पीठ के पीछे भी कुशन रखकर पीठ को एक कोमल और मुलायम अहसास दे सकते हैं। 30×30 वाले कुशन फ्लोर पर गद्दी का काम करते हैं। आप कारपेट व चटाई के ऊपर इन्हें रख सकते हैं,यह बहुत ही सुंदर लुक देते हैं। साथ ही सोफे की तुलना में ज्यादा सस्ते भी रहते हैं। अगर आपके घर में दीवान है तो आप दीवान पर कुछ कुशन रख दें,बहुत सुंदर लुक देंगे।

वकीलों जैसी सलाह देंगे ये ऐप्स...

इस बात के लिए तो टैक्नोलॉजी का शुक्रिया अदा करना बनता है कि इसने हमारी लाइफ को बेहद सरल बना दिया है। इंटरनेट और फोन्स ने मिलकर सारे विश्व की जानकारी को हमारे हाथों में लाकर रख दिया है। इस टेक युग में अध्यापक से लेकर डॉक्टर तक की सलाह आपको इंटरनेट पर मिल जाएगी। इसके अलावा कुछ स्मार्टफोन एप्स भी यह काम करते हैं। ऐसे में वकीलों के व्यवसाय से ऐसी आशा क्यों न रखें, जिसमें जानकारी स्मार्टफोन ही उपलब्ध करवा दे। यह कुछ ऐसे एप्स हैं जो आपको वकील की तरह सलाह देने में मदद करेंगे।

इंडियन लॉज: बहुत से कानून है और इन्हें याद रखना सम्भव नहीं है। इस काम में यह एप आपकी मदद कर सकता है। इंडियन लॉज एप में भारतीय दंड संहिता और भारतीय संवैधानिक कानूनों की लिस्ट दी गई है। इसमें सर्च बार भी दिया गया है जिससे कोई भी कानून को सर्च किया जा सकता है और उसकी जानकारी सामने आ जाएगी। इसका अर्थ यह है कि आपको किसी कानून के बारे में जानने के लिए किसी किताब को घंटों तक नहीं पढ़ना पड़ेगा।

लॉयर्स क्लब इंडिया: इस एप की मदद से आप कानूनी खबरें और अपडेट्स पा सकते हैं तथा आपको कानूनी प्रश्नों का जवाब भी मिलेगा। यह एप आपको करंट अफेयर्स जैसे क्रूरता पर तलाक, सैक्शन 377 आदि पर सामग्री उपलब्ध करवाएगा। इसके अलावा आप मुख्य जानकारी से अपडेट भी रह सकते हैं जिसकी नोटिफिकेशन मिलती है। साथ ही इस एप से फाइल शेयर की जा सकती है और अन्य काम किए जा सकते हैं।

इंडियन बार एक्ट्स पैक: कानून की किताबों को बाय-बाय कहने के पीछे एक और कारण पांच एसेंशियल बार एक्ट्स है जिसमें भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, सिविल प्रक्रिया और कर सेवा कानून शामिल है। इस एप में आप सर्च कर इन सभी की जानकारी पा सकते हैं। एक से दूसरे एक्ट पर आसानी से जाया जा सकता है और किसी खास सैक्शन को बुकमार्क भी किया जा सकता है।

शेड्यूललॉयर: यह एप आपके काम की डायरी की जगह ले लेगा। इस एप से आप नियुक्तियों, दिन और मामले की जानकारी से अपडेट रहेंगे। अगर आप अपनी डायरी घर पर भुल जाते हैं तो यह स्मार्टफोन आपके लिए ही है। इस एप में जानकारी को एड भी किया जा सकता है और यह एप आपके बोलने पर उसे टैक्स्ट में बदल सकता है। यह एप अपने नाम के साथ ही सारा कुछ बता देता है। इस एप की मदद से ऑनलाइन आरटीआई फाइड डाली जा सकती है। इस एप की मदद से एक तो अदा की गई पैमेंट सुरक्षित रहती है और दूसरा एप्लिकेशन का स्टैटस ट्रैक होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**